सीएए विरोधी याचिकाओं पर 5 मई से सुनवाई : सुप्रीम कोर्ट - 12

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट से समझौता - 12

अमेरिका से समझौता करने में ही है ईरान की भलाई : व्हाइट हाउस - 13

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को भी दी पटखनी, लगाई जीत की हैट्रिक - 14

आज का मौसम
28.0⁰ अधिकतम तापमान
14.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.46 सूर्यास्त 06.06

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष तृतीया 02:38 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 20 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 87, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

नवाचार व जिम्मेदारी से तय होगा एआई का भविष्य

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के लिए मानव विजन का किया अनावरण, प्रौद्योगिकी पर मानव नियंत्रण की वकालत की

- कहा-भारत ने जीवंत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया, जिसे दुनिया से साझा कर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एआई की पहुंच सभी तक सुनिश्चित किए जाने की वकालत करते हुए गुरुवार को 'मानव विजन' का अनावरण किया जिसके तहत संप्रभुता और समावेशिता पर विशेष जोर देते हुए तेजी से उभरती इस प्रौद्योगिकी के उपयोग एवं मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाने की परिकल्पना की गई है। प्रधानमंत्री ने यहां एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की भलाई के लिए वास्तव में तभी काम आएगी जब इसे साझा किया जाएगा और इसके कोड सार्वजनिक होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने एक जीवंत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया है और इसे दुनिया के साथ साझा कर रहा है क्योंकि प्रौद्योगिकी देश के लिए शक्ति का माध्यम नहीं बल्कि सेवा का माध्यम है, प्रभुत्व स्थापित करने का नहीं बल्कि सशक्त बनाने का माध्यम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश एआई से डरता नहीं है बल्कि इसमें भविष्य की संभावनाएं देखता है। सभी का कल्याण व खुशहाली एआई के लिए हमारा मापदंड है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मनुष्य महज 'डेटा' बिंदु या कच्चा माल न बनकर रह जाएं। मोदी ने कहा, मैं एआई के लिए मानव (एमएएनएवी) दृष्टिकोण प्रस्तुत करता हूं जिसमें एम का अर्थ मोरल एंड इथिकल सिस्टम्स (नैतिक एवं नीतिपरक प्रणालियां), ए से तात्पर्य अकाउंटेबल गर्वनेंस (जवाबदेह शासन), एन से तात्पर्य नेशनल सॉवेरिनिटी (राष्ट्रीय संप्रभुता), ए से तात्पर्य एक्सेसबल इंड इन्क्लूसिव (सुलभ और समावेशी) और वी से तात्पर्य वैलिड एंड लेजिटिमेट (वैध और कानूनी) है। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पॉहमेलॉ सहित दुनिया भर के नेता और कई प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के सीईओ उपस्थित थे।

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन और अन्य लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

11 भाषाओं में मोदी के भाषण का प्रसारण

नई दिल्ली। समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की प्रगति तब देखने को मिली जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का 11 भाषाओं में सीधा प्रसारण किया गया, साथ ही एआई-सक्षम सांकेतिक भाषा अनुवाद की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। भारत मंडपम के सभागार में प्रधानमंत्री के पीछे लगी एक बड़ी स्क्रीन पर एआई-सक्षम सांकेतिक भाषा अनुवाद प्रदर्शित किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उनका भाषण सभी के लिए सुलभ हो।

उद्योग की प्रकृति बदल देगा एआई : ऑल्टमैन

नई दिल्ली। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि एआई सॉफ्टवेयर उद्योग की प्रकृति बदल देगी। उन्होंने कहा कि कुछ कंपनियों के लिए यह नुकसानदेह हो सकता है जबकि कई अन्य कंपनियां अपनी अलग मूल्य पेशकश के कारण इससे लाभ उठा सकेंगी। ऑल्टमैन ने कहा कि एआई से प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए बहुत कुछ बदलने वाला है, क्योंकि 'कोडिंग' अब पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और तेज हो गई है। लोग जरूरत से ज्यादा सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रतिक्रियाएं देते हैं।

डेटा की तरह सस्ता होगा एआई, 10 लाख करोड़ का करेंगे निवेश

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने अगले सात वर्ष में एआई में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश की गुरुवार को घोषणा की और वादा किया कि वह एआई को भारत में उसी तरह सस्ता एवं सुलभ बनाएंगे जैसे मोबाइल व इंटरनेट डेटा को बनाया था। अंबानी ने कहा कि यह पहल हर नागरिक, व्यवसाय और सरकारी सेवा को एआई से जोड़ेगी, जो जियो की डिजिटल क्रांति के परिवर्तनकारी पैमाने को दर्शाती है। जियो अब भारत को बुद्धिमता (इंटेलिजेंस) के युग से जोड़ेगी। भारत अब बुद्धिमता को किराये पर लेने का जोखिम नहीं उठा सकता। इसलिए, हम बुद्धिमता से हासिल जानकारी की लागत को उतनी ही तेजी से कम करेंगे जितनी हमने डेटा के मामले में की थी। जामनगर में गीगावाट-पैमाने वाले एआई-तैयार डेटा सेंटर, जो 10 गीगावाट तक की हरित ऊर्जा अधिशेष का लाभ उठाएंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों भारत के डिजिटल सिस्टम के हुए मुरीद

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक ढांचा तैयार करने पर काम करेंगे जिसमें नवाचार को जिम्मेदारी के साथ और प्रौद्योगिकी को मानवता के साथ जोड़ा जाएगा। मैक्रों ने कहा कि भारत ने ऐसा डिजिटल सिस्टम बनाया है, जो दुनिया में किसी और देश ने नहीं बनाया। भारत ने 140 करोड़ लोगों के लिए डिजिटल पहचान (आईडी) बनाई है। भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम हर महीने करीब 20 अरब लेन-देन करता है। भारत ने 50 करोड़ लोगों को डिजिटल हेल्थ आईडी भी जारी की है। इन सबको मिलाकर एक व्यवस्था बनी है। यह एक खुला और जुड़ा हुआ डिजिटल सिस्टम है और यही इस सम्मेलन का मुख्य विषय है। दुनिया अब डिजिटल क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ने के नए दौर की शुरुआत पर खड़ी है।

अनिल अंबानी का शीर्ष कोर्ट को हलफनामा, बिना इजाजत देश नहीं छोड़ूंगा

- 40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में दिया हलफनामा
- एजेंसी के साथ जांच में सहयोग करने की बात भी कही

नई दिल्ली। रिलायंस (एडीएजी) के चेयरमैन अनिल अंबानी ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा देकर कहा है कि वह बिना पूर्व-अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे और एजेंसियों के साथ जांच में पूरा सहयोग करेंगे। यह मामला अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) द्वारा कथित रूप से 40,000 करोड़ रुपये की बैंकिंग एवं कॉरपोरेट धोखाधड़ी से जुड़ा है। शीर्ष अदालत में दायर हलफनामे में अंबानी ने कहा कि उनका देश छोड़ने का कोई इरादा नहीं है और न ही उनकी कानूनी प्रक्रिया से बचने की कोई मंशा है।

अंबानी ने कहा, मैं शपथ लेकर कहता हूं कि मैंने जुलाई, 2025 से मौजूदा जांच शुरू होने के बाद से भारत नहीं छोड़ा है और फिलहाल देश से बाहर जाने का मेरा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने साथ ही वादा किया कि यदि उन्हें किसी काम से विदेश जाना पड़ा तो वह उससे पहले अदालत की अनुमति लेंगे। उन्होंने कहा, मैं पूरी ईमानदारी से जांच में एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रहा हूं और आगे भी ऐसा करना जारी रखूंगा। अंबानी ने यह हलफनामा पूर्व नौकरशाह ईएएस सरमा की उस अर्जी के जवाब में दिया है, जिसमें एडीएजी, अनिल अंबानी और समूह की कंपनियों से जुड़े बड़े बैंकिंग और कॉरपोरेट घोटाले की निष्पक्ष, तुरंत और बिना किसी भेदभाव के जांच की अपील की गई है।

ब्रीफ न्यूज

राहुल समेत 25 सांसदों को गोली मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी दल के 25 अन्य सांसदों को गोली मारने की धमकी देने वाला वीडियो जारी करने वाले एक व्यक्ति को गुरुवार को राजस्थान के कोटा में पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कोटा की पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि आरोपी को बोरखेड़ा थाने में हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, अभी तक किसी भी संगठन से उनके संबंधों की कोई पुष्टि नहीं हुई है। उद्योग नगर पुलिस थाने में उनके खिलाफ चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। संबंधित धाराओं के तहत उचित कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी।

हाथी ने बुजुर्ग किसान को कुचल कर मार दिया

बिजनौर। यहां के अमानगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र के गांव रानीनांगल में किसान जसवंत सिंह (68) खेत में बने अपने कच्चे मकान में थे। गुरुवार देर रात वह लघुशंका के लिए उठे। इसी दौरान उन्हें वहां कुछ आहट सुनाई पड़ी। टॉर्च की रोशनी में उन्होंने हाथी खड़ा देखा। उन्होंने हाथी को भगाने की कोशिश की तो हाथी आक्रामक हो गया और हमला कर दिया। हाथी ने जसवंत सिंह को कुचल कर मार दिया।

सियासत : बिजली, स्मार्ट मीटर और किसानों पर गरमाई विधानसभा

- किसानों के मुद्दे पर सपा का बहिर्गमन, बिजली कटौती व निजीकरण पर हमला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा की कार्यवाही के दौरान गुरुवार को बिजली आपूर्ति, उसके निजीकरण और स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं के कथित उत्पीड़न का मुद्दा जोर-शोर से उठा। शून्य प्रहर में सपा के सदस्यों ने सरकार पर बिजली संकट, बढ़ती दरों और विभागीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। वहीं, प्रश्नकाल में कृषि एवं किसान से जुड़े सवालों पर असंतोष जताते हुए सपा सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

सदन में गुरुवार को कृषि, जलशक्ति समेत कई विभागों के बजट चर्चा हुई। शून्य प्रहर के दौरान सपा सदस्य राम सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश में इस समय जिस तरह बिजली कटौती हो रही है, उससे आने वाले दिनों में भीषण गर्मी के दौरान हालात और खराब होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि सरकार के तमाम दावों के बावजूद बिजली उत्पादन और आपूर्ति को लेकर कोई ठोस तैयारी नजर नहीं आ रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिजली विभाग की हेल्पलाइन 1912 आम जनता के लिए केवल औपचारिकता बनकर रह गई है और शिकायतों का समाधान नहीं हो रहा है। निजीकरण का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि विभागीय कर्मचारी पिछले एक साल से आंदोलन कर रहे हैं, इसके बावजूद सरकार उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने मांग की कि बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया तत्काल समाप्त की जाए।

विधानसभा में चर्चा करते मंत्री नरेंद्र कश्यप।

ऊर्जा मंत्री का पलटवार, बोले-सपा ने बनाया था बीमारू

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विपक्ष के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि प्रदेश में बिजली अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है। हर उपभोक्ता को निर्बाध और निरंतर बिजली आपूर्ति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सपा सरकारों ने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था, जबकि मौजूदा सरकार ने अपने अथक प्रयासों से प्रदेश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाया है।

किसान मुद्दे पर प्रश्नकाल में हंगामा, सपा का वॉकआउट

इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान कृषि और किसान से जुड़े मुद्दों पर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है और किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है। जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है और केंद्र व प्रदेश सरकार मिलकर किसानों की हर समस्या का समाधान कर रही है।

31 वर्ष से फरार खालिस्तानी आतंकी नोएडा से गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी एटीएस व नोएडा पुलिस ने किया संयुक्त ऑपरेशन
- पहचान बदल पंजाब में रह रहा था प्रतिबंधित केसीएफ का कमांडो

प्रतिबंधित आतंकी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के कमांडो सुखविंदर सिंह उर्फ दयाल सिंह उर्फ राकेश शर्मा उर्फ छिंदा को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वह 31 वर्ष से फरार चल रहा था। एटीएस और नोएडा पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दबोचा।

एटीएस के मुताबिक आरोपी काफी समय पहले जमानत पर रिहा हुआ। इसके बाद फरार हो गया था। उसके खिलाफ न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया था। एटीएस की नोएडा यूनिट के मुताबिक सूचना मिली प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स का सक्रिय सदस्य सुखविंदर सिंह ढिल्लों पहचान बदलकर पंजाब में रह रहा है। इसके बाद उसकी निगरानी शुरू की गई। वह अपने मूल स्थान कपूरथला में न रहकर खरड़ पंजाब में रह रहा था। नोएडा पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

1993 में एके-56 राइफल के साथ हुआ था गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, आरोपी के विरुद्ध थाना सेक्टर-20, गौतमबुद्धनगर में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। उसे 18 अप्रैल 1993 को एक ए.के.-56 राइफल और 121 कारतूस के साथ गिरफ्तार कर कोर्ट भेजा गया था। बाद में नौ दिसंबर 1993 को उसे जमानत मिल गई, लेकिन 16 अगस्त 1995 के बाद से वह कोर्ट में पेश नहीं हुआ और लगभग 31 वर्षों से फरार चल रहा था। कोर्ट द्वारा उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। जांच में सामने आया कि आरोपी सुखविंदर सिंह ने अपनी पहचान छिपाने के लिए कई नामों यानी दयाल सिंह, राकेश शर्मा और छिंदा का इस्तेमाल किया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, शस्त्र अधिनियम और अन्य मामलों में पंजाब के विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं। जिनमें वर्ष 1983 से 1993 तक के संगीन प्रकरण शामिल हैं।

सॉफ्टवेयर की समस्या से कई हवाई अड्डों पर सेवाएं बाधित

- इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस स्पाइसजेट और अकासा एयर प्रभावित हुईं

नई दिल्ली। सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण विभिन्न एयरलाइन के यात्रियों को गुरुवार सुबह आगमन संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ा। यह समस्या करीब 40 मिनट से अधिक समय तक बनी रही। इस समस्या के कारण दिल्ली, मुंबई और अन्य हवाई अड्डों पर इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और अकासा एयर प्रभावित हुईं। सॉफ्टवेयर में खराबी के कारण 'चेक-इन सिस्टम' सुबह लगभग छह बजकर 45 मिनट से सात बजकर 28 मिनट तक बंद रहा। सूत्रों में से एक ने बताया कि समस्या का समाधान कर लिया गया है और सिस्टम सामान्य रूप से काम कर रहा है। सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण एयरलाइन को ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा।

एपस्टीन मामले में किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी

- 17 साल की लड़की से रेप का आरोप
- शाही घर भी छीना जा चुका

ब्रिटेन पुलिस ने किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर को सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के संदेह में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी उनके और यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के बीच संबंधों की जांच के सिलसिले में की गई है। गुरुवार सुबह पूर्वी इंग्लैंड के सैंड्रिंघम एस्टेट स्थित 'वुड फार्म' पर पुलिस की छह कारें व सादे कपड़ों में लगभग आठ अधिकारी पहुंचे थे।

टेम्स वैली पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि वे उन आरोपों की समीक्षा कर रहे हैं जिनमें दावा किया गया है कि माउंटबैटन-विंडसर ने जेफरी एपस्टीन को गोपनीय सरकारी दस्तावेज सौंपे थे। ये आरोप हाल ही में अमेरिकी सरकार द्वारा जारी की गई फाइलों के आधार पर लगाए गए हैं। स्वर्गीय महारानी एलिजाबेथ के दूसरे बेटे, माउंटबैटन-विंडसर ने एपस्टीन के साथ किसी भी गलत काम में शामिल होने से इनकार किया है। उन्होंने एपस्टीन के साथ अपनी दोस्ती पर पछतावा जताया है। एंड्रयू से 17 साल की लड़की से रेप का आरोप में शाही घर भी छीना जा चुका है।

ईरान संकट से बाजार सहमा, सेंसेक्स 1,236 और निफ्टी 365 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

- शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली निवेशकों के 6.64 लाख करोड़ डूबे

अमेरिका और ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से उपजी चिंताओं के बीच गुरुवार को चौतरफा बिकवाली से घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,236 अंक टूट गया जबकि निफ्टी 365 अंक लुढ़ककर 25,500 अंक से नीचे आ गया।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स तीन सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगाते हुए 1,236.11 अंक यानी 1.48 प्रतिशत टूटकर 82,498.14 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,470.05 अंक फिसलकर 82,264.20 अंक पर आ गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 365 अंक यानी 1.41 प्रतिशत लुढ़ककर 25,454.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी एक समय 430.6 अंक के नुकसान के साथ 25,388.75 अंक तक आ गया था। निफ्टी में गिरावट इस कदर व्यापक रही कि समूह में शामिल 50 में से 47 कंपनियों के शेयर गिरकर बंद हुए। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ईरान पर अमेरिकी हमले की बढ़ती आशंका को देखते हुए निवेशकों ने जोखिम से परहेज किया।

हीलाहवाली | यूपी में आयुष में इलाज लचर, यूपीसीडा में विकास-वित्तीय अनुशासन पर सवाल, कुप्रबंधन से सेवाएं अधूरी तो अनदेखी से करोड़ों का नुकसान

सीएजी रिपोर्ट में खुलासा, खर्च तो हुआ लेकिन नतीजा नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास दोनों ही मोर्चों पर सरकारी दावों की हकीकत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की ताज़ा निष्पादन लेखा परीक्षा रिपोर्टों ने उजागर कर दी है।

एक ओर आयुष सेवाओं पर हजारों करोड़ के बजटीय प्रावधान के बावजूद बुनियादी सुविधाएँ, मानव संसाधन और दवा आपूर्ति जर्जर रहीं, तो दूसरी ओर औद्योगिक विकास के लिए गठित यूपीसीडा में नियमों की अनदेखी, योजनाओं का अभाव और वित्तीय अनुशासनहीनता सामने आई। आयुष पर सीएजी (प्रतिवेदन सं. 10/2025) बताती है कि 2018-19 से 2022-23 के बीच बड़े बजट प्रावधानों के बावजूद 20% से 40% तक राशि खर्च ही नहीं हो सकी और बचत वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन समर्पित की गई। जिसे अविवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन माना गया। अस्पतालों/औषधालयों में बिजली-इंटरनेट, उपकरण और स्टाफ की भारी कमी रही कई भवन बने पर समय पर चालू नहीं हुए दवाओं की खरीद-उत्पादन और आपूर्ति में वर्षों की देरी मिली। उधर यूपीसीडा पर सीएजी (प्रतिवेदन सं. 14/2025) के अनुसार 2017-18 से 2021-22 (मार्च 2024 तक अद्यतन) के दौरान भूमि अधिग्रहण, औद्योगिक क्षेत्रों का विकास, भूखंड आवंटन और आंतरिक नियंत्रण-चारों में गंभीर खामियाँ रहीं। सरकारी मंजूरी बिना विनियम, परिप्रेक्ष्य/विकास योजनाओं का अभाव, बोली-ठेकों में लापरवाही और लेखा-प्रबंधन की विफलता से औद्योगिक विकास असंतुलित और अनियोजित रहा।

आयुष: बजट बनाम खर्च (2018-19 से 2022-23)

- आयुर्वेद (राजस्व) : 5630.71 करोड़ 30.69% बचत
- यूनानी (राजस्व) : 684.15 करोड़ 33.60% बचत
- होम्योपैथी (राजस्व) : 2598.26 करोड़ 23.68% बचत
- पूंजीगत व्यय : 16% से 44% तक बचत

अस्पताल बने, इलाज नहीं

राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत 50 शैय्या वाले 25 एकीकृत आयुष चिकित्सालय स्वीकृत हुए, पर दिसंबर 2021 तक केवल 11 शुरू हो सके मार्च 2023 तक संचालन योग्य बने।

अधूरे अस्पताल : स्वीकृत 25, शुरू 11, देरी 3-6 वर्ष

डिजिटल हेल्थ का दावा, बिना बिजली-इंटरनेट

1034 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में से 21% में बिजली नहीं, 51% में इंटरनेट नहीं—उपकरण बेकार, सेवाएं कागजी।

दवाओं में गड़बड़ी

राजकीय आयुर्वेदिक-यूनानी निर्माणशाला को 388 दवाओं की अनुमति- औसतन 20% उत्पादन।

आपूर्ति देरी : आयुर्वेद/यूनानी 571 दिन तक, होम्योपैथी 964 दिन तक गुणवत्ता जांच में बिना भुगतान।

स्टाफ संकट (आयुष)

- चिकित्सा अधिकारी : 33%-100% कमी
- फार्मासिस्ट : 45%-88% कमी

यूपीसीडा: लक्ष्य कागजों में

- अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र : 154
- कुल क्षेत्रफल : 49,395 एकड़
- ऑडिट अवधि : 2017-18 से 2021-22 (मार्च 2024 तक)

भूमि अधिग्रहण—हकीकत

- 6 वर्षों में लक्ष्य हासिल : सिर्फ 1 वर्ष (2020-21)
- कमी : 27.6%-100%
- दो वर्ष शून्य अधिग्रहण

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

पीलीभीत

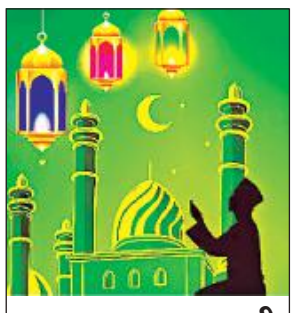

इफ्तार
शुक्रवार शाम
सुन्नी : 6:09
शिया : 6:18

सहरी
शनिवार सुबह
सुन्नी : 5:17
शिया : 5:11

न्यूज ब्रीफ

अज्ञात वाहन से टक्कर बाइक सवार की मौत

गजरौला, अमृत विचार : असम हाईवे पर गुरुवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की शिनाख्त कर परिवार को बुला जानकारी की। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सुनगढ़ी क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर कांशीराम कॉलोनी निवासी 35 वर्षीय विजय शुक्ला पुत्र राम रघुवीर शुक्ला गुरुवार को बाइक से थाना क्षेत्र के ग्राम लौकहा से पीलीभीत लौट रहे थे। जैसे ही वह असम हाईवे पर ग्राम कैंच स्थित आदर्श इंटर कॉलेज के सामने पहुंचे, तभी किसी वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के दौरान उनकी मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। परिवार वाले भी आ गए। उनका रोकर बुरा हाल रहा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है।

ट्रैक्टर ट्रॉली का पहिया निकलने से मौत

बिलसंडा, अमृत विचार : गोला रोड पर ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आकर वृद्धा की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे में ले लिया है। दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के गांव कटैया निवासी 60 वर्षीय लीलावती पत्नी राममूर्ति गुरुवार को अपनी छोटी पुत्री रामवती के साथ बड़ी पुत्री रामश्री की ससुराल ईशापुर गांव जा रही थीं। दोपहर करीब तीन बजे स्टेट बैंक के पास पहुंचते ही ट्रैक्टर ट्रॉली ने वृद्धा को टक्कर मार दी। जिसमें महिला गिर गई और ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आकर कुचल गई। घायल को सीएचसी लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। कुछ लोगों का कहना था कि ट्रैक्टर ट्रॉली मिट्टी खनन में लगी हुई थी। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रैक्टर कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

कार्य पर लगा अतिक्रमण और ओवरलोडिंग का ग्रहण

ठेकेदार ने डीएम को लिखा पत्र, हादसे का खतरा जताया, अतिक्रमण हटवाने की मांग, खतरा बन रहे हैं डिवाइटर पर लगे पोल

- छतरी चौराहा पर लगाए जा रहे नए पोल
- तीन पोल हटाए और एक अब भी क्षतिग्रस्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शहर की सड़कों पर फैले अतिक्रमण को हटवाने के लिए नगर पालिका प्रशासन की ओर से कोई सुध नहीं ली जा रही है। लंबे समय से जाम का सबब बन चुकी अतिक्रमण की समस्या अब विकास कार्यों के लिए भी बाधा बन चुकी है।

टनकपुर हाईवे पर छतरी चौराहा के पास डिवाइडर पर लगाए गए नए स्ट्रीट पोल मार्ग की सुंदरता बढ़ाने के बजाय खतरा बन चुके हैं। अतिक्रमण से सिकुड़ी सड़कों पर ओवरलोड गन्ना वाहनों की आवाजाही होने से पोल क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। चार नए पोल क्षतिग्रस्त हो गए, जिसमें से तीन को हटवाया भी जा चुका है। ठेकेदार की ओर से ये समस्या बताते हुए डीएम को पत्र लिखा गया है, जिसमें अतिक्रमण हटवाने का आग्रह किया है।

नगर पालिका के स्तर से शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में बीते दिनों नौगवां ओवरब्रिज पर पालिका क्षेत्र में 64 नए स्ट्रीट पोल लगाए गए। जिसके बाद ओवरब्रिज की रौनक बढ़ चुकी है। ऐसे ही छतरी चौराहा के पास डिवाइडर पर भी नई स्ट्रीट लाइट लगाने का काम ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है। कई पोल लगाए भी जा चुके हैं। बताते हैं कि बीते दिनों करीब चार पोल झुक गए थे। जिनसे में बड़ा हादसा हो सकता था।

ठेकेदार ने तीन पोल हटवा दिए और चौथे को भी हटवाया जाएगा। इसे लेकर सोशल मीडिया पर ठेकेदार की लापरवाही से जोड़कर भी पोस्ट की गई थी। फिलहाल अब इस विकास कार्य में अतिक्रमण और ओवरलोड वाहन ग्रहण लगा रहे हैं। ठेकेदार पंकज सिंह राजपूत ने डीएम को दिए शिकायत पत्र में बताया कि छतरी चौराहा के पास लाइट पोल अधिष्ठापन का कार्य कराया जा रहा है। इसके तहत डिवाइडर पर लाइट पोल स्थापित किए गए थे।

मगर पोल स्थापित होने के कुछ समय बाद ही वहां से गुजर रहे ओवरलोड गन्ने के ट्रकों के गुजरने से पोल क्षतिग्रस्त हो गए। उनका कहना है कि छतरी चौराहा पर मुख्य मार्ग पर दोनों तरफ काफी अतिक्रमण है। इसके चलते ट्रक डिवाइडर के समीप से होकर गुजरते हैं। जिससे पोल क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी रहती है। लोगों की जानमाल का नुकसान होने की संभावना बताई। जनहित और सौंदर्यीकरण कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए छतरी चौराहा के आसपास डिवाइडर वाले क्षेत्र से अतिक्रमण हटवाने का आग्रह किया है।

छतरी चौराहा पर डिवाइडर के इस हिस्से से हटाए गए पोल। ● अमृत विचार

छतरी चौराहा पर लगा झुका हुआ पोल।

ठेकेदार द्वारा ओवरब्रिज पर लगाए 32 पोल के नट बोल्ट मिले थे ढीले

इसी ठेकेदार की ओर से बीते दिनों नौगवां ओवरब्रिज पर भी कराए गए सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान 64 स्ट्रीट लाइट पोल लगाए गए थे। उदघाटन से पूर्व ही चेक किया गया तो एक तरफ के 32 पोल के नट बोल्ट ढीले मिले थे। इस पर लापरवाही की ओर इशारा गया था। हालांकि ठेकेदार की ओर से नगर पालिका और फर्म की छवि बिगाड़ने के लिए खुराफात की आशंका जताते हुए एसपी से शिकायत कर दी गई थी। इस शिकायत को दस दिन से अधिक का समय बीत चुका है। एक तरफ पुलिस की जांच नहीं हो सकी है। वहीं, ठेकेदार की ओर से भी सिर्फ एसपी को शिकायत पत्र देने के बाद दोबारा सुध नहीं ली गई। उस मामले में भी ठेकेदार की ओर से लापरवाही का शोर मचा और सवाल उठे रहे थे कि आखिर छवि बिगाड़ने के लिए साजिश ही किसी को करनी होती तो एक ही पोल के नट बोल्ट ढीले कर दिए जाते? बिना तकनीकी अभियंताओं के मौके पर आए बिना ही ये कैसे तय कर लिया गया कि इस तरह से वोल्ट खोले नहीं जा सकते थे। फिलहाल अब दूसरी जगह लगाए गए पोल क्षतिग्रस्त होने पर ठेकेदार द्वारा डीएम को पत्र लिखा गया है।

हादसे का खतरा, फिर बकाया पोल क्यों नहीं हटाए

ठेकेदार की ओर से डिवाइडर पर लगाए गए पोल के क्षतिग्रस्त होने के पीछे अतिक्रमण और ओवरलोड गन्ना वाहन को वजह बताया है। चार पोल डिवाइडर से हटवा भी दिए हैं। डीएम को लिखे पत्र में ये भी स्पष्ट कहा है कि अतिक्रमण के चलते डिवाइडर से सटकर गुजरने वाले ओवरलोड ट्रकों से पोल क्षतिग्रस्त होने पर लोगों के जानमाल के नुकसान होने की संभावना है। सवाल ये है कि इसके बाद भी सिर्फ क्षतिग्रस्त हुए पोलों को ही क्यों हटाया गया है। बकाया पोल क्या इसकी जद में नहीं आएंगे। अगर हादसे का डर है तो समाधान होने तक बकाया पोल भी क्यों नहीं हटाए गए। वहीं, ये सब कार्य शुरू होने से पहले इस बात पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया। डिवाइडर की चौड़ाई कम होने की बात कही जा रही है, तो क्या इसे लेकर भी पूर्व में गंभीरता नहीं बरती गई।

> छतरी चौराहा के पास दोनों तरफ काफी अतिक्रमण है। ओवरलोड वाहन डिवाइडर के पास से गुजरते हैं। कुछ जगह डिवाइडर घूमा हुआ है, जिससे ओवरलोड वाहन पोल से टच होकर गुजर रहे थे। इसी वजह से तीन पोल क्षतिग्रस्त होने पर हटा दिए गए और एक अन्य को हटवाया जाएगा। बकाया डिवाइडर के सीधे हिस्से पर हैं, जिससे कोई खास फर्क नहीं है। अतिक्रमण हटवाने के लिए डीएम को पत्र लिखा है।
>
> –पंकज सिंह राजपूत, ठेकेदार

शहर के दो और पार्कों का हुआ कायाकल्प

पीलीभीत, अमृत विचार: नगरपालिका की आरे से शहर के दो और पार्कों का कायाकल्प कर दिया गया है। गैस चौराहा और रेलवे स्टेशन तिराहा पर स्थित पार्क का कार्य पूरा होने के बाद नगर पालिकाध्यक्ष डॉ.आस्था अग्रवाल ने लोकार्पण किया। पालिका द्वारा चलाए जा रहे 28 दिन 28 लोकार्पण अभियान के तहत कार्यक्रम संपन्न हुआ। स्थानीय लोगों ने चेयरमैन का आभार जताया।

स्टेशन चौराहा स्थित नेहरू पार्क और गैस चौराहा स्थित शहीद दामोदर दास पार्क का कायाकल्प कराया गया है। जिसका लोकार्पण बुधवार रात चेयरमैन ने किया। शिलापट्ट का अनावरण कर पार्क जनता को समर्पित किया। शहीद दामोदर दास पार्क में संगमरमर का फव्वारा लगाकर आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है। इसके साथ ही पार्क में आधुनिक लाइटिंग व्यवस्था की गई है, जिससे रात्रि के समय भी पार्क की सुंदरता और उपयोगिता बढ़ गई है। वहीं स्टेशन चौराहा स्थित नेहरू पार्क में नई लाइटें लगाई गईं और पार्क की रंगाई-पुताई कर उसे व्यवस्थित और आकर्षक बनाया गया है। चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल ने कहा कि नगर के प्रमुख स्थलों का सौंदर्यीकरण नगर की पहचान और स्वच्छ एवं सुंदर शहर की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षा शास्त्र विषय, प्रवेश पत्र में छपा नागरिक शास्त्र

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- विषय संशोधन के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहा छात्र
- डीआईओएस को प्रार्थना पत्र देकर त्रुटि सुधार की मांग

अमृत विचार : बोर्ड परीक्षा नजदीक आते ही एक परीक्षार्थी के सामने विषय संबंधी गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। आवेदन पत्र में शिक्षा शास्त्र अंकित होने के बावजूद विभागीय अभिलेखों में नागरिक शास्त्र दर्ज होने से छात्र असमंजस की स्थिति में है। विषय में अंतर होने से उसकी तैयारी प्रभावित हो रही है और वह संशोधन के लिए विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर है। हालांकि उसका विषय संशोधन करने के निर्देश दिए गए हैं।

ज्ञान प्रकाश पुत्र शांति स्वरूप ने बताया कि वह कल्यानपुर नौगवां गांव के एसडीबीआर सर्वोदय इंटर कॉलेज में 12वीं का छात्र है। उन्होंने बताया कि उसने विद्यालय में भरे गए परीक्षा फार्म में शिक्षा शास्त्र विषय का चयन किया था। विद्यालय स्तर पर अभिलेखों में भी यही विषय दर्ज बताया जा रहा है, लेकिन जब उसका एडमिट कार्ड आया तो उसमें शिक्षा शास्त्र की जगह नागरिक शास्त्र अंकित मिला।

प्रवेश पत्र जारी होने से पहले त्रुटि सामने आने पर छात्र और उसके परिजन चिंतित हो उठे। दोनों विषयों के पाठ्यक्रम अलग होने के कारण परीक्षार्थी दुविधा में है कि वह किस विषय की तैयारी करे। जबकि उसने शिक्षा शास्त्र की तैयारी की है, लेकिन परीक्षा में नागरिक शास्त्र है। जिसकी परीक्षा शुक्रवार को होगी। ऐसे में परीक्षार्थी दिन भर परेशान रहा कि वह इस परीक्षा में प्रतिभाग करें या शिक्षा शास्त्र के पेपर में। इस पर वह अपने परिजनों के साथ डीआईओएस कार्यालय पहुंचा। जहां वह घंटों डीआईओएस का इंतजार करता रहा।

छात्र ने इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को प्रार्थना पत्र देकर अभिलेखों में संशोधन कराने की मांग की है। उसने आवेदन में उल्लेख किया है कि फार्म में भरे गए विषय के अनुसार ही रिकॉर्ड ठीक कराया जाए, ताकि वह बिना मानसिक तनाव के परीक्षा दे सके। डीआईओएस राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

यदि विद्यालय रिकॉर्ड और आवेदन पत्र में शिक्षा शास्त्र अंकित पाया गया तो नियमानुसार त्रुटि सुधार की कार्रवाई की जाएगी।

टीएससीटी सहयोग और सुरक्षा की अनूठी मिसाल

- टीचर्स सेल्फ केयर टीम की बैठक में ब्लॉक टीम को दिया विस्तार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: टीचर्स सेल्फ केयर टीम (टीएससीटी) की विचार संगोष्ठी में मुख्य सहयोग योजना, कन्यादान योजना, जीवनदान योजना, व्यवस्था शुल्क आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

ब्लॉक संसाधन केंद्र ललौरीखेड़ा में बुधवार शाम हुई संगोष्ठी में जिला संयोजक राज कुमार वर्मा ने कहा कि टीएससीटी मात्र एक संगठन नहीं बल्कि आत्मीयता और सहयोग की भावना विकसित करने की पवित्र मुहिम है। जिला प्रवक्ता नरेश पाल गंगवार ने टीएससीटी के शुरुआती वर्ष 2020 से अब तक किए गए सहयोग के बारे में विस्तार से बताया। जिला मीडिया प्रभारी फुरकान हाशमी ने कहा कि टीएससीटी सहयोग और सुरक्षा की अनूठी मिसाल है। उन्होंने किसी भी कारण से सहयोग से वंचित रह जाने वाले सदस्यों की हर संभव सहायता के लिए जिला और ब्लाक टीमों के योगदान की चर्चा कर अब तक टीएससीटी की सदस्यता से वंचित प्राइमरी स्कूलों से डिग्री कालेज प्रोफेसर को जोड़ने पर बल दिया। जिला सह संयोजक भानु प्रताप सिंह, अमरदीप, पूनम सहगल, शिवम सक्सेना, संतोष गंगवार, केके सिंह, सौरभ सक्सेना, अनुराग गंगवार, झगेन्द्र पाल गंगवार, सुहेल अहमद खां, धर्मेन्द्र कुमार, अतुल कुमार आदि मौजूद रहे।

जिला संयोजक राजकुमार वर्मा ने ब्लाक टीम के विस्तार की घोषणा की। इसमें झगेंद्र पाल गंगवार व अनुपम त्रिपाठी ब्लाक संरक्षक, सुहेल अहमद खां ब्लाक संयोजक, धर्मेंद्र कुमार ब्लाक प्रवक्ता, योगेश कुमार आईटी सेल, मुजीबुर्रहमान ब्लाक मीडिया प्रभारी, अमनदीप सिंह, सुचित सक्सेना, सीमा भंडारी, विवेक भारती, नितेश कुमार, मीनाक्षी भारद्वाज व सोनाक्षी खंडेलवाल को सह संयोजक नामित किया।

टीएससीटी की बैठक में मौजूद सदस्य। ● अमृत विचार

स्वर्ण पदक विजेता डीएम से सम्मानित होंगे

- पुष्प इंस्टीट्यूट मनाएगा 21वां स्थापना दिवस, तैयारियां पूरी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बना चुके पुष्प इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेज एंड हायर स्टडीज 22 फरवरी को 21वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। समारोह में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह मुख्य अतिथि होंगे। संस्थान के ट्रस्टी सतीश जायसवाल, निदेशक डॉ. एसपीएस संधू और अनुज भटनागर ने बुधवार को कॉलेज परिसर में प्रेसवार्ता की। बताया कि संस्थान के 32 स्वर्ण पदक से सम्मानित मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2005 में स्थापित यह स्ववित्तपोषित संस्थान का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा की बढ़ती आवश्यकताओं को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करना है। कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में पुष्प इंस्टीट्यूट सर्वाधिक 32 स्वर्ण पदक विजेताओं वाला जिले का अग्रणी संस्थान बन चुका है।

उन्होंने कहा कि अनुशासित वातावरण और नवाचार की संस्कृति छात्रों को न केवल विश्वविद्यालय परीक्षाओं में बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है। प्रबंधन ने बताया कि कॉलेज के केंद्रीय पुस्तकालय में 11 हजार से अधिक पुस्तकों और 25 पत्रिकाओं का संग्रह है। उन्होंने कहा कि 22 फरवरी को होने वाले समारोह में इन सभी संसाधनों और प्रतिभाओं का संगम देखने को मिलेगा, जहां मेधावियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की जाएगी। जनपद के अग्रणीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य भी सम्मानित किए जाएंगे।

पुष्प कॉलेज के ट्रस्टी सतीश जायसवाल, निदेशक डॉ. एसपीएस संधू निदेशक अनुज भटनागर।

डॉ.सुधीर कुमार शर्मा कार्यकारी समिति सदस्य किए नामित

पीलीभीत, अमृत विचार: गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पुरनपुर के प्राचार्य डॉ.सुधीर कुमार शर्मा ने एसोसिएशन सोशल इकोनामिक डेवलपमेंट स्टडीज के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर छत्तीसगढ़ में अपना शोध पत्र पढ़ा।

अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का उद्घाटन प्रोफेसर एडीएन बाजपेई कुलपति अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया। इस कांफ्रेंस में प्रोफेसर वीर बहादुर महतो, प्रोफेसर मनोज मिश्रा, इथोपिया प्रोफेसर एनएमपी वर्मा, पूर्व कुलपति बाबा भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के डॉ. संजय कुमार सिंह, जनरल मैनेजर एसईसीएल छत्तीसगढ़ प्रोफेसर जय नारायण पांडे, प्रोफेसर विनोद श्रीवास्तव आदि ने प्रतिभाग किया। प्राचार्य के साथ डॉ.अरविंद कुमार दीक्षित, डॉ.जय नारायण, डॉ.सोनू, राहुल मिश्रा, ऋषभ वाजपेई भी प्रतिभाग कर रहे हैं। एसोसिएशन सोशल इकोनामिक डेवलपमेंट स्टडीज की जनरल बॉडी की बैठक में प्राचार्य डॉ.सुधीर कुमार शर्मा को ईसी (कार्यकारी समिति) का मेंबर भी नामित किया गया।

कांफ्रेंस में सदस्य नामित किए जाते डा.सुधीर कुमार शर्मा।

अथर्व, उत्कर्ष, देवेंद्र और देवेश रहे प्रथम

स्पोर्टस मीट में शामिल हुए बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार: एचआरपी किड्स वैली इंटरनेशनल स्कूल एवं एचआरपी डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में चार दिवसीय स्पोर्ट मीट कार्यक्रम का प्रधानाचार्या डॉ नीतू सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और स्कूल के डायरेक्टर मुकेश कुमार गुप्ता के द्वारा फीता काटकर शुरुआत कराई गई।

बुधवार को पहले दिन विभिन्न खेल हुए। जिनमें पासिंग द पार्सल, 50 मीटर की दौड़,फ्राग से आदि शामिल रहे। कक्षा पीएनसी मे अथर्व प्रथम, आदित्य द्वितीय, मावया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा एनसी में उत्कर्ष प्रथम, हिमांशु द्वितीय, अयंक तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा केजी में देवेंद्र प्रथम व अमन द्वितीय एवं केशव तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा एक से तीन तक क्रमशः देवेश, प्रिंस, कपिल,उत्कर्ष, रितेश, अक्षता,अक्षरा, पवन, वंश आदि बच्चों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिग्री कॉलेज की प्रचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। खेल शिक्षक सूरज, प्रियांशू समेत स्टाफ मौजूद रहा। डायरेक्टर डॉ. अनूप बेरी, आशीष गुप्ता ने आभार जताते हुए खेल के महत्व को बताया।

स्वयंसेविकाओं ने की बाल पेंटिंग, किया जागरूक

शिविर में मौजूद स्वयंसेविकाएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई के सात दिवसीय शिविर का छठा दिन नारी सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाया गया। इसकी शुरुआत प्राथमिक विद्यालय कितनापुर में लक्ष्यगीत के साथ की गई। स्वयं सेविकाओं ने बाल पेंटिंग की और ग्रामीणों को जागरूक किया।

मुख्य अतिथि अध्यापिका संस्कृत गांधी स्मारक इंटर कॉलेज बिलसंडा की मनु गंगवार, रहीं। स्वयं सेविकाओं को उनके अधिकारों और कार्यों के विषय में जानकारी दी। डॉ. जगदंबा कुमार ने स्वयं सेविकाओं को उनके राजनैतिक अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में विस्तार से बताया। मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके शुरुआत की गई। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र पाल ने अतिथियों का बैच लगा कर सम्मानित किया संचालन स्वयं सेविका साक्षी ने किया। सर्वेश कुमार समेत स्टाफ मौजूद रहा।

गन्ना क्रय केंद्रों पर हो रही घटतौली

- भाकियू अराजनैतिक ने एसडीएम पूरनपुर को सौंपा ज्ञापन
- किसानों से वसूली किए जाने का भी लगाया आरोप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह की अगुवाई में गुरुवार को तहसील पहुंचे और पूरनपुर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा। जिसमें किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग की गई।

ज्ञापन में बताया कि जनपद की चीनी मिलें गन्ना किसानों का बकाया भुगतान गन्ना एक्ट के अनुसार नहीं कर रही हैं। जिससे गन्ना किसानों को बैंक का कर्ज व अगली फसलों को तैयार करने,गन्ने की बुवाई करने, बच्चों की फीस देने आदि में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। होली नजदीक आ चुकी है। गन्ना किसानों के बकाया गन्ने के मूल्य का भुगतान होली से पहले कराया जाए। ये भी कहा कि गन्ना क्रय केन्द्रों पर घटतौली व गन्ना उतार के नाम पर किसानों से वसूली भी हो रही है। चीनी मिलों के गेट पर भी घटतौली है। वर्तमान पेराई सत्र में किसी भी गन्ना संबंधित अधिकारियों ने गन्ने की घटतौली को लेकर कोई छापामारी नहीं की। जिससे गन्ना क्रय केंद्रों के प्रभारियों के हौसले बुलंद हैं। चीनी मिल पूरनपुर में कई दिनों से चीनी मिल गेट पर गन्ना वाहनों का जाम लगा हुआ है। गन्ना किसानों के वाहन 72 से 80 घंटे में खाली हो पा रहे हैं। जिससे किसानों को तो भारी आर्थिक नुकसान हो ही रहा है, साथ-साथ चीनी मिल की गन्ने की रिकवरी भी प्रभावित हो रही है। इन समस्याओं के समाधान की मांग की।

एसडीएम को ज्ञापन देते भाकियू अराजनैतिक कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

सहकारी बैंक को मिला आईएसओ प्रमाण पत्र

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला सहकारी बैंक को गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरने पर इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ स्टैंड डाइजेशन आईएसओ 9001 एवं 27001 प्रमाण पत्र मिला है। गुरुवार को बैंक मुख्यालय पर बैंक सभापति सत्यपाल गंगवार, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी आशीष कुमार श्रीवास्तव, कर्मचारी यूनियन के सौरभ गंगवार ने हर्ष व्यक्त किया। बताया कि यह प्रमाण पत्र बैंक को उनकी इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी मैनेजमेंट सिस्टम और क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम के तहत मिला है। इसे कर्मचारियों की मेहनत का परिणाम बताया। बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 27001 सर्टिफिकेशन एक गुणवत्ता मानक सर्टिफिकेट है।

दूसरे दिन भी हुईं वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं, बच्चों में उत्साह

प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित वार्षिक खेल महोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को कई प्रतियोगिताएं हुई। बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। केजी से लेकर कक्षा दो तक के बच्चे शामिल हुए।

केजी रेड की फुट पैड रेस में अन्वी वर्मा प्रथम, आराध्या द्वितीय और आश्वी जौहरी तृतीय रही। रोलिंग द रोल में अतिक्श, गुरमन सिंह, दिव्यांशी, केजी ब्लू की जेली फिश रेस में सौरभ सना, कुनाल मंडल श्रेयाशी, सैक रेस में जैनुल, तनमय, पुष्कर, कक्षा एक की फ्रॉग रेस में समृद्धि, इकनूर कौर, अंशिक, सैक रेस में जीवा, निया, श्रष्टी अवस्थी क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा, प्रबंधक देवेन्द्र सिंह छाबड़ा ने विजेताओं को आशीर्वाद दिया। खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं।

शहर में आज

- शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे।
- एआरटीओ कार्यालय में परिवहन मेला सुबह 10 बजे से।
- ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेल महोत्सव सुबह 09 बजे से।
- यूपी बोर्ड पहली पाली में परीक्षा सुबह 8.30 बजे से।
- समस्त राशन की दुकानों पर राशन सुबह 08 बजे से।
- श्रीबाल्केश्वर महाराज मंदिर गैस चौराहा से संकीर्तन यात्रा सुबह 10 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

प्रधान और सचिव पर कार्रवाई की मांग, ज्ञापन

पीलीभीत, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन शंकर की पंचायत गुरुवार को जिलाध्यक्ष वीरेंद्र पाल आर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसका संचालन बेनीराम वर्मा ने किया। प्रदेश प्रभारी रमाकांत उपाध्याय भी पहुंचे, जिनको शामिल किया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार चरम पर है। इसके बाद सीडीओ को मांग पत्र सौंपा गया। इसमें कहा कि तीन सल बाद भी ग्राम बरहा में अन्नपूर्णा सेंटर नहीं बन सका है, प्रधान के अधिकार सीज करने की मांग की गई। ग्राम पंचायत कल्यानपुर नौगवां के सचिव मेवालाल भारती पर कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर लालता प्रसाद वर्मा, वीरेंद्र कुमार, हरिबहादुर शास्त्री, कुसुमलता, नेवाराम आदि मौजूद रहे।

दो स्थानों पर विवाद दंपति को पीटा

बीसलपुर, अमृत विचार : मामूली विवाद में दो स्थानों पर मारपीट की गई। कोतवाली में दी गई तहरीर में नगर के मोहल्ला हबीबुल्लाह खां जनूबी निवासी गोपाल चंद श्रीवास्तव की पत्नी मंजूलता ने बताया कि गुरुवार सुबह उसका देवर नवीन चंद घर के अंदर की तरफ शौचालय का टैंक खोदने लगा। जब उन्हों पति संग पहुंचकर विरोध किया तो आरोपी नवीन, उसका पुत्र निमेष श्रीवास्तव हमलावर हो गए। फावड़ा से वार कर दंपति को घायल कर दिया। देवरानी अनामिका श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव ने भी मारपीट की। वहीं, ग्राम इमलिया मरौरी निवासी विपिन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 फरवरी की शाम पांच बजे पड़ोसी अवनीश कुमार, अमर सिंह, संध्या देवी, सुधा देवी ने गाली गलौज का विरोध करने पर पिटाई कर दी।

केंद्रीय विद्यालय में उमंग कार्यक्रम आज

पीलीभीत, अमृत विचार : पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में शुक्रवार को सांस्कृतिक दिवस उमंग (प्राथमिक विभाग) का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर बाल वाटिका तीन से कक्षा पांच तक के विद्यार्थी, अभिभावक बुलाए गए हैं। मुख्य अतिथि डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर रहेंगे।

जिला उपाध्यक्ष को जेल भेजने पर गुस्साए सपाई

कलेक्ट्रेट पहुंचकर एडीएम को सौंपा ज्ञापन, बोले- सुलह के बाद भी भेजा जेल, सत्ता के दबाव में कार्रवाई कर रहा है जिला प्रशासन

- उधर, हिंदू महासभा भी उतरी जेल भेजे गए सपा नेता के विरोध में,सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष को जेल भेजे जाने के बाद जिले की सियासत गरमा गई है। सपा नेताओं ने जिला उपाध्यक्ष पर की गई कार्रवाई को सत्ता के नेताओं के दबाव में बताया। वहीं, हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने जेल भेजे गए सपा नेता पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। दोनों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रसून द्विवेदी को ज्ञापन सौंपा।

बता दें कि अमरिया थाने में उन्नाव के धवानी खेड़ा गुलरिहा निवासी मिथुन कुमार की ओर से सपा के जिला उपाध्यक्ष भट्टा मालिक मखदूम खां और उनके भाई शारिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर बंधक बनाकर मारपीट और पेड़ से उल्टा लटकाने की कोशिश करने समेत कई आरोप लगाए गए थे। इस मुकदमे में मखदूम खां की बुधवार को गिरफ्तारी की गई और शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया गया था। दूसरे दिन इस मामले को लेकर राजनीति गरमाई रही। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा की अगुवाई में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा हुए और कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपा गया। जिसमें कहा कि भाजपा के जनप्रतिनिधि के दबाव में पुलिस और एसडीएम अमरिया समाजवादी पार्टी के नेताओं का उत्पीड़न कर रही है। 18 फरवरी को जिला उपाध्यक्ष मखदूम खां को एसडीएम अमरिया ने झूठे मुकदमे में नियम विरुद्ध तरीके से रात्रि में जेल भेज दिया। जबकि उच्चतम न्यायालय का स्पष्ट निर्देश है कि अधिकतम सजा सात वर्ष अवधि होने पर किसी भी व्यक्ति को जेल नहीं भेजा जा सकता। आरोप लगाया कि पुलिस ने भाजपा नेताओं व मंत्री के दबाव में जबरन समझौता होने के बावजूद जमानतनामे में तस्दीक कराने के नाम पर जेल भेज दिया है। इसे दमनकारी नीति व उत्पीड़न बताते हुए निंदा की गई। ये भी चेतावनी दी गई कि अगर भाजपा के दबाव में दमनकारी नीति समाप्त की गई तो सपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर जेल भरेंगे। इस मौके पर पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू, जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी, सुधीर तिवारी एडवोकेट, पूर्व जिला महासचिव युसुफ कादरी, हरगोविंद गंगवार, अमित पाठक, इम्तियाज अल्वी, रमेश राजा, अरशद, ताहिर, मोहसिन खां, प्रशांत यादव, इमरान खां, नरेंद्र गोस्वामी, सलीम इदरीसी आदि मौजूद रहे।

एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी को ज्ञापन देते सपा नेता। ● अमृत विचार

एडीएम को ज्ञापन सौंपते अखिल भारत हिंदू महासभा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

मिली जमानत, जेल से रिहा हुए सपा जिला उपाध्यक्ष मखदूम खां

पीलीभीत : जेल में बंद समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष मखदूम खां को आखिर राहत मिल गई। एसडीएम के स्तर से जमानत मंजूर किए जाने के बाद उनकी जेल से रिहाई हुई। सपा नेता सुधीर तिवारी एडवोकेट के साथ कई कार्यकर्ता जिला कारागार के पास पहुंचे और जेल से रिहा हुए मखदूम खां को साथ लाए। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना रहा।

जिला कारागार के पास सपा जिला उपाध्यक्ष मखदूम खां को लेने पहुंचे सपा नेता।

अमरिया में फोर्स संग पैदल गश्त करती सीओ सदर नताशा गोयल। ● अमृत विचार

हिंदू महासभा ने सपा नेता को बताया दबंग, सख्त कार्रवाई की मांग, बोले मजदूरों का करता है उत्पीड़न

अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा की अगुवाई में कलेक्ट्रेट पहुंचे और उन्होंने भी एडीएम को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ये ज्ञापन सपा जिला उपाध्यक्ष भट्टा संचालक मखदूम खां के विरोध में था। ज्ञापन में सपा जिला उपाध्यक्ष को दबंग बताते हुए आरोप लगाया कि वह हिंदू समाज के मजदूरों को बंधक बनाकर मजदूरी करात था। मारपीट की जाती थी। मखदूम खां पर शांतिभंग की आशंका में कार्रवाई की गई है। मजदूरों में भय का माहौल है। ऐसे में सपा जिला उपाध्यक्ष मखदूम खां पर ठोस कासर्रवाई की मांग की है। इस मौके पर मयंक जायसवाल, राजेंद्र कुमार, सर्वेश कश्यप, राहुल शर्मा, गौरव शर्मा, कृष्णा साहनी, अनिल कुमार, अमन संजोग, जितेंद्र मौर्य, कमलजीत यादव आदि मौजूद रहे।

अमरिया तहसील से लेकर कलेक्ट्रेट तक रहा पुलिस का सख्त बंदोबस्त

एक दिन पहले सपा के जिला उपाध्यक्ष पर की गई कार्रवाई के बाद विरोध प्रदर्शन का अंदेशा था। सपा के कई नेताओं की ओर से सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के जुटने की अपीलें की गई थी। जिसे लेकर पुलिस प्रशासन गुरुवार को अलर्ट रहा। सुबह से ही अमरिया तहसील परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया। बड़ी संख्या में पुलिस बल न सिर्फ मुस्तैद रहा, बल्कि क्षेत्र में पैदल मार्च भी पुलिस बल की ओर से निकाला गया। सीओ सदर नताशा गोयल भी पहुंची और हालात परखे। इधर, कलेक्ट्रेट में भी पुलिस बल अलर्ट मोड पर रहा। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी भी मौजूद रहे।

जिले के 1152 गांवों में रबी फसलों का डिजिटल क्राप सर्वे पूरा

पीलीभीत, अमृत विचार: एग्री स्टैक योजना के तहत जनपद में चल रहे रबी फसलों का डिजिटल क्राप सर्वे पूरा कर लिया गया। जनपद में 1152 राजस्व गांवों में 4.37 लाख कृषि गाटों का सर्वे किया गया। सर्वे पुरा होने के बाद रिपोर्ट शासन को भेज दी गई।

किसानों को खेती से जुड़ी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए खेती से जुड़े सभी प्रकार के आंकड़ों को ऑनलाइन किया जा रहा है। इसी क्रम में सरकार द्वारा फसलों के क्षेत्रफल एवं फसलवार सटीक जानकारी प्राप्त करने के लिए एग्री स्टैक (ई खसरा पड़ताल) योजना संचालित की जा रही है। जनपद में इससे पूर्व खरीफ सीजन के दौरान कृषि गाटों की मोबाइल एप के माध्यम से खेतों की ई- पड़ताल की गई थी। इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। इधर शासन के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा जनपद में रवी फसलों को लेकर डिजिटल क्राप सर्वे शुरू कराया गया था। कृषि विभाग की देखरेख में कृषि, राजस्व एवं पंचायत विभाग के कर्मियों को लगाकर राजस्व गांवों में सर्वे कराया गया। सुपरवाइजर और वेरिफायर की निगरानी में सर्वे टीम ने एग्रीस्टेक मोबाइल एप के माध्यम से गांव-गांव खेतों में जाकर अक्षांश और देशांतर के आधार पर खेत की भौगोलिक स्थिति और फसल की ई पड़ताल की। इधर बुधवार शाम को सर्वे कार्य पूरा कर लिया गया। कृषि विभाग के मुताबिक जनपद के 1152 गांवों के 437058 कृषि गाटों का सर्वे किया गया। सर्वे कार्य पूरा होने के बाद विभाग द्वारा रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है।

घास काटने गए ग्रामीण पर बाघ का हमला

- साथियों के शोर-शराबा पर ग्रामीण की बची जान, पीटीआर की महोफ रेंज में हुई घटना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: महोफ जंगल में बाघ ने एक ग्रामीण पर हमला कर घायल कर दिया। साथियों द्वारा शोर-शराबा करने पर बाघ ग्रामीण को छोड़कर भाग निकला। घायल ग्रामीणों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माधोटांडा लाया गया। इलाज के बाद ग्रामीण को घर वापस भेज दिया गया।

घटना पीलीभीत टाइगर रिजर्व की महोफ रेंज के जंगल में गुरुवार को हुई। कलीनगर तहसील क्षेत्र के गांव मैनाकोट निवासी दीनदयाल मजदूरी करता है। ग्रामीणों के मुताबिक दीनदयाल गुरुवार को अन्य ग्रामीणों के साथ महोफ के जंगल में घास काटने गया था। इसी बीच झाड़ियों से निकले बाघ एक दीनदयाल पर हमला कर दिया। दीनदयाल पर हमला देख साथ में गए अन्य ग्रामीणों ने शोर-शराबा करना शुरू कर दिया। इस पर बाघ ग्रामीण को छोड़कर भाग निकला। हमले में दीनदयाल के दाएं कंधे पर पंजा लगाने से जख्म हो गया। घटना के बाद दीनदयाल को उसके साथी किसी तरह जंगल से बाहर लेकर आए। घायल ग्रामीण को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माधोटांडा ले जाया गया। हालांकि इलाज के बाद घायल ग्रामीण को घर भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने पर महोफ रेंज की टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर घायल का हाल जाना। फिलहाल सख्त निगरानी के बाद ग्रामीण जंगल के अंदर घास काटने कैसे पहुंचे, क्या इन ग्रामीणों को विभाग द्वारा भेजा गया, इसकी अभी जानकारी नहीं हो सकी है। इस संबंध में वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है। यदि ऐसी कोई घटना हुई है तो इसकी पड़ताल की जाएगी।

शाहगढ़ व कलीनगर में दुकानों पर एफएसडीए का छापा

- बेसन-घी समेत तीन सैंपल लिए, एक रेस्टोरेंट संचालक को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री की रोकथाम के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने दुकानों पर छापेमारी कर बेसन-घी समेत तीन सैंपल लिए। टीम की इस कार्रवाई से दुकानों में हड़कंप मचा रहा।

त्योहार नजदीक आते ही मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की ओर से अभियान की शुरुआत कर दी गई है। गुरुवार को अभियान चलाया गया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर गुरुवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने गांव जरा में अभिषेक कुमार के आरोही किराना पर छापेमारी की। संदेह के आधार पर टीम ने यहां बेसन का सैंपल लिया। इसके बाद टीम ने शाहगढ़ रेलवे स्टेशन के नजदीक लखविंदर पाल सिंह की दुकान से वनस्पति घी और कलीनगर में पांडे मिल्क डेयरी से दूध का सैंपल लिया। इसके अलावा टीम ने पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे स्थित किंग्स ढाबा एंड फैमिली रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमियों मिलने पर रेस्टोरेंट संचालन को नोटिस जारी किया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी शांतुन कुमार, सतीश कुमार, प्रेम कुमार यादव आदि शामिल रहे। प्रभारी अभिहीत अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान 03 सैंपल लिए गए हैं। सभी सैंपलों को जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

रेस्टोरेंट में निरीक्षण करते खाद्य सुरक्षा अधिकारी। ● अमृत विचार

नागरिक शास्त्र और कंप्यूटर के पेपर से 177 गैरहाजिर

- यूपी बोर्ड के 69 परीक्षा केंद्रों पर हुई दूसरे दिन की परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा के दूसरे दिन हाईस्कूल में कंप्यूटर और सिलाई का पेपर कराया गया।

जबकि इंटरमीडिएट में नागरिक शास्त्र और फल संरक्षण की परीक्षा कराई गई। परीक्षा दो पालियों में हुई। नागरिक शास्त्र की परीक्षा में भी कुछ कठिन प्रश्न पूछे गए। जिसमें कुछ परीक्षार्थियों ने पेपर थोड़ा कठिन बताया। दोनों पालियों में 177 ने परीक्षा छोड़ दी, जबकि 2730 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इस दौरान अफसरों ने परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। साथ ही मुख्यालय पर भी कंट्रोल रूम से सीसीटीवी से निगरानी की। गुरुवार को पहली पाली में हाईस्कूल की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा कराई गई। जहां हाईस्कूल में कंप्यूटर की परीक्षा हुई। इसमें कुल 279 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, लेकिन 01 ने परीक्षा छोड़ दी। जबकि 278 परीक्षा में शामिल हुए। इंटर में फल संरक्षण की परीक्षा कराई गई। जिसमें 175 में 166 ने परीक्षा दी, बाकी नौ अनुपस्थित रहे। परीक्षा ठीक साढ़े आठ बजे शुरु हुई। इस दौरान परीक्षार्थियों की सघन चेकिंग की गई। कोई भी नकलची नहीं मिला। दूसरी पाली में इंटर के नागरिक शास्त्र का पेपर हुआ। इसमें कुल 2328 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 161 परीक्षार्थी गैर हाजिर रहे। 2167 ने परीक्षा दी। दूसरी पाली में ही हाईस्कूल का भी सिलाई का पेपर कराया गया। जिसमें 125 में 119 ने परीक्षा दी। जबकि छह अनुपस्थित रहे। नागरिक शास्त्र के पेपर में कुछ प्रश्न कठिन पूछे गए थे।

एक केंद्र में परीक्षा देकर आते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

एसपी ने एआरटीओ संग देखे ब्लॉक स्पॉट

पीलीभीत, अमृत विचार: सड़क सुरक्षा मुहिम के तहत दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त प्रयास शुरू किए हैं। एसपी सुकीर्ति माधव मिश्रा ने गुरुवार को एआरटीओ वीरेंद्र सिंह के साथ पूरनपुर रोड पर भ्रमण कर चिन्हित ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सड़क संकेतकों, रिफ्लेक्टर, बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड, प्रकाश व्यवस्था एवं यातायात नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। दुर्घटना संभावित स्थलों का बारीकी से अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सामूहिक विवाह: एक दूजे के हुए 21 जोड़े

कार्यालय संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम सिरसा सरदाह गांव में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेला प्रांगण में गुरुवार को सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 21 युगल शादी के परिणय सूत्र में बंधे। जागृति जन कल्याण सेवा फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस समारोह में आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फेरे की रस्म अदा कराई। बड़ी संख्या में बराती-घराती शामिल हुए।

फाउंडेशन के अध्यक्ष अर्जुन राठौर ने बताया कि प्रयास रहेगगा कि इस तरह के आयोजन होते रहे।उन्होंने कहा कि बेटियों की शादी कराने से बड़ा कोई पुण्य नहीं। कई साधु संत भी शामिल हुए और आशीर्वाद दिया। राकेश सक्सेना ने पत्नी सुमन देवी,महेश चंद्र ने पत्नी कमलेश कुमारी के साथ वर-वधू को आर्शीवाद दिया। पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया। नवदंपति को उपहार दिए गए।

सामूहिक विवाह में मौजूद वर-वधु व परिजन। ● अमृत विचार

कवायद जंगल किनारे बसे गांवों के युवाओं को स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम के माध्यम से बनाया जाएगा आत्मनिर्भर

पीटीआर की तर्ज पर अब वन एवं वन्यजीव प्रभाग भी बाघ पीड़ितों की करेगा मदद

- टीओटीआर प्रोजेक्ट के तहत होंगे कार्य, बजट मिलने का किया जा रहा इंतजार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व की तर्ज पर अब वन एवं वन्यजीव प्रभाग भी बाघ हमलों में अपनों को खो चुके प्रभावित परिवारों की मदद करने का आगे आएगा। वहीं जंगल किनारे बसे गांवों के युवाओं को भी स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम चलाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा। दरअसल यह सबकुछ प्रस्तावित टीओटीआर (टाइगर आउटसाइड टाइगर रिज़र्व) प्रोजेक्ट के तहत होने जा रहा है। वन अफसरों के मुताबिक बजट आवंटित होने के बाद इस पर विस्तृत रुप से कार्य किया जाएगा।

वन एवं वन्यजीव प्रभाग का मुख्यालय। ● अमृत विचार

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में जहां बाघों की संख्या बढ़ी है, वहीं बाघ समेत वन्यजीवों के बाहर निकलने से मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं भी सामने आ रही है। टाइगर रिजर्व के बनने के बाद अब तक जंगल सीमा से सटे इलाकों में बाघ हमलों में 60 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। बाघ हमले से प्रभावित परिवारों को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इधर, वन्यजीवों के लगातार जंगल से बाहर निकलने और इनसे होने वाली घटनाओं के बाद ग्रामीण इलाकों में वन्यजीवों के प्रति काफी नकारात्मक माहौल देखा जा रहा है। इसी नकारात्मकता को दूर करने के लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व अभियान चला रहा है। इसके तहत जंगल सीमा से सटे 72 संवेदनशील गांवों के ग्रामीणों को जागरुक किया जा रहा है, ताकि इंसानों के साथ-साथ वन्यजीव भी सुरक्षित रहे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व ने विश्व प्रकृति निधि के सहयोग से अब उन परिवारों की मुश्किलें कम करने की ओर कदम बढ़ाए हैं, जिनके परिवार के सदस्य बाघ हमलों में मारे जा चुके हैं। इस अभियान पर चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। बाघ पीड़ित परिवारों के मेडकिल कॉलेज समेत स्कूल-कालेजों में पढ़ने वाले बच्चों को टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से स्कालरशिप दी जा रही है। इसके साथ ही इन परिवारों को विभिन्न सरकारी योजना का लाभ एवं अन्य मदद दिलाने के प्रयास चल रहे हैं।

अभियान के तौर पर ग्रामीणों की मदद को बढ़ेंगे हाथ

वन एवं वन्यजीव प्रभाग भी मानव-वन्यजीव संघर्ष में जान गंवा चुके ग्रामीणों के परिवारों की मदद करने को आगे आएगा। इसके लिए किसी संस्था या स्वयंसेवी संगठन की मदद नहीं ली जाएगी, बल्कि यह सबकुछ सरकारी धन से किया जाएगा। दरअसल सरकार ने पिछले दिनों पीलीभीत टाइगर रिजर्व के बाहर घूम रहे बाघों के प्रबंधन एवं मानव-वन्यजीव संघर्ष पर अंकुश लगाने के लिए टीओटीआर (टाइगर आउटसाइड टाइगर रिजर्व) प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। जनपद में टीओटीआर का क्रियान्वयन वन एवं वन्यजीव प्रभाग द्वारा किया जाएगा। प्रोजेक्ट लागू होने के बाद जंगल से बाहर घूमने वाले वन्यजीवों की अत्याधुनिक तकनीक से निगरानी की जाएगी। प्रभाग की ओर से भेजी गई कार्ययोजना पर इसी वित्तीय वर्ष में बजट भी आवंटित कर दिया जाएगा। मानव-वन्यजीव संघर्ष में जान गंवा चुके ग्रामीणों के परिवारों की मदद के साथ ही वन एवं वन्यजीव प्रभाग जंगल किनारे बसे गांवों के युवक-युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम भी चलाएगा। वन अफसरों के मुताबिक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत इन युवाओं को विभिन्न ट्रेडों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बजट आवंटित होने के बाद सर्वे कर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उसके बाद यह सभी कार्यक्रम संचालित किए जाएंगें।

> प्रोजेक्ट टीओटीआर के तहत बजट आवंटित किया जाना है। गाइडलाइन के अनुसार विभिन्न चरणों में कार्य किया जाएगा। इसमें मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित परिवारों की मदद के साथ जंगल से सटे गांवों के युवाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। -भरत कुमार डीके, डीएफओ, वन एवं वन्यजीव प्रभाग

विधिक सहायता एवं सेवा प्री कैंप में दीं जानकारियां

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: सदर तहसील सभागार गुरुवार को मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा प्री कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इसमें सामूहिक विवाह योजना, अंबेडकर विशेष रोजगार योजना, पीड़ित क्षति योजना, मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना, स्वच्छ भारत मिशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना एवं निराश्रित महिला पेंशन आदि शामिल रहीं। शिविर के दौरान बताया कि आगामी 22 फरवरी को होने वाला मेगा वृहद विधिक शिविर गांधी स्टेडियम सभागार में आयोजित किया जाएगा शिविर में मुख्य रुप से तहसीलदार सदर अर्चि गुप्ता, पीएलबी पंकज माथुर, पीएलबी मनोज कुमार, रंजना सक्सेना, ज्योति सिंह आदि मौजूद रहीं।

सदर तहसील में विधिक सहायता प्री कैंप में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

पीलीभीत

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता
रविवार को भी मिलेंगे
प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

7.30 करोड़ से बनेगा डीआईओएस कार्यालय भवन

शासन की ओर से बजट आवंटित, यूपी सिडको कराएगी कार्य, लंबे समय से जर्जर हालत में है डीआईओएस कार्यालय का भवन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : लंबे समय से जर्जर डीआईओएस कार्यालय को अब नया भवन मिलेगा। इसे लेकर शासन की ओर से बजट आवंटित कर दिया गया है। इसका कार्य यूपी सिडको को सौंपा गया है। यूपी बोर्ड परीक्षा निपटने के बाद इसका निर्माण कार्य शुरु कर दिया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है।

बता दें कि जिला अस्पताल रोड पर दशकों से डीआईओएस कार्यालय बना हुआ है। जहां माध्यमिक शिक्षा विभाग से जुड़े समस्त कॉलेजों का लेखा जोखा और विवरण रहता है। लंबे समय से कार्यालय जर्जर है। बारिश में पूरा भवन टपकता है। साथ ही कई जगह लिंटर से सीमेंट टूटकर गिर गया, जो हादसे का कारण बन सकता है। पूर्व में हुई बारिश के दौरान पूरा कार्यालय टपकता रहा। साथ ही कैंपस में भी जलभराव हो गया था। जिसकी वजह से कई महत्वपूर्ण

डीआईओएस कार्यालय का जर्जर भवन।

अभिलेख भी भीग गए। इसको को लेकर नए भवन बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। इस पर दिसंबर 2025 में डायरेक्टर की ओर से तीन सदस्यीय कमेटी बनाते हुए जर्जर भवन की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। इसके बाद विभाग ने पीडब्ल्यूडी, आरईडी और सीएनडीएस संस्था से एस्टीमेट तैयार कराए गए थे। जिसमें पीडब्ल्यूडी ने 5.50 करोड़, आरईडी 6 करोड़ और सीएनडीएस ने 7.50 करोड़ का एस्टीमेंट बनाकर दिया था। जिसको निदेशालय भेज दिया गया था। जिस पर मंथन करने के बाद शासन ने अंतिम मुहर लगा दी है। नए साल के दूसरे माह में शासन ने जर्जर भवन की जगह डबल स्टोरी भवन बनाने को 7.50 करोड़ का बजट स्वीकृति किया है। इसका कार्य कराने की जिम्मेदारी यूपी सिडको को सौंपी गई है, जोकि शासन से नामित हुई है। भवन का निर्माण कराने के लिए तैयारियां शुरु कर दी गई है। इस भवन में करीब 30 से अधिक कमरे बनेंगे। साथ ही एक मीटिंग हॉल भी स्थापित होगा। साथ ही मल्टीपरपस हॉल, पार्क, स्टैंड के अलावा तमाम कार्य कराए जाने हैं। बारिश से बचाने के लिए यह भवन सड़क से साढ़े तीन फिट ऊंचाई पर बनाया जाएगा। साथ ही बाहर का मैदान भी समतल किया जाएगा। हालांकि बोर्ड परीक्षा के चलते अभी कार्य शुरु नहीं हो सकेगा। परीक्षा समाप्त होने के बाद डीएम की अध्यक्षता में बैठक होगी। जिसके बाद आगे की रणनीति तय होगी। समग्र शिक्षा के जिला समन्वयक प्रशांत कुमार ने बताया कि भवन के ध्वस्तीकरण और नए सिरे से निर्माण कराया जाएगा। शासन की ओर से 7.30 करोड़ का बजट दिया गया है। जल्द ही काम शुरु होगा।

जिला पुस्तकालय का भी होगा कायाकल्प, 11.30 लाख मिले

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : डीआईओएस कार्यालय में संचालित हो रहे जिला पुस्तकालय के कायाकल्प की तैयारी शुरू हो गई है। शासन स्तर से 11 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत होने के बाद अब पुस्तकालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, छात्रों और शोधार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण मिल सकेगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बनी राजकीय पुस्तकालय बना हुआ है। जहां बच्चों के पढ़ने के लिए किताबें रखी गई है, लेकिन दो साल पहले इस पुस्तकालय की हालत बद से बदतर बनी हुई थी। जहां प्रतिदिन हजारों छात्र-छात्राएं पढ़ने के लिए आते हैं। इनमें अधिकतर छात्र-छात्राएं एसएससी, यूपीएससी समेत तमाम कंपटीशन की तैयारी

जिला पुस्तकालय का भवन।

करते हैं। मगर जिला पुस्तकालय की स्थिति ऐसी है कि अभ्यर्थियों के लिए कुर्सी तक कम पड़ जाती हैं, जो सुबह जल्दी आ जाते हैं। उनको सीट मिल जाती है। देरी से आने वाले अभ्यर्थियों को परेशानी उठानी पड़ती है। इतना ही नहीं भवन भी पूरी तरह जर्जर होने लगा। इसको लेकर प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था। जिसके लिए 11.30 लाख का बजट आवंटित हुआ है। जिससे पुस्तकालय भवन में फिनिशिंग कार्य कराया जाएगा। अध्ययन के लिए अलग-अलग केबिन तैयार किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थी शांत माहौल में बैठकर पढ़ाई कर सकें। अब तक खुले हाल में बैठकर

- फिनिशिंग के साथ बनाए जाएंगे केबिन, रंगाई पुताई के साथ बदलेंगे कुर्सियों की संख्या

पढ़ने की व्यवस्था होने से छात्रों को असुविधा होती थी। नए केबिन बनने से एकाग्रता और सुविधा दोनों बढ़ेंगी। साथ ही भवन की रंगाई-पुताई कराकर उसे नया रूप दिया जाएगा। पुरानी और जर्जर हो चुकी कुर्सियों को हटाकर नई कुर्सियां रखी जाएंगी तथा बैठने की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक छात्र एक साथ अध्ययन कर सकें। पुस्तकालय में प्रकाश व्यवस्था और पंखों की मरम्मत भी प्रस्तावित है। जरूरत पड़ने पर नई टेबलें भी लगाई जाएंगी। कार्य पूरा होने के बाद पुस्तकालय का माहौल पहले से कहीं अधिक आकर्षक और सुविधाजनक होगा। समग्र शिक्षा के जिला समन्वयक प्रशांत कुमार ने बताया कि पुस्तकालय के लिए 11.30 लाख का बजट मिला है।

नोटिस के बाद भी नहीं हटा अतिक्रमण तो जेसीबी गरजी

नौगवां पकड़िया में अतिक्रमण हटाती जेसीबी मशीन। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- नौगवां के वार्ड नंबर 10 में कुछ लोगों ने कर रखा था अतिक्रमण

अमृत विचार : नगर पंचायत नौगवां पकड़िया के वार्ड नंबर 10 में कुछ लोगों ने अपने घरों के बाहर अतिक्रमण कर लिया। उसे हटाने के लिए नोटिस दिए गए, लेकिन उस पर कोई सुधार नहीं किया। इस पर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में अतिक्रमण पर जेसीबी चलाई गई। मलबा भी जब्त कर लिया गया। प्रशासन की ओर से दोबारा अतिक्रमण करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

बता दें कि नगर पंचायत नौगवां पकड़िया के वार्ड नंबर 10 शारदा कॉलोनी के सामने कुछ लोगों ने घरों और दुकानों के बाहर अतिक्रमण कर रखा था। यहां लोगों ने अपने घरों के बाहर लोहे के जीने, टिनशेड और फर्श डाल रखा था। इसको लेकर पूर्व में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए नगर पंचायत की ओर से पांच लोगों को नोटिस दिया गया था। मगर उनके द्वारा अतिक्रमण नहीं हटवाया गया। इस पर गुरुवार को मजिस्ट्रेट ऋषि कुमार, ईओ हरिपाल सिंह, लेखपाल पुनीत, लिपिक अर्जुन सिंह आदि टीम के साथ जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे। एक-एक कर किए गए अतिक्रमण को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया। उन्हें हिदायत दी गई है कि अगर दोबारा से अतिक्रमण किया गया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जेसीबी मशीन चलने के बाद दौरान कई अतिक्रमणकारी दुकान बंद कर भाग गए। वहीं अस्थायी तौर पर पुल के नीचे ठेला आदि लगाने वाले लोग भी वहां से भाग निकले। ईओ हरिपाल सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर अतिक्रमण हटवाया गया है। पूर्व में नोटिस दिए गए थे। मगर उन्होंने नहीं हटाया। हिदायत दी गई है कि वह अतिक्रमण न करें।

प्रीमोर्डियल-2026 खेल महोत्सव का समापन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: पंडित राम प्रसाद बिस्मिल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट में 'प्रीमोर्डियल-2026' खेल महोत्सव का समापन समारोह आयोजित किया गया। यह महोत्सव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सोसाइटी के अधीन संबद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा पाठ्यक्रम, बैच 2025 के छात्रों की ओर से आयोजित किया गया था। समापन समारोह में मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके साथ चिकित्सा अधीक्षक डॉ. महेंद्र पाल और डीन डॉ. विशाल प्रकाश गिरि सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार ने अपने संबोधन में

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट में 'प्रीमोर्डियल-2026' में हिस्सा लेते प्रतिभागी। ● अमृत विचार

आयोजकों तथा छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. महेंद्र पाल ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए अपने अनुभव साझा किए। समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। छात्रा सारिका शर्मा ने 'राम को देखकर श्री जनकनंदन' गीत प्रस्तुत किया, जबकि छात्र अभिनव सक्सेना ने 'चिराग अपने लिए तो नहीं जला करते' की प्रस्तुति दी। समापन अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार को डॉ. सुशील कुमार वर्मा और डॉ. अमित कुमार सक्सेना ने स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. महेंद्र पाल को डॉ. विशाल प्रकाश गिरि और डॉ. राणा प्रताप ने सम्मानित किया। स्पोर्ट्स

- पंडित राम प्रसाद बिस्मिल इंस्टीट्यूट में विजेताओं को दी ट्रॉफी
- मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राजेश कुमार रहे उपस्थित

समिति की संयोजिका डॉ. पूजा त्रिपाठी पाण्डेय को डॉ. नीरा गोयल और डॉ. अनिल कुमार की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। डॉ. जय प्रकाश सिंह, डॉ. मनीष दिवाकर, डॉ. श्वेता जायसवाल, डॉ. किरण मलिक, डॉ. विनोद रवि, डॉ. शगुन शुक्ला और डॉ. वरुण गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन रेजिडेंट डॉ. शिवानी और डॉ. सुशीला ने किया। लिपिक अभय कश्यप, वार्ड बॉय सौरभ और अमन ने आयोजन में सहयोग दिया। अंत में उपस्थित लोगों को जलपान के पैकेट वितरित किए गए।

घोटाला करने वाले चपरासी की पत्नी गिरफ्तार

पीलीभीत,अमृत विचार: एक करोड़ से अधिक के घोटाले में फंसे इंटर कॉलेज के चपरासी इल्हाम उर्रहमान शम्सी की पत्नी अर्शी खातून को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि इल्हाम अभी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। फिलहाल मामले की जांच अब उच्च स्तर तक पहुंच चुकी है। कई जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई तय मानी जा रही है।

बता दें कि लंबे समय से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बाबूगिरी कर रहे इल्हाम शम्सी की मूल तैनाती बीसलपुर के जनता इंटर कॉलेज में चतुर्थ श्रेणी पद पर है। डीआईओएस कार्यालय में उक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी लेखाकार बनकर काम संभाल रहा था। आरोपी इल्हाम के द्वारा अपनी पत्नी अर्शी खातून का एक बचत बैंक खाते को ट्रेजरी में संबद्ध कराकर उसमें एक करोड़ से अधिक रकम जमा कराई गई थी। यह रकम शिक्षकों के वेतन मद की थी। इस मामले में इल्हाम और उसकी पत्नी अर्शी खातून के खिलाफ डीआईओएस राजीव कुमार सिंह की ओर से कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई थी। गुरुवार को आरोपी इल्हाम की पत्नी अर्शी खातून को मोहल्ला पंजाबियान स्थित उसके मायके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मगर मुख्य आरोपी इल्हाम फरार चल रहा है। चर्चा है कि वह कोर्ट की शरण में जाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए चार टीमें लगाकर दबिश दे रही है। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि मुख्य आरोपी इल्हाम शम्सी अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग
श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा,
शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

सिटी डायरी

वार्षिक समारोह में दी रंगारंग प्रस्तुति, कई पुरस्कृत

मझोला, अमृत विचार : एसके पब्लिक स्कूल में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके की गई। प्रबंधक जगजीत सिंह ने विद्यालय की 25 वर्षों की शैक्षिक यात्रा, उपलब्धियों एवं सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। शैक्षणिक निदेशक राजेन्द्र सिंह, प्रशासनिक अधिकारी जसकिरन कौर ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानाचार्य मोहन चन्द्र तिवारी, जूनियर विंग के प्रभारी सिलवेटर स्पेशर ने विद्यार्थियों को निरंतर प्रगति के लिए प्रेरित किया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई और कई पुरस्कृत किए गए।

अभिभावक सम्मेलन में बच्चों ने पेश किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

मझोला, अमृत विचार : स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती शिशु मंदिर में गुरुवार को अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत प्रबंधक सुरेंद्र नाथ सिंह, प्रधानाचार्य धनपाल सिंह ने मां शारदे की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलन करके कराई। प्रबंधक ने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बालक के संस्कार और चरित्र निर्माण की प्रक्रिया है। प्रधानाचार्य ने वार्षिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। बेटी का महत्व नामक मार्मिक लघु नाटिका प्रस्तुत की। संचालन आचार्या सुरेखा मौर्य ने किया। राष्ट्रगान के साथ सम्मेलन संपन्न हुआ।

बीसलपुर में निकाला गया पथ संचलन, कई जगह स्वागत

बीसलपुर, अमृत विचार : सरस्वती शिशु मन्दिर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सर संघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर गुरुजी और छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के उपलक्ष में बच्चों ने मनमोहक झांकियो के साथ पथ संचलन किया। कई स्थानों पर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। गुरुवार को विद्यालय के शिशु वाटिका के शिशुओं ने घोष बैंड के साथ नगर में पथसंचलन किया। झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। बारह पत्थर चौराहा, पीलीभीत मार्ग समेत कई जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। व्यवस्थापक ब्रहमऔतार अग्रवाल, नगर प्रचारक सर्वेश कुमार ने शुरुआत कराई। प्रधानाचार्य हरीशचंद्र शर्मा, शिशु वाटिका प्रभारी प्रमोद कुमार मिश्र, सुधीर कुमार शुक्ला,अंजली शर्मा, पूजा गंगवार, राजेन्द्र प्रसाद, श्रवण कुमार,ब्रजेश कुमार,शीलेन्द्र कुमार, प्रवेश कुमार,श्रीकृष्ण, शोभित कुमार,शिवेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

चोरी की दो बाइकें समेत वाहन चोर गिरफ्तार

संवाददाता, सिंधौली/शाहजहांपुर : अमृत विचार : पुलिस ने पुवायां रोड पर मुड़िया पवार गांव के सामने एक वाहन चोर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी की दो बाइकें बरामद की है। बरामद बाइक दिल्ली की है। अभियुक्त ने एक बाइक दिल्ली से चुरायी थी। पुलिस ने वाहन चोर का चालान कर दिया। सिंधौली थाना प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र सिंह को बुधवार की रात 11 बजे पुवायां रोड पर मुड़िया पवार गांव के सामने गश्त कर कर रहे थे। उनको एक बाइक आती दिखायी दी। युवक बाइक लेकर भागने लगा तो पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने उससे बाइक से कागज मांगे तो नहीं दिखाए। उसने बताया कि बाइक चोरी की है और बेचने की फिराक में है। पकड़ा गया वाहन चोर सोवरन निवासी मुड़िया मिश्र थाना सिंधौली है। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसकी निशान देही पर झाड़ी के अंदर एक और बाइक बरामद हुई।

घर आंगन की शोभा ही नहीं राष्ट्र का गौरव हैं बच्चे

बीसलपुर, अमृत विचार : बीआरसी परिसर में आयोजित हमारा आंगन हमारे बच्चे महोत्सव में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख अशोक शर्मा, जिला पंचायत सदस्य शिव स्वरूप रहे। अतिथियों ने कार्यक्रम की शुरुआत कराई। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि बच्चे न सिर्फ घर आंगन की शोभा होते हैं बल्कि वह राष्ट्र का गौरव हैं। उन्हें अच्छी शिक्षा देना प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है। बच्चों का भविष्य संवारने में उन्हें अपनी पूरी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कॉम्पोजिट विद्यालय कन्या हबीबुल्ला ख़ां के बच्चों ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। खंड शिक्षाधिकारी डॉ. हर्षित शर्मा ने विद्यालय विकास एवं शिक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित करने में शिक्षा विभाग एवं सरकार के कार्यों, योजनाओं की चर्चा की।

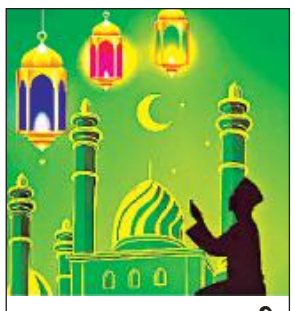

इफ्तार
शुक्रवार शाम
सुन्नी: 6:05
शिया: 6:06

सहरी
शनिवार सुबह
सुन्नी: 5:13
शिया: 5:16

न्यूज ब्रीफ

शराब पीने से मना करने पर युवक को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा के गांव पंडितपुरवा मजरा सुजईकुंडा निवासी पाजूलाल ने बताया कि बुधवार की शाम करीब 5:30 बजे गांव का ही मीरू उसके घर के सामने दरवाजे पर बैठकर शराब पी रहा था। जब उसे वहां से हटकर शराब पीने को कहा, तो वह भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल का मेडिकल परीक्षण कराया है।

तीन भाइयों पर मारपीट करने का आरोप

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी क्षेत्र के गांव इकबालपुर निवासी विनोद कुमार ने बताया कि गांव के ही सुधीर ने अपने भाई अंकित व अवधराम के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पीड़ित का आरोप है कि पूर्व में भी तीन बार उसके साथ आरोपी मारपीट कर चुके हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई राज बहादुर को सौंप दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला युवक का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर की कांशीराम कॉलोनी निवासी अमित (20) का शव बुधवार शाम ओवरब्रिज के निकट रेल पटरी के किनारे बरामद हुआ। मृतक के पिता राजेश ने बताया कि अमित सीतापुर जाने की बात कहकर बुधवार शाम करीब 5 बजे निकला था। वह चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर था। उसकी दो बड़ी बहनें ज्योति और खुशबू विवाहित हैं, जबकि छोटा भाई शिवम अविवाहित है। अमित मेहनत मजदूरी करता था। उसकी शादी नहीं हुई थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

आईजी से शिकायत के बाद जेई मारपीट कांड में छठे दिन दर्ज की गई रिपोर्ट

मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट शिव मंदिर कॉरिडोर बनाने वाले ही असुरक्षित

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : महाशिवरात्रि से ठीक दो दिन पहले यूपीपीसीएल के अवर अभियंता (जेई) के साथ हुई मारपीट के मामले में आखिरकार छठे दिन कोतवाली पुलिस ने 12 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। सवाल यह है कि जब मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट शिव मंदिर कॉरिडोर बन रहा है, तो उसे तैयार करने वाले इंजीनियर और मजदूर ही क्यों असुरक्षित हैं?

लखनऊ के साकेतपुरी, आलमबाग निवासी और यूपीपीसीएल की कार्यदायी संस्था में तैनात अवर अभियंता नितिन सिंह ने दर्ज कराई तहरीर में बताया कि 13 फरवरी की रात करीब 11 बजे वह एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी की मौजूदगी में महाशिवरात्रि की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे थे। एसडीएम के लौटने के बाद वह मिल डायवर्जन रोड पर पैचिंग कार्य देखने पैदल जा रहे थे। आरोप है कि आंबेडकर तिराहे के पास एक दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों ने उनका पीछा किया, घेरकर लात-घूंसे और थप्पड़ों से पिटाई की। इसी दौरान किसी हमलावर ने उनके चेहरे पर नुकीली वस्तु से वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। नितिन सिंह का कहना है कि उन्होंने घटना की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल, डीएम और एसपी कार्यालय में भी की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने आईजी से शिकायत की। तब जाकर छठे दिन मुकदमा दर्ज हुआ।

> वह बाहरी होने के कारण हमलावरों के नाम-पते नहीं जानते, लेकिन सामने आने पर पहचान सकते हैं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद से वह मानसिक तनाव में हैं और लखनऊ के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल शिव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण कार्य जेई एपी सिंह की देखरेख में कराया जा रहा है।
> -नितिन सिंह, अवर अभियंता।

- एक दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

शिव मंदिर कॉरिडोर की सुरक्षा पर सवाल

गोला गोकर्णनाथ। शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण कार्य में लगे जेई नितिन सिंह के साथ कथित दबंगों द्वारा दौड़ा-दौड़ाकर मारपीट किए जाने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद पुलिस को एफआईआर दर्ज करने में छह दिन लगने से भी यहां की पुलिसिंग सवालों में आ गई है। गौरतलब है कि घटना से एक दिन पहले ही मंडलायुक्त और आईजी ने डीएम व एसपी के साथ कॉरिडोर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया था। ऐसे में सरकारी अधिकारी के साथ सरेआम मारपीट की घटना होना व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाता है। हैरानी की बात यह भी है कि घटना से जुड़ा कोई सीसीटीवी फुटेज या वीडियो अब तक सामने नहीं आया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जेई स्वयं थाने नहीं पहुंचे थे, बल्कि उनके वकील के माध्यम से तहरीर भेजी गई थी, जिसके कारण मामला दर्ज करने में देरी हुई। हालांकि सवाल यह उठ रहा है कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के दावों के बीच आखिरकार मारपीट की घटना को किसने और क्यों अंजाम दिया। यह सब तब हो गया, जब छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसी बीच पालिकाध्यक्ष की होर्डिंग फाड़ने का विवाद भी चर्चा में रहा, जिसमें कुछ रसूखदार लोगों के नाम सामने आए थे। फिलहाल पूरे प्रकरण पर चुप्पी साध ली गई है।

> जेई के साथ मारपीट मामले में कोतवाली गोला पुलिस ने एक दर्जन से अधिक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मामले में दोषी मिलने पर संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। -रमेश तिवारी, सीओ- गोला।

यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कॉरिडोर निर्माण में लगे राजस्थानी श्रमिकों के साथ भी मारपीट हो चुकी है। अब अभियंता पर हमले के बाद निर्माण कार्य में लगे कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। सवाल उठ रहा है कि क्या प्रशासन इस महत्वाकांक्षी परियोजना से जुड़े कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएगा?

ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचलकर ग्रामीण की मौत

फूलबेहड़, अमृत विचार: श्रीनगर बाजार में ग्रंट नंबर 12 निवासी रामकिशोर कश्यप (40) किसी काम से बाजार आए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वह अचानक सड़क पर लड़खड़ाकर गिर पड़े। इस दौरान पीछे से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कुछ लोगों का कहना है कि वह नशे में थे, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक वाहन समेत फरार हो गया। बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और आक्रोश जताने लगे। हालात को देखते हुए पुलिस बल मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों को शांत कराया। फरार चालक और वाहन की तलाश की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में घायल इंटरमीडिएट के छात्र की मौत

इकलौते पुत्र की मौत पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

लखीमपुर खीरी/केशवापुर

अमृत विचार: कोतवाली गोला क्षेत्र के बैकुंठा गांव निवासी कक्षा 12 का छात्र अपने सहपाठी फुफेरे भाई का परीक्षा केंद्र देखने जाते समय सोमवार को हुई सड़क दुर्घटना में घायल हुआ था। युवक की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार को मौत हो गई, जिसका बुधवार शाम अंतिम संस्कार किया गया।

थाना गोला क्षेत्र के गांव बैकुंठा निवासी सचिन कुमार (21) पुत्र अवधेश कुमार अपने फुफेरे भाई अंकित कुमार (20) पुत्र दिनेश कुमार थाना फरधान के साथ जानकी देवी कन्या इंटर कालेज बांकेगंज में पढ़ते थे। दोनों छात्र परीक्षा से पहले अपने अपने परीक्षा केंद्र देखने गए थे। सचिन कुमार का परीक्षा केंद्र संसारपुर और अंकित का कहीं दूर गया था। अंकित कुमार का परीक्षा केंद्र देखने जाते समय इनकी बाइक सोमवार को सिसैया पुल के पास किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई थी। हादसे में घायल सचिन कुमार और अंकित कुमार को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया था, इलाज जिला अस्पताल मोतीपुर में चल रहा था। मंगलवार को सचिन की मौत हो गई, जबकि अंकित कुमार का इलाज जारी है। मृतक सचिन कुमार अपने माता-पिता की चार संतानों में तीसरे नंबर का अकेला बेटा था। पिता अवधेश कुमार मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण के साथ सचिन को पढ़ाकर शिक्षित बनाना चाहते थे। मौत की खबर सुनते ही गांव में मातम छा गया। परिवार व रिश्तेदारों का घर पर जमावड़ा लग गया। महिलाएं चीख-पुकारकर रोती-बिलखती रहीं। बुधवार को पोस्टमार्टम होकर शाम करीब पांच बजे शव के गांव पहुचने पर परिजनों ने शाम को ही अंतिम संस्कार कर दिया।

बैकुंठा में गमगीन बैठी मां और तीन बहनें। ● अमृत विचार

सचिन कुमार।

डीसीएम खाई में गिरी, चालक घायल

भानपुर, अमृत विचार : भीरा थाना क्षेत्र के मझौरा में गुरुवार को पलिया से बरेली जा रही डीसीएम का केबिन अचानक खुल गया, जिससे ड्राइवर शाहिद अली वाहन से नीचे गिर गया। इसके बाद डीसीएम अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हालांकि ड्राइवर शाहिद अली को गंभीर चोटें नहीं आईं। हादसे के बाद लोग मौके पर पहुंचे और ड्राइवर को मदद पहुंचाई।

वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे पांच लोग दुर्घटना में घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : बुधवार की देर रात एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे पांच लोग गोला-अलीगंज मार्ग पर भुड़वारा मोड़ के पास सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घायलों को सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर चार लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गोला अलीगंज मार्ग पर हुए सड़क हादसे में बिजुआ निवासी अनिल(17) पुत्र बाबूराम, सौरभ(15) पुत्र क्रांति, राज (18) पुत्र क्रांति, क्रांति(35) और रवि(28) इस दुर्घटना में घायल हुए। दुर्घटना में घायल सभी लोग बिजुआ से गोला एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे थे। घायलों का गोला सीएचसी में प्राथमिक उपचार किया गया। हालत में सुधार न होने पर सौरभ, अनिल, राज और क्रांति को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि नशे में धुत होने के चलते दुर्घटना हुई है। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने पहुंचकर सभी घायलों को सीएचसी भिजवाया। हादसे में सौरभ सड़क पर गिरकर बेहोश हो गया जिसका सिर फट गया और राज के पैर में फैक्चर हो गया था।

दो बाइकों की टक्कर में 5 घायल, दो की हालत गंभीर

बेहजम, अमृत विचार : नीमगांव थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह करीब ट्रक को गलत दिशा से ओवरटेक कर रही बाइक सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज हुई कि दोनों बाइकें एक-दूसरे में फंसकर सड़क पर गिर गईं।
हादसे में बाइकों पर सवार दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां पर दो लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसा सुबह करीब 10 बजे बेहजम-ओयल मार्ग पर बसारा गांव के पास हुआ। महोली थाना क्षेत्र के गांव नन्हीं कटघरा निवासी दीर्गज सिंह अपनी मां बृजरानी को लेकर बढ़रिया गांव स्थित ननिहाल से वापस घर जा रहे थे। वहीं कस्बा खीरी के मोहल्ला तबेला निवासी सनी अपनी पत्नी जसमीन के साथ कस्ता स्थित ससुराल से लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दीर्गज सिंह ने ट्रक को गलत दिशा से ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान सामने से आ रही सनी की बाइक से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइकें ट्रक के अगले हिस्से में जा घुसीं और चारों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर बेहजम पुलिस चौकी प्रभारी सिद्धांत पवार व दीवान निसार अहमद मौके पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी बेहजम पहुंचाया। वहां इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने दीर्गज सिंह और सनी की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल ओयल रेफर कर दिया, जबकि जसमीन और बृजरानी का इलाज सीएचसी बेहजम में जारी है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक और दोनों बाइकों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

● ट्रक को गलत दिशा से ओवरटेक करने से हुआ हादसा

वाहन की टक्कर से युवक की गई जान

लखीमपुर खीरी। अमृत विचार : थाना मैगलगंज क्षेत्र के गांव राही पारस निवासी विश्राम का 38 वर्षीय बेटा नीरज बुधवार की सुबह अपनी बेटी मुस्कान को हाईस्कूल की परीक्षा दिलाने के लिए केन्द्र तक छोड़कर पैदल घर वापस लौट रहा था। बताते हैं कि जैसे ही वह नगरा के पास पहुंचा था अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल हालत में नीरज को इलाज के लिए मितौली सीएचसी भेजा, जहां पर हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे लखीमपुर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में भी नीरज की स्वास्थ्य में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ में नीरज की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छह माह बाद वन विभाग के पिंजरे में कैद हुआ बाघ

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचार: संपूर्णानगर वन विभाग की टीम को लंबे प्रयासों के बाद गुरुवार को बाघ पकड़ने में सफलता मिली है। करीब छह माह से बाघ की लगातार निगरानी कर रही टीम ने देर शाम लगाए गए पिंजरे में उसे सुरक्षित कैद कर लिया। पकड़े जाने के बाद बाघ को रेंज कार्यालय लाया गया।

बीते दो दिन पूर्व संपूर्णानगर वन रेंज के अंतर्गत चंदनगर हजारा क्षेत्र में बाघ ने एक गाय का शिकार कर लिया था। घटना के बाद बाघ सड़क किनारे गन्ने के खेत के पास बैठा दिखाई दिया, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बाघ की निगरानी शुरू कर दी। वन विभाग द्वारा बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया था। पूर्व में भी कई बार प्रयास किए गए, लेकिन बाघ अपनी लोकेशन बदल लेता था और पिंजरे में कैद नहीं हो सका। एक बार पिंजरे में तेंदुआ फंस गया था, जिससे अभियान और लंबा खिंच गया। लगातार ट्रैकिंग और रणनीति के बाद आखिरकार गुरुवार की देर शाम बाघ पिंजरे में कैद हो गया। वन क्षेत्राधिकारी ललित ने बताया कि पकड़ा गया बाघ लगभग दो वर्ष का है। उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार उसे उपयुक्त स्थान पर छोड़ा जाएगा। बाघ के पकड़े जाने के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

शादी समारोह में महिला वेटर से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: गोला कोतवाली के गांव साहसपुर निवासी मीरा देवी ने एसपी को शिकायत पत्र देकर बताया कि वह अपने पति के साथ शादी-पार्टियों में वेटर का कार्य करती हैं। 10 फरवरी की रात करीब 11 बजे वह थाना फूलबेहड़ की पुलिस चौकी सुंदरवल के गांव गिरधरपुर में शादी समारोह में काम कर रही थीं। कार्यक्रम के दौरान नन्हें सिंह का भाई झाबुल सिंह शराब के नशे में वेटरों से गाली-गलौज कर रहा था। विरोध करने पर उसने पीड़ित महिला वेटर से उनका पता और जाति पूछी। जब उन्होंने जाति धोबी बताई तो आरोपी ने कथित रूप से जातिसूचक अपशब्द कहे और अपमानित किया। इसके बाद उसने मारपीट की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। एसपी के आदेश पर फूलबेहड़ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरे दिन की यूपी बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: गुरुवार को यूपी बोर्ड परीक्षा के दूसरे दिन जिले में कुल 7,858 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 7,579 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 279 परीक्षार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे। गुरुवार की परीक्षा सख्त निगरानी और चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच दोनों पालियों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। गुरुवार की परीक्षा में प्रथम पाली में सुबह हाईस्कूल के कंप्यूटर विषय की परीक्षा आयोजित हुई। इसमें कुल 1,443 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1,426 उपस्थित रहे और 17 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

प्रथम पाली में इंटरमीडिएट के विभिन्न विषयों की परीक्षा हुई, जिसमें 377 पंजीकृत परिक्षार्थियों में 372 उपस्थित रहे, जबकि 5 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट नागरिक शास्त्र विषय की परीक्षा हुई। इसमें 6,038 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 5,781 उपस्थित रहे, जबकि 257 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों की जांच की गई।

डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि परीक्षा सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हुई। सचल दलों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने बताया कि परीक्षा को नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

- 7858 परीक्षार्थी थे पंजीकृत, 7579 रहे उपस्थित

सफाई नायक को दी प्रतिकूल प्रविष्टि

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शहर के कमलापुर वार्ड में सफाई व्यवस्था की शिकायतों के बाद ईओ नगर पालिका संजय कुमार और जेई समरा सईद ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान वार्ड में जगह-जगह गंदगी और कूड़े के ढेर पाए गए।

ईओ ने बताया कि सफाई व्यवस्था को लेकर संबंधित सफाई नायक को पहले भी कई बार निर्देश जारी किए जा चुके थे, लेकिन उसके बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया। नालियों की सफाई अधूरी मिली और कुछ स्थानों पर कूड़ा उठान नियमित रूप से नहीं हो रहा था। ईओ ने निरीक्षण के दौरान संबंधित कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए लापरवाही बरतने पर सफाई नायक श्याम सिंह को प्रतिकूल प्रविष्टि दी है।

ईओ संजय कुमार ने स्पष्ट किया कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने वार्ड में विशेष सफाई अभियान चलाकर तुरंत हालात सुधारने और नियमित निगरानी सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर की साफ-सफाई प्राथमिकता में है और जनता की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा। नगर पालिका ईओ ने चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि ऐसी लापरवाही दोहराई गई तो और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कमलापुर वार्ड का निरीक्षण करते ईओ संजय कुमार। ● अमृत विचार

- कमलापुर वार्ड में गंदगी पर ईओ ने दिखाई सख्त

15 ब्लॉकों के सीएचओ होंगे प्रशिक्षित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने अहम कदम उठाया है। सीएमओ कार्यालय सभागार में गुरुवार को आयोजित सेंसिटाइजेशन वर्कशॉप में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) को मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, टीबी सहित अन्य संचारी रोगों की रोकथाम, पहचान और उपचार संबंधी प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी 15 ब्लॉकों में कार्यरत सीएचओ को चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि गांव स्तर पर मरीजों को समय पर जांच और उपचार मिल सके। पहले चरण में पलिया, मितौली और रमियाबेहड़ ब्लॉक के सीएचओ को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में वेक्टर जनित रोगों पर विशेष जोर दिया गया। सीएमओ ने मलेरिया प्रोटोकॉल, आवश्यक दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता, स्टॉक प्रबंधन तथा समयबद्ध उपचार प्रक्रिया की जानकारी दी।

उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक सीएचओ के पास मलेरिया जांच के लिए आरडीटी किट अनिवार्य रूप से उपलब्ध हो, ताकि संदिग्ध मरीजों की तुरंत जांच कर इलाज शुरू किया जा सके। जिला मलेरिया अधिकारी हरिशंकर, मलेरिया विभाग की टीम तथा पाथ-सीएचआरआई के जिला समन्वयक जुबेर आलम मौजूद रहे। एलटी हेमंत गुप्ता ने आरडीटी किट के माध्यम से मलेरिया जांच की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन कर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर एसीएमओ डॉ. एसपी मिश्रा, डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रमोद रावत, डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रमोद वर्मा, डीसीपीएम कुलदीप सिंह, लाला सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि आगामी तिथियों में शेष ब्लॉकों के सीएचओ को भी इसी प्रकार प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यशाला को संबोधित करते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता। ● अमृत विचार

- संचारी रोगों की रोकथाम के लिए गांव-गांव मजबूत होगी जांच व्यवस्था

मोहम्मदी को जिला बनाने का मुद्दा विधायक ने सदन में उठाया

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मोहम्मदी विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह ने बजट सत्र के दौरान विधानसभा में मोहम्मदी को जिला घोषित करने और वनभूमि पर वर्षों से काबिज ग्रामीणों की लंबित पत्रावलियों का निस्तारण कर उन्हें पट्टा दिए जाने की मांग उठाई।

सदन में अपनी बात रखते हुए विधायक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र मोहम्मदी में पिछले 25 वर्षों में जितना विकास नहीं हुआ, उतना कार्य बीते नौ वर्षों में कराया गया है। उन्होंने बताया कि उनका क्षेत्र जिला मुख्यालय से 70 से 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे आम जनता को प्रशासनिक कार्यों के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ती है। इसीलिए मोहम्मदी को जिला बनाए जाने की मांग लंबे समय से उठती रही है।

अधिवक्ताओं सहित विभिन्न संगठनों द्वारा इस संबंध में धरना-प्रदर्शन भी किए जाते रहे हैं। विधायक ने मोहम्मदी ब्लॉक क्षेत्र के जैती, भीमनगर और दिलावर समेत कई गांवों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1960 के आसपास आकर बसे ग्रामीण एक से दो एकड़ वनभूमि जोतकर आजीविका चला रहे हैं। इन ग्रामीणों के पट्टों से संबंधित पत्रावलियां शासन स्तर पर लंबित हैं। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि इन मामलों का शीघ्र निस्तारण कर पात्र ग्रामीणों को भूमि का स्वामित्व प्रदान किया जाए।

विधायक ने यह भी कहा कि अतीत में इन ग्रामीणों पर मुकदमे दर्ज किए गए और उत्पीड़न की घटनाएं भी सामने आईं, लेकिन उन्होंने सदैव उनका संरक्षण किया और उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास किया।

बाजारों में आने लगी मिलावटी खाद्य सामग्री

भीरा, अमृत विचार: त्योहारों के नजदीक आते ही कस्बे सहित ग्रामीण बाजारों में मिलावटी खाद्य वस्तुओं की आमद जारी हो गई है, जिससे उपभोक्ताओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति चिंता सताने लगी है।

बाजार में इन दिनों मिलावटी खोया, पनीर, क्रीम निकले दूध से बनी मिठाइयों की पैकिंग खुलेआम बेची जा रही है। होली के त्यौहार को देखते हुए केमिकल युक्त सरसों के तेल की बिक्री पापड़ चिप्स आदि भी बाजार में आने लगे हैं। महीन चावल में मोटे चावल की खंडी और गेहूं के आटे में चावल की कनकी पीसकर आटे को खुलेआम बेचा जा रहा है। मिलावटी धंधे पर रोक लगाने के लिए सरकार ने खाद्य निरीक्षक की तैनाती भी की है, लेकिन उनके उदासीन रवैया और क्षेत्र में न आने के कारण पूरे मिलावटी और नकली खाद्य सामग्री की बिक्री बड़े पैमाने पर हो रही है।

यक्ष एप से अपराध नियंत्रण और बीट पुलिसिंग होगी हाईटेक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पुलिस विभाग ने डिजिटल पहल को तेज कर दिया है। एसपी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देश में यक्ष एप का प्रभावी क्रियान्वयन कराया जा रहा है, जिसके माध्यम से बीट स्तर की सूचनाएं, क्षेत्रीय गतिविधियां और अपराध संबंधी जानकारियां ऑनलाइन संकलित व अद्यतन की जा रही हैं।

एसपी ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा विकसित यह एप्लीकेशन अपराधियों की निगरानी, गैंग गतिविधियों पर नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। जनपद में अब तक 27 निरीक्षक, 237 उपनिरीक्षक, 33 कंप्यूटर ऑपरेटर, 1194 मुख्य आरक्षी/आरक्षी व डीसीआरबी प्रभारी को ऐप संचालन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने सभी हिस्ट्रीशीटरों एवं पंजीकृत गैंगों की शत-प्रतिशत फीडिंग एप में कर दी गई है और उनके लीडर व सदस्यों की निगरानी की जा रही है।

जिले के 4540 गांवों व मोहल्लों की ऑनलाइन जियो-टैगिंग भी पूरी कर ली गई है। इसके अलावा अपराधियों का सत्यापन और गैंगों का डेटा अपडेट कर डिजिटल रिकॉर्ड मजबूत किया गया है। एसपी ने सभी पुलिस कर्मियों को आदेश दिए हैं कि एप में की जाने वाली सभी प्रविष्टियां समयबद्ध और सटीक हों। ऐप के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं का नियमित विश्लेषण कर बीट-स्तरीय पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण और जनसंपर्क व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। उनका मानना है कि इस तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था से पुलिस के कामकाज की पारदर्शिता बढ़ेगी और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

- 4540 गांवों व मोहल्लों की ऑनलाइन जियो-टैगिंग पूरी

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

खीरी

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह

B.A.M.S.

(आयुर्वेदाचार्य)

स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ

30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त

ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए

परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी

भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे

शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं

- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease

सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब

आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक

दिनांक :-

8 फरवरी 2026, रविवार

22 फरवरी 2026, रविवार

निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली

9837069463

7599211076

दर्जनों ग्रामीण परिवार के लोगों ने कोतवाली का घेराव कर किया प्रदर्शन

12 फरवरी को लापता कालीचरण का पता न लगने से भड़के परिजन और ग्रामीण

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचार: थाना क्षेत्र की औरंगाबाद चौकी के जहाननगर गांव निवासी कालीचरन यादव का आठ दिन बाद भी कोई पता नहीं चल सका है। इससे नाराज परिजनों ने परिजनों के साथ गुरुवार को मैगलगंज कोतवाली का घेराव कर पुलिस के विरोध में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

गांव जहाननगर निवासी कालीचरन 12 फरवरी की रात करीब दो बजे से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हैं। परिजनों के अनुसार घटना की रात कुछ लोग कालीचरन को घर से बुलाकर अपने साथ ले गए थे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटे। काफी खोजबीन के बाद खेत में उनकी चप्पल मिलने की बात सामने आई, जिससे परिजन किसी अनहोनी की आशंका जता रहे हैं।

कोतवाली का घेराव करते ग्रामीण व परिजन। ● अमृत विचार

● पुलिस पर लापरवाही बरतने का लगाया आरोप, जमकर नारेबाजी

परिवार का आरोप है कि जिन लोगों पर शक है, उनसे सख्ती से पूछताछ नहीं की गई और न ही गांव व आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया गया। उनका कहना है कि पुलिस की कार्रवाई अपेक्षित स्तर की नहीं रही। इससे पहले भी पांच दिन बीतने पर परिजनों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे, लेकिन आश्वासन के अलावा कोई ठोस प्रगति सामने नहीं आई।

गुरुवार को बढ़ते रोष के बीच क्रांति कुमार सिंह के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों और परिजनों ने मैगलगंज कोतवाली पहुंचकर घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए कालीचरन की शीघ्र बरामदगी की मांग की और कहा कि मामले में तेजी नहीं दिखाई गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो वे उच्चाधिकारियों से शिकायत कर व्यापक आंदोलन छेड़ेंगे। मौके पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें शांत करने का प्रयास किया।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन और अन्य माध्यमों से जांच कर रही है तथा संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। उन्होंने दो दिन का समय मांगते हुए कहा कि हर संभव प्रयास किया जा रहा है। आश्वासन के बाद ग्रामीण फिलहाल शांतिपूर्वक लौट गए, लेकिन उन्होंने साफतौर पर कहा कि यदि जल्द परिणाम सामने नहीं आया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

गुटखा बेचने पर युवक को अगवा कर मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना पलिया के गांव बेहननपुरवा पलिया खुर्द निवासी मोहम्मद नज्यूम ने बताया कि वह कॉस्मेटिक का व्यवसाय करता है। 16 फरवरी को उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति ने फोन किया और उसे धौरहरा बुलाया। अगले दिन वह रमियाबेहड़ ब्लॉक स्थित एक पेट्रोल पंप पर पहुंचा, जहां सफेद रंग की बोलेरो से तीन लोग आए और उसे जबरन गाड़ी में बैठा लिया। आरोप है कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए कहा कि किशोर गुटखा (पुड़िया) क्यों बेचते हो, उसकी एजेंसी हमारे पास है। दोबारा बेचा तो जान से मार देंगे। पीड़ित के अनुसार एक अन्य व्यक्ति भी गाड़ी में सवार हो गया, जिसने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की। बाद में उसे गाड़ी से उतारकर धमकी दी कि आगे से गुटखे का काम न करें। पीड़ित डरा सहमा घर पहुंचा और परिवार वालों को घटना बताई। इससे परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों के साथ पीड़ित युवक थाना पहुआ पहुंचा और पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक विवेक उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच की जा रही है।

क्विज एवं मॉडल स्पर्धा में 100 बच्चे हुए चयनित

विज्ञान आंचलिक केंद्र लखनऊ में मौजूद छात्र। ● अमृत विचार

संवाददाता, पसगवां

● चयनित बच्चों ने विज्ञान आंचलिक केंद्र लखनऊ का किया भ्रमण

अमृत विचार: ब्लॉक स्तर पर क्विज प्रतियोगिता एवं मॉडल प्रतियोगिता में चयनित 100 बच्चों को एक्सपोजर विजिट के लिए विज्ञान आंचलिक केंद्र लखनऊ भ्रमण कराया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान आविष्कार के अंतर्गत विकास क्षेत्र पसगवां के सभी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों का ब्लॉक स्तर पर क्विज प्रतियोगिता एवं मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें 100 बच्चे चयनित हुए थे। एक्सपोजर विजिट में बच्चों ने विज्ञान और खगोल आदि से संबंधित समस्त के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। प्रत्येक विद्यालय के बच्चों के साथ नोडल के रूप में उनके एक एक अध्यापक भी उपस्थित रहे। शैक्षिक भ्रमण खंड शिक्षा अधिकारी पसगवां संजीव कुमार भारती के दिशा निर्देशन में गया और शाम को भ्रमण के वापस बच्चों को उनके घर भेजा गया। उक्त कार्यक्रम में नोडल बालिका शिक्षा पसगवां सत्येंद्र बहादुर सिंह उपस्थित रहे। भ्रमण को कार्यक्रम में नागेंद्र सिंह, अंकित, कमल, शिव प्रकाश बाजपेई, सियाराम दिनकर, शिवकुमार गुप्ता, सुखदेव सिंह, उर्मिला रस्तोगी, अर्चना सैनी, विवेक शर्मा, गीता देवी, रेखा, रामसूरज दिवाकर, कृष्ण कुमार सिंह राजवंशी, राघवेंद्र प्रताप, अमित कुमार, अमर सिंह, जगमोहनलाल और विशाल कश्यप का सराहनीय योगदान रहा।

रैली निकाल किसानों को किया जागरूक

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: बजाज चीनी मिल ने बसन्तकालीन गन्ना बुवाई को बढ़ावा देने हेतु किसान जागरूकता रैली चीनी मिल गेट से निकाली गई। रैली को ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक आशुतोष मधुकर ने फीता काटकर एवं इकाई प्रमुख राकेश यादव, डिस्टिलरी हेड सहदेव त्यागी, वरिष्ठ महाप्रबंधक गन्ना पीएस चतुर्वेदी, सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति बलवंत चैधरी, इंजीनियरिंग हेड केके तिवारी, प्रोडक्शन हेड पीसी गुप्ता एवं आईटी हेड संदीप कटियार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जागरूकता रैली के सम्बंध में जानकारी देते हुए इकाई प्रमुख राकेश यादव ने बताया कि यह रैली चीनी मिल परिक्षेत्र के अनेकों गांव से होकर गुजरेगी तथा किसानों को बसन्तकालीन गन्ना बुवाई एवं पेड़ी प्रबन्धन के सम्बन्ध में जागरूक करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि रैली के साथ चीनी मिल प्रबन्धन एवं गन्ना विभाग के तमाम अधिकारी किसानों को उन्नतशील गन्ना प्रजातियों को० 0118, को० 15023, कोलख०14201, कोशा० 13235 एवं जलभराव वाले क्षेत्र में को० 98014, कोलख० 94184 की बुवाई करने के सम्बन्ध में जागरूक करेंगे। वरिष्ठ महाप्रबन्धक गन्ना ने किसानों से प्रतिबंधित एवं अनामित गन्ना प्रजातियां न बोने की अपील की।

गोला में बजाज चीनी मिल से बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते अधिकारी।

● बजाज चीनी मिल ने किया आयोजन

रैली में सहायक महाप्रबंधक गन्ना, प्रबंधक सत्येन्द्र कुमार मिश्र, संजीव चैधरी, अपर प्रबन्धक गन्ना सुनील सिंह सहित तमाम अधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे।

पूर्व सभासद की शिकायत पर जांच शुरू

पलिया कलां, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद के एक पूर्व सभासद ने नगर की सड़कों ,नालियों के निर्माण एवं सामान की खरीदारी में अनियमितता बरते जाने की उच्चाधिकारियों से शपथपत्र के साथ की गई शिकायत पर जांच शुरू हो गई है।

पूर्व सभासद जसपाल गोहनियां ने नगर की कई प्रमुख सड़कों व नालियों के निर्माण में गुणवत्ता एवं मानक का ध्यान न रखने एवं कई सामानों की खरीदारी में भारी अनियमितता बरते जाने का आरोप लगाते हुए गत दिनों उच्चाधिकारियों को रजिस्टर्ड डाक से शिकायती पत्र प्रेषित किए थे। जिसको संज्ञान लेते हुए जांच प्रक्रिया अब शुरू हो गई है। अधिशाषी अभियंता निर्माण खंड 3 लोक निर्माण विभाग ने उन्हें पत्र प्रेषित कर संबंधित अभिलेख व साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

पुलिस वर्दी पहनकर क्षेत्र में रौब जमाता है चौकीदार

संवाददाता, मूड़ा सवारान

● बजरंग दल कार्यकर्ता ने चैकीदार पर लगाए गंभीर आरोप

अमृत विचार: राष्ट्रीय बजरंग दल के मंडल अध्यक्ष गोल्ड मिश्रा ने डीएम को भेजे शिकायती पत्र में ग्राम हमीदाबाद निवासी कादिर अली उर्फ डॉन पर कई गंभीर आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता गोल्ड मिश्रा ने डीएम को भेजी शिकयत में कहा है कि कादिर अली खुद को पुलिस की वर्दी में चौकीदार बताकर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का कारोबार चला रहा है। आरोप है कि वह पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों को डराता धमकाता है और अवैध धंधों को अंजाम देता है। पत्र में यह भी दावा किया गया है कि आरोपी अनुसूचित जाति की महिलाओं और लड़कियों के साथ अश्लील वीडियो बनवाता है और उन्हें ब्लैकमेल करता है। इसके अलावा कादिर अली पर देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करने और विरोध करने वालों को सर कलम करने की धमकी देने का भी आरोप है।

गोल्ड मिश्रा ने अपने शिकायती पत्र के साथ इन आरोपों के समर्थन में कुछ वीडियो और फोटो जैसे साक्ष्य भी संलग्न किए हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है कि आरोपी के खिलाफ तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। उसके अवैध कारोबार पर रोक लगाई जाए और पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए। शिकायत के बाद क्षेत्रीय लोगों में भी कादिर के खिलाफ रोष व्याप्त है।

युवती को फुसलाकर ले जाने का आरोप

निघासन, अमृत विचार: थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि 17 फरवरी की रात उनकी 20 वर्षीय पुत्री को थाना पहुआ के गांव त्रिकोलिया निवासी नियाजुल बहला-फुसलाकर और डरा-धमकाकर अपने साथ ले गया। सुबह घर पर युवती के न मिलने पर खोजबीन की गई तो जानकारी मिली कि नियाजुल अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ गांव आया था और युवती को साथ ले गया। जब परिजन आरोपी के घर पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों ने गाली-गलौज की और दोबारा आने पर जान से मारने की धमकी दी। परिजनों ने आशंका जताई है कि युवती के साथ कोई अनहोनी हो सकती है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई दिनेश सिंह को सौंपी है। पुलिस का कहना है कि युवती की शीघ्र बरामदगी के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं और आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त की डॉ. आंबेडकर प्रतिमा

संवाददाता, रजागंज

अमृत विचार: गोला कोतवाली क्षेत्र की ग्राम पंचायत करनपुर मुर्तिहा के मजरा गांव मुड़िया में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को बुधवार रात अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। सीओ ने लोगों को समझाकर शांत कराया और कार्रवाई का आश्वासन दिया।

करनपुर निवासी ऋषिकांत महात्मा ने बताया कि वह रोज की तरह सुबह बौद्ध विहार मंदिर परिसर में सफाई करने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि बाबा साहब की प्रतिमा के एक हाथ की उंगलियां और चेहरा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इसके बाद उन्होंने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीओ गोला रमेश तिवारी और इंस्पेक्टर अंबर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद डॉ. अंबेडकर के अनुयायियों और ग्रामीणों को शांत कराया तथा कार्रवाई का आश्वासन दिया। क्षतिग्रस्त प्रतिमा को कारीगर बुलाकर तत्काल ठीक कराया गया।घटना के बाद एहतियातन बौद्ध विहार परिसर में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो। इंस्पेक्टर अंबर सिंह ने बताया कि अभी तक कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

क्षतिग्रस्त की गई प्रतिमा।

लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

गांधी प्रतिमा के सामने धरना देते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● गांधी प्रतिमा के सामने सरकार पर बोला हमला

अमृत विचार: मंगलवार को लखनऊ में विधानसभा घेराव के दौरान हुए लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को को जिला कांग्रेस कमेटी ने गांधी पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया और प्रदेश सरकार व पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

धरने का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने किया। सुबह 11 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक चले प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन पर दमनात्मक कार्रवाई का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। आरोप लगाया कि विधानसभा घेराव के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया गया।

धरने के दौरान वक्ताओं ने मनरेगा बचाओ संघर्ष कार्यक्रम के तहत केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की। कहा कि राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय भार डाला जा रहा है। साथ ही प्रदेश सरकार के रवैये पर भी खेद व्यक्त किया गया।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेगी और दमनकारी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी। कार्यक्रम में राजेन्द्र गुप्ता, रामपाल शाक्य, मोहन चन्द्र उत्प्रेती, प्रेम कुमार वर्मा, कृष्ण किशोर मिश्रा, ललित वाल्मीकि, जमील खीरी, अब्दुल रहीम, संजय गोस्वामी, लतीफ आजम अंसारी, अकील खान, देवेन्द्र कुमार, पंकज दीक्षित, अनन्तराम गौतम, रामजीवन एडवोकेट, रवि तिवारी, गुलफाम अहमद, वीरेन्द्र कुमार कश्यप सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसएसबी के पशु चिकित्सा शिविर में देखे गए 138 पशु

संवाददाता, पलिया कलां

● पशु चिकित्सक ने पशुपालकों को किया जागरूक

अमृत विचार : 39वीं वाहिनी एसएसबी की सीमा चौकी गौरीफंटा के कार्यक्षेत्र में स्थित वाइब्रेंट गांव बनगांव में पशु स्वास्थ्य जांच व चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 137 विभिन्न पशुओं के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उपचार किया गया है।

शिविर का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को उनके पशुओं के स्वास्थ्य एवं देखभाल के प्रति जागरूक करना तथा बीमार एवं संक्रमित पशुओं की निशुल्क जांच एवं उपचार सुनिश्चित करना रहा। 28 पशुपालकों के 137 पशुओं की चिकित्सा जांच की गई । शिविर के दौरान डॉ. शालिनी परिहार, कमांडेंट (पशु चिकित्सा) एवं उनकी टीम द्वारा पशुओं की स्वास्थ्य जांच, सामान्य रोगों की पहचान, टीकाकरण एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं।

पशु चिकित्सा शिविर में बीमार पशुओं को देखते चिकित्सक। ● अमृत विचार

स्टेट क्वालिटी मॉनिटर ने आंगनबाड़ी और हॉट बाजार का किया निरीक्षण

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: मनरेगा के स्टेट क्वालिटी मॉनिटर ओम प्रकाश चौबे ने गुरुवार को विकास खंड धौरहरा का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम पंचायत सरसवा में निर्मित हाट बाजार का जायजा लिया। पश्चात ग्राम पंचायत हरदी में आंगनबाड़ी केंद्र, पोषण वाटिका एवं बाल वाटिका का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कार्यों की गुणवत्ता और निर्माण की उत्कृष्टता पर टीम ने संतोष व्यक्त किया। स्टेट क्वालिटी मॉनिटर ने विशेष रूप से आंगनबाड़ी भवन के निर्माण कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार का गुणवत्तापूर्ण आंगनबाड़ी भवन उन्होंने पहली बार देखा है।

टीम ने ब्लाक धौरहरा के खंड विकास अधिकारी संदीप कुमार की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि मनरेगा के अंतर्गत कराए जा रहे कार्य मानकों के अनुरूप एवं प्रभावी ढंग से संपादित किए जा रहे हैं। इसके बाद ब्लाक कार्यालय में तकनीकी सहायकों एवं अन्य कर्मचारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में मनरेगा के तहत संचालित कार्यों की तकनीकी बारीकियों पर चर्चा की गई। पत्रावलियों में टेंडर, कोटेशन तथा कार्यों की माप संबंधी अभिलेखों का परीक्षण कर दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत हरदी में आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करती मनरेगा स्टेट क्वालिटी टीम।

● बोले-इस प्रकार का गुणवत्तापूर्ण आंगनबाड़ी भवन पहली बार देखा

सरसों की फसल जबरन जोतने की रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के हडेला निवासी हरप्रीत कौर ने बताया कि पति की मौत के बाद वह अपने नाबालिक पुत्र हरमनजीत सिंह के साथ रहती है, जिसका फायदा उठाते हुए 13 फरवरी की रात विपक्षी धर्मेंद्र सिंह ने उनकी चार बीघा सरसों की हरी भरी फसल जोत डाली और खेत पर कब्जा कर लिया। जब वह सुबह खेत पर पहुंची तो विपक्षी धर्मेंद्र और उसके अन्य अज्ञात साथियों ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि उसकी फसल उन्होंने जोती है जो करना हो वह कर ले और जान से मारने की धमकी देते हुए उसे वहां से भगा दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गोशाला में बाघ ने 3 दिन में 2 गोवंश मारे

संवाददाता, मझगईं

● दहशत में ग्रामीण और गोशाला प्रबंधन के लोग

अमृत विचार: मझगईं वन रेंज क्षेत्र के कौड़िया गांव स्थित धर्मापुर गोशाला में बाघ की दहशत बढ़ती जा रही है। बीते तीन दिनों में बाघ दो गोवंशों को अपना शिकार बना चुका है, जिससे ग्रामीणों और गोशाला प्रबंधन में भय का माहौल है।

17 फरवरी की रात बाघ ने गोशाला की पूर्वी दिशा की बाड़ लांघकर अंदर प्रवेश किया और एक बछिया को मार डाला। ग्रामीण अभी इस घटना से उबर भी नहीं पाए थे कि गुरुवार को फिर उसी तरह बाघ गोशाला में घुस आया और एक गाय को शिकार बना लिया। लगातार दूसरी घटना से क्षेत्र में दहशत और बढ़ गई है। धर्मापुर गोशाला जंगल किनारे है, जिसके चलते जंगली जानवरों की आवाजाही बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत की ओर से बाड़ मजबूत करने सहित कई प्रयास किए गए, लेकिन बाघ के सामने ये इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। गोशाला प्रबंधन ने रात्रि निगरानी बढ़ाने की भी बात कही है।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मझगईं रेंजर अंकित सिंह ने बताया कि क्षेत्र में बाघ की मूवमेंट ट्रेस करने के लिए कैमरे लगाए जा रहे हैं। सही लोकेशन मिलने के बाद बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने और रात में अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है।

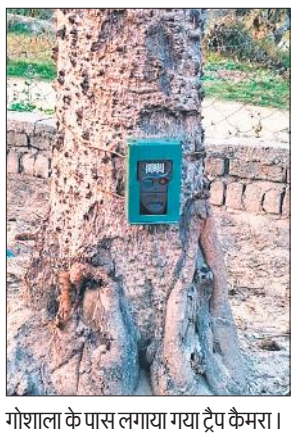

गोशाला के पास लगाया गया ट्रैप कैमरा।

न्यूज ब्रीफ

समाजसेवी ने निभाया भाई का फर्ज

पलियाकलां, अमृत विचार : पलिया विधानसभा के संपूर्णानगर क्षेत्र की वृंदावन कॉलोनी निवासी खुशबू के परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय होने के कारण समाजसेवी गौरव सिंह ने आगे बढ़कर मानवीयता की मिसाल पेश की। खुशबू के पिता बिहारी लाल को फालिज (पैरालिसिस) का अटैक पड़ने के कारण वे किसी प्रकार का कार्य करने में असमर्थ हैं, जबकि माता सुदामा देवी बुजुर्ग और असहाय हैं। समाजसेवी गौरव सिंह ने गरीब बेटी के भाई का फर्ज निभाते हुए विवाह हेतु दहेज का सामान उपलब्ध कराया।

लक्ष्मीनारायण मंदिर का वार्षिकोत्सव आज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर के पुजारी सुधीर ने बताया कि मंदिर का वार्षिकोत्सव 20 फरवरी शुक्रवार को धूमधाम से मनाया जायेगा। लक्ष्मीनारायण मंदिर को भव्य एवं आकर्षक झालरों से सजाया गया है। बताया कि सुबह मंदिर परिसर में हवन, पूजन के बाद ब्राह्मणों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया जायेगा। कन्या भोज और भंडारे की व्यवस्था की गई है।

कुंभी चीनी मिल ने भेजा 15 तक का भुगतान

बग्घून, अमृत विचार : बलरामपुर चीनी मिल का इकाई कुंभी चीनी मिल ने 15 फरवरी तक खरीदे गए गन्ने का भुगतान किसानों के बैंक खातों में भेज दिया है। चीनी मिल के जीएम चंद्रहास ने बताया कि 18099 गन्ना किसानों के बैंक खातों में 37 .50 करोड़ रुपया भेजा गया है। चीनी मिल अब तक 62025 किसानों को 455 .87 करोड़ रुपयों का भुगतान कर चुकी है।

करनाल से शव पहुंचा, परिवार में मचा कोहराम

शाहजहांपुर, अमृत विचार : करनाल में एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी थी। शव गांव में पहुंचने पर परिवार में रोना पीटना मच गया। जैतीपुर थाना क्षेत्र के गांव कीरतपुर निवासी 30 वर्षीय रजनीश कंबाइन लेकर करनाल गया था। 17 फरवरी को करनाल में कंबाइन खराब हो गयी थी। वह कंबाइन ठीक कर रहा था। अचानक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। उसके साथी घायल रजनीश को लेकर अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। चालक ट्रक लेकर भाग गया। परिवार वाले करनाल पहुंचे। उसका शव लेकर यहां आए। परिवार में रोना पीटना मच गया। एक साल पहले उसके पिता धुव्र सिंह की मौत हुई थी। वह अपने पीछे पत्नी सीवा और दो बच्चे छोड़ गया है।

आरोपी का शांति भंग में चालान

शाहजहांपुर, अमृत विचार : थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के मोहल्ला सराय काइयां निवासी रुचि ने मोहल्ले के ही दीपचंद्र पर बच्चों के साथ गाली-गलौज का आरोप लगाते हुए थाने में प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप है कि अगले दिन दीपचंद्र रुचि के घर के बाहर खड़े होकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर हमलावर कर दिया। पुलिस के सामने भी आरोपी अभद्रता करता रहा। इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। पुलिस ने शांति भंग में चालान कर दिया गया है।

पालतू कुत्ते के हमले में युवक घायल

परौर, अमृत विचार : कुंडरी गांव निवासी सचिन कोली शाम करीब छह बजे जरौली गए थे। लौटते समय कुनिया गांव की मेन रोड पर घूम रहे एक कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया। कुत्ते ने उन्हें साइकिल से नीचे गिरा दिया और काटकर घायल कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें बचाया।

रमजान शुरू, इबादत के साथ बाजारों में बढ़ी रौनक

मिठाई, फल, शरबत, मेवा और रसोई के जरूरी सामान की दुकानों पर उमड़ी भीड़, इबादत, सब्र और आत्मसंयम के पवित्र महीना आरंभ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: रहमत, बरकत और मगफिरत का मुबारक महीना रमजान गुरुवार से शुरू हो गया। बुधवार शाम चांद दिखाई देने के बाद मुस्लिम धर्मगुरुओं ने आधिकारिक तौर पर रमजान की घोषणा की। गुरुवार को पहला रोजा रखा गया और इसी के साथ इबादत, सब्र और आत्मसंयम के पवित्र महीना आरंभ हो गया।

पहले रोजे के दिन सुबह तड़के सहरी के लिए घरों में हलचल रही। अजान से पहले रोजेदारों ने सहरी की और फज्र की नमाज अदा की। इसके बाद दिनभर रोजा रखते हुए अल्लाह की इबादत में वक्त गुजारा।

शाम को अजान के साथ खजूर और पानी से रोजा खोला गया और मस्जिदों में इफ्तार के बाद मगरिब की नमाज अदा की गई। रमजान शुरू होते ही शहर के बाजारों में खासा उत्साह नजर आने लगा है। सहरी और इफ्तार की तैयारियों को लेकर मिठाई, फल, खजूर, शरबत, सूखे मेवे और रसोई के जरूरी सामान की दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है। कपड़ों, टोपी, इत्र और सजावटी लाइटों की दुकानों पर भी खरीदारी बढ़ गई है। शहर की प्रमुख मस्जिदों के बाहर इफ्तार से जुड़े सामान की अस्थायी दुकानें सज गई हैं। शाम के समय बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है और देर रात तक खरीदारी का सिलसिला जारी रहता है।

जकात और सदका का महत्व : इस महीने में जकात, फित्रा और सदका देकर जरूरतमंदों की मदद करना विशेष पुण्य का कार्य माना जाता है। लोग गरीबों और जरूरतमंदों तक राशन व अन्य आवश्यक वस्तुएं पहुंचाने की तैयारियां भी कर रहे हैं। कई सामाजिक संगठनों ने भी सामूहिक इफ्तार और राहत वितरण की योजना बनाई है। इस्लामी जानकारों के अनुसार रमजान केवल भूखे-प्यासे रहने का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, आत्मसंयम और सामाजिक भाईचारे को मजबूत करने का अवसर है। यह महीना इंसान को बुराइयों से दूर रहकर नेक रास्ते पर चलने और समाज में प्रेम व सद्भाव बढ़ाने की सीख देता है।

फ्रूट्स शोरूम पर खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

मस्जिदों में तरावीह की रौनक

रमजान को लेकर मस्जिदों की विशेष साफ-सफाई और सजावट की गई है। शहर की जामा मस्जिद, सुनहरी मस्जिद, मीनार मस्जिद, गौटैयाबाग मस्जिद और ईदगाह मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों में तरावीह की नमाज अदा की गई। बड़ी संख्या में अकीदतमंद नमाजियों ने इसमें हिस्सा लिया। मौलाना अनस ने बताया कि रमजान के महीने में रोजेदार सूर्योदय से पहले सहरी करते हैं और सूर्यास्त के बाद इफ्तार के साथ रोजा खोलते हैं। दिनभर खाने-पीने से परहेज करते हुए इंसान सब्र और आत्मसंयम का अभ्यास करता है। उन्होंने कहा कि पांच वक्त की नमाज के साथ तरावीह और तहज्जुद की नमाज का विशेष महत्व है।

सहालग सीजन के साथ त्यौहार पर बाजार में भीड़

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : तीन मार्च को होली का पर्व है। इसके अगले दिन रंगोत्सव मनाया जाएगा। होली के त्यौहार में अब 12 दिन का समय शेष बचा है। वहीं दूसरी ओर 19 फरवरी यानी आज से रमजान शुरू हो गये हैं। इन त्योहारों के नजदीक आने पर बाजार में रौनक बढ़ गई है। लोग खरीदारी करने के लिए बाजार में पहुंच रहे हैं। इस बार पिचकारी से लेकर होली के समान के लिए बाजार में और अधिक रौनक आने की उम्मीद है। ग्राहकों की आमद देख दुकानदार प्रसन्न नजर आ रहे हैं। सहालग सीजन के चलते बाजार में पहले से ही भीड़भाड़ बनी है। अब त्यौहार भी नजदीक हैं। दुकानदारों को अच्छा मुनाफा होने की उम्मीद है। रमजान 19 फरवरी से शुरू हो गये हैं। जिसमें मुस्लिम समाज द्वारा ईद उल फितर मनाया जाएगा। वही हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार होली मनाने की तैयारी में लोग लग गए हैं। नगर के अशोक चैराहा, शिवम चैराहा, विासि चैराहा और प्रमुख बाजार में रंग, गुलाल, पिचकारी, सूतफेनी की दुकानें सज गई है। त्योहारों के निकट आते ही बाजार में और अधिक चहल पहल बढ़ गई है। जिससे व्यापारी वर्ग खुश दिखाई दे रहा है। व्यापारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में बिक्री और बढ़ेगी। सहालग, होली और रमजान के दौरान सबसे अधिक किराना सामानों की खपत होगी। होली त्यौहार को देखते हुए व्यापारियों ने खाद्य सामग्री का स्टाक जुटाना शुरू कर दिया है। व्यापारियों ने बताया कि जैसे जैसे होली त्यौहार नजदीक आएगा, बिक्री में इजाफ़ा होगा।

महिला ने दामाद-पिता को निरुद्ध रखने का लगाया आरोप

तिलहर, अमृत विचार: एक महिला ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अपने दामाद और उसके पिता को स्थानीय पुलिस द्वारा छह दिन से चौकी पर निरुद्ध रखे जाने का आरोप लगाया है। सिंधौली थाना क्षेत्र के तियुलक फार्म निवासी गंगा देवी पत्नी गंगाराम ने पुलिस अधीक्षक को दिए पत्र में आरोप लगाया कि तिलहर थाना क्षेत्र के गांव दियुरिया झाला निवासी उसके दामाद मनोज और उनके पिता दामोदर को कोतवाली क्षेत्र की नगरिया मोड़ चौकी पर बिना कारण रोके रखा गया है। महिला के अनुसार वह कई बार चौकी पर गई, लेकिन दोनों को नहीं छोड़ा गया। उसे आशंका है कि राजनीतिक विद्वेष के चलते उनके खिलाफ कोई झूठा मुकदमा न दर्ज कर दिया जाए। उसने कहा कि दामाद और उसके पिता पर पूर्व में कोई मुकदमा नहीं है और दोनों किसान हैं। उल्लेखनीय है कि 11 फरवरी को कोतवाली क्षेत्र के गांव पिंगरी में नदी किनारे एक अज्ञात शव बरामद हुआ था, जिसकी 13 फरवरी को बलवीर ने अपने पिता सोनपाल के रूप में पहचान की थी। बलवीर की तहरीर पर मनोज, दामोदर तथा एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस ने अफीम के साथ दो लोगों को किया गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 890 ग्राम अफीम, मोबाइल बरामद, ढाबों के पास बेचते थे
- अफीम झारखण्ड से आने वाले व्यक्ति से खरीदी थी

अमृत विचार: रोजा पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से 890 ग्राम अफीम बरामद की है। पुलिस ने दोनों तस्करों का चालान कर दिया।

रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार को गुरुवार की सुबह सूचना मिली कि एक मादक पदार्थ तस्कर रोजा बड़ी फिल्ड में खड़ा है। पुलिस ने उसे घेराबंदी करके पकड़ लिया। पकड़ा गया मादक पदार्थ तस्कर उदयवीर उर्फ बब्लू निवासी करदौला थाना जलालाबाद है। पुलिस ने उसके कब्जे से 415 ग्राम अफीम बरामद की है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि अफीम झारखण्ड से आने वाले व्यक्ति से खरीदी थी। वह ढाबों के आस-पास ट्रक चालकों को अफीम बेच देता है। इधर रोजा पुलिस को दिन में साढ़े 11 बजे सूचना मिली कि बरनई गांव की पुलिया के पास मादक पदाथ तस्कर खड़ा है। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पकड़ा गया अभियुक्त नीरज निवासी नौसारा थाना जलालाबाद है। पुलिस ने उसके कब्जे से 480 ग्राम अफीम, एक मोबाइल और 810 रुपये बरामद किए है। पूछताछ के दौरान बताया कि उसका भाई झारखण्ड से अफीम लेकर आता है।

दोनों भाई ढाबों के आस-पास ट्रक चालकों को बेच देते है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों का चालान कर दिया। टीम में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार उप निरीक्षक शिवम अग्रवाल, अभिषेक आदि स्टाफ शामिल थे।

संदिग्ध हालात में महिला की हुई मौत

संवाददाता परौर/शाहजहांपुर

- मायके वालों ने लगाया मार डालने का आरोप, परिवार वालों ने किया हंगामा

अमृत विचार: पृथ्वीपुर गांव में एक महिला कमरे में कुंडे से साड़ी के फंदे से लटकी हुई मिली। ससुराल वालों ने उसे उतारा और संतनपाल सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज लेकर गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। ससुराल वाले उसका शव छोड़कर भाग गए। मृतका के मायके वालों ने अस्पताल में हंगामा किया और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मायके वालों को समझाकर शांत कराया।

अल्हागंज थाना क्षेत्र के गांव रायपुर निवासी अरविंद ने बताया कि उसनी अपनी बहन 28 वर्षीय रिंकी की शादी करीब पांच साल पहले परौर थाना क्षेत्र के गांव पृथ्वीपुर में सुदेश यादव के साथ हुई थी। उसके पति की तीन माह पूर्व बिजली के करंट से मौत हो गयी थी। गुरुवार की सुबह रिंकी को ससुराल वालों ने साड़ी के फंदे से लटका हुआ देखा।

रिंकी अपने बेटे के साथ।

ससुराल वालों ने उसके गले से फंदा निकाला। ससुराल वाले उसे लेकर मिर्जापुर के संतनपाल सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज लेकर आए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर मृतका के भाई अरविंद को बहन के मरने की खबर मिली।

वह आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज गया। इधर उसके मायके वालों को आते देखकर ससुराल वाले उसका शव छोड़कर भाग गए। परिजनों ने अस्पताल में हंगामा शुरु कर दिया। परौर थाना प्रभारी रामेंद्र कुमार पुलिस फोर्स के साथ अस्पताल में पहुंचे। मृतका के भाई का आरोप है कि उसकी बहन को ससुराल वालों ने मारकर लटका दिया है। आरोप है कि उसके पति की कलेम की धनराशि मृतका के खाते में आनी थी। इसी लिए ससुराल वालों ने गला दबाकर हत्या करके शव को लटका दिया। ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाए।

थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के आश्वासन पर मायके वाले शांत हुए। पुलिस की फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच करके नमूना लिया। मृतका अपने पीछे ढाई साल का बेटा और चार माह का बेटा छोड़ गयी है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। थाना रामेंद्र सिंह ने तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो मामलों पुलिस ने आरोपियों की तलाश में दी दबिश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- संभावी शुक्ला और पिंकी शुक्ला की मौत का मामला, आरोपी शीघ्र होंगे गिरफ्तार

अमृत विचार: चिनौर गांव में शिक्षिका शांभवी शुक्ता और पिंकी शुक्ला की मौत के मामले में सदर बाजार पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों की तलाश में दबिश दी। पुलिस का दावा है कि दोनों मामलों में आरोपी शीघ्र गिरफ्तार होंगे।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के गांव चिनौर निवासी निर्मला देवी ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि छह माह पूर्व उसकी पुत्री शांभवी शुक्ला ने बताया था कि प्रखर वाजपेयी निवासी चौक कोतवाली को जानता हूं। वह उसकी पुत्री से शादी करना चाहता है। वह शादी के सिलसिले में आरोपी के परिवार वालों से मिली थी। आरोपी के परिवार वालों ने कार और पांच लाख रुपये की मांग की थी। उसकी पुत्री का प्रखर वाजपेयी से काफी नजदीक का रिश्तना बन गया था। उसकी पुत्री की आरोपी प्रखर वाजपेयी 12 फरवरी को फोन पर कहासुनी हुई थी। उसकी पुत्री ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने प्रखर वाजपेयी समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी थी। इसी गांव की चिनौर की पिंकी शुक्ला ने पति और उसकेी प्रेमिका से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतका के पिता राधेश्याम निवासी हरदोई ने अपने दामाद दीपक शुक्ला, प्रिया गुप्ता, राजेश शुक्ला, रमेश शुक्ला निवासी चिनौर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि दीपक शुक्ला और उसकी प्रेमिका प्रिया उसकी बेटी को मानसिक रुप से परेशान करते थे। सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि दोनों मामलों में आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। उन्होनें कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे है।

आईटीआई में 22 को लगेगा राहत कैंप

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- लोगों की समस्याओं किया जाएगा समाधान

अमृत विचार: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शहर के राजापुर स्थित आईटीआई कॉलेज राजापुर परिसर में 22 फरवरी को एक बड़ा जनसहायता कैंप लगाया जाएगा, जिसमें समस्याओं का समाधान होगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार कुशवाहा ने प्रेस वार्ता में बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे होगी और शाम 5 बजे तक कैंप जारी रहेगा। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति राजीव सिंह मौजूद रहेंगे। कैंप में स्वास्थ्य विभाग की टीम लोगों की जांच करेगी और जरूरतमंदों को दवाइयों की जानकारी व परामर्श दिया जाएगा। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण जैसे छड़ी और ट्राई साइकिल मुहैया कराई जाएंगी। राशन कार्ड से जुड़े मसले, खाद-बीज, सिंचाई, खाद-उर्वरक और कीटनाशक संबंधी जानकारी भी दी जाएगी।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रदीप कुशवाहा।

साथ ही बैंक से कर्ज, बीमा योजनाएं, इलाज से जुड़े कार्ड, बच्चियों और खवातीन की योजनाएं, पेंशन, जल जीवन मिशन, विकास कार्यक्रम, श्रम विभाग, पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग की सेवाएं भी एक ही छत के नीचे उपलब्ध रहेंगी। निजी स्कूलों में मुफ्त दाखिले से जुड़ी जानकारी भी दी जाएगी। कई विभाग मौके पर प्रमाण पत्र भी जारी करेंगे। करीब 41 विभागों और दस बैंकों की भागीदारी से यह कैंप एक तरह से जनसुनवाई और राहत का बड़ा मंच बनेगा। इस दौरान लॉ कॉरेस्पॉन्डेंट मनीष तिवारी भी मौजूद रहे।

चोरी की दो बाइकें समेत वाहन चोर गिरफ्तार

सिंधौली/शाहजहांपुर, अमृत विचार: सिंधौली थाना प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र सिंह को बुधवार रात 11 बजे पुवायां रोड पर मुड़िया पवार गांव के सामने गश्त कर रहे थे। एक बाइक आती दिखाई दी। युवक बाइक लेकर भागने लगा तो पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने बाइक के कागज मांगे तो नहीं दिखाए। उसने बताया कि बाइक चोरी की है और बेचने की फिराक में है। पकड़ा गया वाहन चोर सोवरन निवासी मुड़िया मिश्र थाना सिंधौली है। उसकी निशान देही पर झाड़ी से एक और बाइक बरामद की। पुलिस ने चेसिस से चेक किया तो बाइक दिल्ली की निकली। दिल्ली के देवेंद्र कुमार की बाइक चोरी हुई थी। उन्होंने अमन बिहार थाना दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वाहन चोर का चालान कर दिया।

गोला में ओबीसी समाज ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर आंदोलन की चेतावनी

अमृत विचार: नगर स्थित पटेल संस्थान के अध्यक्ष राजीव पटेल ने ओबीसी समाज से जुड़े मामले में पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि आरोपी डॉ. पीयूष शुक्ला की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

राजीव पटेल ने बताया कि पांच फरवरी को नगर निवासी डॉ. पीयूष शुक्ला द्वारा सोशल मीडिया पर जारी कुछ वीडियो में ओबीसी समाज के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया, जिससे कुर्मी व अन्य ओबीसी समुदाय में आक्रोश व्याप्त है। आरोप है कि पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री सुरजन लाल वर्मा से फोन पर बातचीत कर उसकी ऑडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल की गई, जिसे लेकर समाज के लोगों ने विरोध दर्ज कराया। पटेल संस्थान व ओबीसी समाज के प्रतिनिधियों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली गोला में साक्ष्यों सहित तहरीर दी थी।

उनका कहना है कि प्रारंभ में मुकदमा दर्ज नहीं किया गया, जिसके बाद समाज के लोग सीओ कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए धरने पर बैठ गए। धरने की सूचना पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर वार्ता की और कोतवाल को नामजद मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। हालांकि समाज के लोगों का आरोप है कि इसमें अनावश्यक विलंब किया गया। राजीव पटेल ने यह भी आरोप लगाया कि क्षेत्राधिकारी और कोतवाल की कार्यशैली निष्पक्ष नहीं है तथा उन्हें तत्काल हटाने की मांग की। उन्होंने आशंका जताई कि कार्रवाई न होने पर समाज के प्रतिनिधियों पर फर्जी मुकदमे दर्ज हो सकते हैं। ओबीसी समाज के नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो सदर चैराहे पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। वहीं पुलिस प्रशासन का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और प्रकरण की जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर-ट्राली से कुचलकर बाइक सवार राजमिस्त्री की मौत

सेहरामऊ दक्षिणी/शाहजहांपुर

अमृत विचार: लखनऊ-पलिया नेशनल हाइवे पर सूरतपुर गांव के सामने ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार व्यक्ति की कुचलकर मौत हो गई। मृतक राजमिस्त्री का काम करता था। वह शहर में अंटा पर दाना मियां की मजार पर आ रहे थे।

हरदोई जिले के थाना शाहाबाद के मोहल्ला गढ़ी चांद निवासी 55 वर्षीय शिव चरन गुरुवार की सुबह सात बजे घर से मोहल्ला अंटा में दाना मिया की मजार पर बाइक से जा रहे थे। लखनऊ-पलिया नेशनल हाईवे पर सूरतपुर गांव के सामने ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार शिव चरन जमीन पर गिर गए। ट्रक के पीछे मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली आ रही थी। ट्रैक्टर-ट्राली शिव चरन के हेलमेट को तोड़ते हुए कुचलते निकल गया। उसकी मौके पर मौत हो गयी।

शिवचरन।

ट्रक चालक और ट्रैक्टर चालक मौके से भाग गए। सूचना पर सेहरामऊ दक्षिणी थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। इधर घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिवार वाले भी पहुंच गए। मृतक शिव चरन की पत्नी मुन्नी देवी, पुत्री रिंकी, ऊषा, मीना आदि का रो-रोकर बुराहाल है। मृतक राजमिस्त्री का काम करता था। उसका हेलमेट टूट गया था। प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार मिश्रा ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इधर हरदोई जिले के थाना मझिला के गांव फत्तेहपुर निवासी पुरुषोत्तम बुधवार की रात साढ़े आठ बजे बाइक से शहर से अपने गांव लौट रहे थे। कस्बा तिराहे पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पुरुषोत्तम घायल हो गए। उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस ने घायल को मेडिकल कालेज भेज दिया।

मौके पर जांच करती सेहरामऊ दक्षिणी पुलिस। ● अमृत विचार

ट्रक से टकराकर बाइक सवार की मौत

अल्हागंज/शाहजहांपुर, अमृत विचार : कोयला ज्ञानपुर में ट्रक बैक करते समय बाइक सवार टकरा गया, जिससे बाइक सवार की मौके पर मौत हो गयी। फर्रुखाबाद जिले के थाना राजेपुर के गांव कुइया निवासी लाल बहादुर ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला सरायकाइया निवासी दिलासा राम की बाइक पर सवार उसका पुत्र शिवम बुधवार की शाम जलालाबाद जा रहा था। हाईवे पर कोयला ज्ञानपुर गांव के सामने चालक ट्रक बैक कर रहा था। बाइक पीछे से ट्रक से टकरा गयी, जिससे उसके पुत्र शिवम की मौत हो गयी। चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। बाइक क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कार में लगी आग, चार लोगों ने कूदकर बचाई जान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- इंजन के पास लगी आग, फर्रुखाबाद जा रहे थे कार सवार

अमृत विचार: याकूब चौराहे पर चलती कार में अचानक आग लग गयी। आग की लपटों को देखकर कार में सवार चार लोग कूदकर अपनी जान बचायी और कार छोड़कर भाग गए। राहगीरों ने मिट्टी आदि डालकर कार के इंजन के पास लगी आग को बुझाया। कार का अगला हिस्सा जल गया।

मीरानपुर कटरा से कार में सवार चार लोग फर्रुखाबाद में एक शादी में शामिल होने के लिए बुधवार की रात साढ़े नौ बजे जा रहे थे। जलालाबाद थाना क्षेत्र में याकूबपुर चौराहे के पास कार पहुंची तो अचानक कार के इंजन से धुआं निकलने लगा। देखते-देखते कार में से आग की लपटे निकलने लगी। कार में सवार चारों लोग घबरा गए और कार को रोक दिया। चारों लोग कार का दरवाजा खोलकर अपनी जान बचाकर भाग गए। इस दौरान लोगों की भीड़ लग गयी। राहगीरों ने कार के ऊपर पानी और मिट्टी आदि डालकर करीब एक घंटे में आग को बुझाया। कार का इंजन का हिस्सा जल गया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह फोन के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लोगों से जानकारी की। आशंका व्यक्ति की जा रही है कि कार के इंजन में शार्ट सर्किट से आग लगी है। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मीरानपुर कटरा से चार लोग कार में सवार होकर फर्रुखाबाद शादी में जा रहे थे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता स्व. कृष्ण वल्लभ मिश्रा की वसीयत की मूल प्रति वास्तव में कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **शशांक मिश्रा पुत्र स्व. कृष्ण वल्लभ मिश्रा निवासी 123, नार्थ सिटी, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चला अभियान

बदायूं, अमृत विचार : एआरटीओ प्रवर्तन व प्रशासन हरिओम और पीटीओ अभिनव कुमार चौधरी ने गुरुवार को चेकिंग अभियान चलाया। टैक्स जमा न करने पर दो माल वाहन बिल्सी और दो बिसौली कोतवाली में खड़े कराए। बिना टैक्स दिए और परमिट शर्तों का उल्लंघन करके दौड़ रही बस को सीज किया गया। इसके अलावा 10 ओवरलोड वाहनों को भी सीज किया। दो स्कूल वाहनों का चालान किया। अभियान में ढाई लाख शुल्क वसूला किया। अभियान के दौरान अधिकारियों ने यातायात नियमों का पालन करने का आह्वान किया।

डा अम्बेडकर जयंती मनाने की तैयारी शुरू

बदायूं, अमृत विचार : डॉ भीम राव अंबेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संविधान निर्माता, भारत रत्न, बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की तीन दिवसीय जयंती मनाएगी। जयंती 13, 14 एवं 15 अप्रैल, को मनाई जाएगी। जिसकी तैयारियां चल रही हैं। जन्मोत्सव समारोह समिति अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों का गठन होगा। गठन के लिए 22 फरवरी को बैठक बोधिसत्व अम्बेडकर बुद्ध विहार में होगी। जानकारी कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. हरिशंकर दिनकर ने दी।

स्कूल जाने के लिए घर से निकली छात्रा लापता

बरेली, अमृत विचार : घर से स्कूल जाने के लिए निकली छात्रा लापता हो गई। परिजनों ने इज्जतनगर पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इज्जतनगर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले के रहने वाले व्यक्ति ने बताया कि उसकी 14 वर्षीय बेटी बुधवार को करीब आठ बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। कुछ देर बाद जब वह स्कूल फीस जमा करने पहुंचा तो पता चला कि उस दिन छात्रा स्कूल ही नहीं आई थी। उसने आसपास कई जगह बेटी को तलाश किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों का आरोप है कि नवाबगंज थाना क्षेत्र के खंजनपुर निवासी सोनू उनकी बेटी को बहलाकर ले गया है। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। किशोरी की तलाश की जा रही है।

ऑनर किलिंग: प्रेम संबंध के चलते बहन की गला दबाकर हत्या

पुलिस को खुद दी हत्या की सूचना, गिरफ्तार

- हत्या के बाद परिवार वाले घर छोड़कर फरार हो गए

कार्यालय संवाददाता, संभल

मौके पर पहुंचे एएसपी उत्तरी कुलदीप सिंह व सीओ कुलदीप कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचार: प्रेम संबंधों से नाराज भाई ने अपनी 19 वर्षीय बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी ने वारदात की सूचना खुद डायल 112 पर दी, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

संभल के असमोली थाना के गांव मताबली पट्टी जग्गू निवासी रूपजहां का गांव के ही हिन्दू युवक से प्रेम संबंध था। वह उससे विवाह करना चाहती थी।

कुछ दिन पूर्व युवक रूपजहां को अमरोहा में अपनी बुआ के घर ले गया था। हालांकि गांव के संभ्रांत लोगों की मदद से परिजन उसे घर ले आए थे। गुरुवार देर रात बहन के प्रेम संबंधों को लेकर गुस्साए बड़े भाई जाने आलम ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने खुद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद अन्य परिजन फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना की सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह व पुलिस क्षेत्राधिकार असमोली कुलदीप कुमार भी मौके पर पहुंचे और जांच की।

अब जब्त निर्माण सामग्री से चमकेंगी शहर की गलियां

बरेली, अमृत विचार : शहर की सड़कों पर अतिक्रमण करके रेत, बजरी, ईंट और गिट्टी का कारोबार करने वालों पर नरमी नहीं बरती जाएगी। नगर आयुक्त का कहना है सड़कें जनता की हैं, किसी के निजी कारोबार के लिए नहीं, इसलिए अभियान के दौरान सड़क किनारे रखी निर्माण सामग्री जब्त की जाएगी। इसका इस्तेमाल निगम के विकास कार्यों जैसे गलियों और नालियों की मरम्मत में किया जाएगा। अतिक्रमण करने वालों से जुर्माना भी वसूला जाएगा और लगातार उल्लंघन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शहर में पीलीभीत बाईपास रोड, मिनी बाईपास रोड, डेलापीर समेत कई प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह फुटपाथ और सरकारी खाली जमीन पर लोग ईंट, रेत और बजरी का कारोबार कर लाखों रुपये की कमाई कर रहे हैं।

दत्तक ग्रहण इकाइयों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के दिए निर्देश

बदायूं, अमृत विचार: जिला निरीक्षण समिति ने दत्तक ग्रहण इकाईयों का गुरुवार को निरीक्षण किया। समिति सदस्यों ने वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रशासन अरुण कुमार ने इकाइयों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने और आने जाने लोगों का ब्योरा रजिस्टर में दर्ज किए जाने के आदेश दिए।

मोहल्ला नेकपुर की गली नं 01 में संचालित स्वैच्छिक संगठन दलित ग्रामीण विकास संस्थान बदायूं द्वारा संचालित विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण इकाई व महिला अस्पताल में संचालित राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण का समिति ने निरीक्षण किया। सचिव अनूप सक्सेना ने बताया कि वर्तमान में संस्था में 07 बच्चे संवासित हैं। वहीं प्रबंधक मन्वयक, राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण ने बताया कि संस्थान में एक बच्चा संवासित है। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए सीसीटीवी कैमरे लगाने और साफ-सफाई, पर विशेष ध्यान दिए जाने का आदेश दिया। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार, प्रमिला गुप्ता, सविता मालपाणी, प्रीती कौशल, रवि कुमार आदि उपस्थित रहे।

जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में हंगामे के आसार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- निर्माण कार्य न होने की वजह से विरोध में हैं जिला पंचायत सदस्य
- 24 फरवरी को प्रस्तावित है बोर्ड की बैठक, सदस्यों के प्रस्ताव हो रहे तैयार

अमृत विचार : जिला पंचायत बोर्ड की बैठक 24 फरवरी को प्रस्तावित है। उक्त बैठक को लेकर विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है जबकि जिला पंचायत सदस्य ने भी मोर्चा खोल दिया है। अधूरे कार्यों को लेकर बैठक में हंगामा होने के आसार हैं। सदस्यों ने कहा कि उनके वार्ड में जनहित के अनेकों कार्य अधूरे हैं उनको लेकर बैठक में बात रखी जाएगी।

जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में एक ओर जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत सदस्य अपनी बात रखेंगे वहीं जिला पंचायत ने अपनी बैठक का एजेंडा तैयार कर लिया है। एजेंडा के अनुसार अधूरे कार्यों पर चर्चा कराने के बाद नए प्रस्ताव लिए जाएंगे। जिस वार्ड में विकास कार्य नहीं हुए हैं या कम हुए हैं उन पर जोर अधिक रहेगा। साथ ही पिछली बोर्ड की बैठक में प्रस्तावित कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जाने पर बात होगी। उसके बाद अगले कार्यों की सूची मांगी जाएगी। जिस वार्ड में शत प्रतिशत कार्य हो चुका है उनसे अगले कार्यों के लिए प्रस्ताव मांगे जाएंगे। वार्ड नौ की सदस्य रजनी सिंह ने बताया कि उनके वार्ड में कई विकास कार्य अधूरे हैं जबकि अनेक कार्य शुरू भी नहीं किए गए हैं। खड़ंजा, नाली और स्ट्रीट लाइट लगाने को उन्होंने प्रस्ताव दिया था जो आज तक पूरे नहीं किए गए हैं। वार्ड के लोग परेशान हैं। उधर कछला क्षेत्र के सदस्य झंडू भैया ने कहा कि बोर्ड की बैठक में इस बार जिला पंचायत की लापरवाही पर चर्चा की जाएगी। बिसौली के क्षेत्र पंचायत सदस्य कुंवर महेंद्र सिंह ने कहा कि तैयारी कर ली गयी है। सदस्य पहले बैठक करेंगे उसके बाद अपनी बात रखेंगे। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि बैठक 24 फरवरी को होगी। जिसमें पुराने कार्यों और नए कार्यों का लेखा जोखा पटल पर रखा जाएगा।

जिला पंचायत को प्रतिवर्ष होने वाली आय और व्यय का लेखा जोखा पटल पर रखा जाएगा। साथ ही ठेकेदारों के भुगतान में होने वाली देरी को लेकर भी सवाल उठना तय हैं। जिला पंचायत का काम करने वाले ठेकेदारों ने भी अंदरखाने अपनी तैयार कर ली है। इस बार सदस्य ही हिस्सा लेंगे। प्रतिनिधि को नहीं आने दिया जाएगा।

तेज रफ्तार टैंकर की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

बरेली, अमृत विचार : तेज रफ्तार टैंकर ने स्कूटी सवार महिला को टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गई। वाहन चालक फरार हो गया। पुलिस ने महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर सीसीटीवी कैमरे की मदद से वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। कैंट थाना क्षेत्र के नकटिया निवासी राजवीर सिंह की बेटी मीना (32) गुरुवार सुबह स्कूटी से शहर की तरफ आ रही थीं।

- गुरुवार सुबह इसाइयों की पुलिया के पास हुआ हादसा
- वाहन चालक फरार, तलाश में जुटी पुलिस

इसाइयों की पुलिया के पास टैंकर ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में मीना गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल भिजवाया।

जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने महिला के परिजनों को हादसे की सूचना दी। सेटेलाइट चौराहा चौकी प्रभारी विनय बहादुर ने बताया कि आरोपी वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

घर में मांस रखने का प्रयास, ताना तमंचा

मुजरिया, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव नैथुआ निवासी रुकसार पत्नी मोहम्मद मियां ने तहरीर देकर बताया कि पड़ोसी पशुओं का कटान करते हैं। 11 फरवरी को उन्होंने घर में जबरन मांस रखने का प्रयास किया। मना करने पर उसके सिर पर तमंचा तान दिया। शोर सुनकर पहुंचे परिजनों को भी पीटा। कानों के सोने के कुंडल, ननद के कान का बुंदा और चांदी की पाजेब लूट ली। महिला ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

फर्जी फर्मों में मुख्य भूमिका निभाने वाले संचालकों की तलाश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : टैक्स चोरी करने वाली 13 फर्जी फर्मों में पर्दे के पीछे काम करने वालों की तलाश अब जीएसटी विभाग ने तेज कर दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन फर्मों का पंजीकरण दूसरों के पैन और आधार कार्ड का दुरुपयोग कर कराया गया था। हैरानी की बात यह है कि फर्मों की रिटर्न फाइलिंग उत्तर प्रदेश से नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और केरल से की जा रही थी, जिससे जांच एजेंसियों को भ्रमित किया जा सके।

अब जीएसटी विभाग ने रिकॉर्ड की पड़ताल शुरू कर दी है। खातों, डिजिटल ट्रांजेक्शन और रजिस्ट्रेशन डेटा को खंगाला जा रहा है, ताकि पर्दे के पीछे भूमिका निभाने वाले वास्तविक संचालकों तक पहुंचा जा सके। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान कई और संदिग्ध फर्में भी सामने आ रही हैं। आरोपियों और संदिग्धों की सूची तैयार कर रहा है। इसके बाद इन सभी के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि फर्जी फर्मों पर कार्रवाई से न सिर्फ राजस्व को होने वाले नुकसान पर अंकुश लगेगा, बल्कि ईमानदार व्यापारियों को भी काफी मदद मिलेगी। फिलहाल विभाग की नजर इस पूरे नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने पर टिकी हुई है।

श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम जगद्गुरु घोषित

कार्यालय संवाददाता, संभल

कल्कि धाम में आचार्य प्रमोद कृष्णम पर पुष्प वर्षा कर स्वागत करते साधु संत।

अमृत विचार: ऐंचोड़ा कंबोह स्थित श्री कल्कि धाम में स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। संतों के प्रस्ताव पर अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने आचार्य प्रमोद कृष्णम को जगद्गुरु घोषित किया।

गुरुवार को प्रातः 10 बजे यज्ञशाला में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ आयोजित हुआ, जिसमें श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पूर्णाहुति दी। आचार्य अखिलेश वशिष्ठ यज्ञ ब्रह्मा रहे। विख्यात गायक प्रेम प्रकाश दूबे ने सुंदरकांड का पाठ किया। इसके बाद कवयित्री अनामिका अंबर ने "राम भक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर" शीर्षक कविता सुनाई। दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का विधिवत शुभारंभ हुआ। दीप प्रज्वलन में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी, आनंद पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद सहित विभिन्न अखाड़ों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने श्री कल्कि धाम निर्माण की यात्रा का वर्णन किया। इसी दौरान स्वामी बालकानंद ने प्रस्ताव रखा कि आचार्य प्रमोद कृष्णम को जगद्गुरु घोषित किया जाए। प्रस्ताव को अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति से विभिन्न अखाड़ों के प्रतिनिधियों ने स्वीकार कर लिया। संत समाज ने चादर ओढ़ाकर आचार्य प्रमोद कृष्णम को जगद्गुरु के रूप में अभिषिक्त किया और पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया। जगद्गुरु घोषित होने के पश्चात आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सभी संतों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री कल्कि धाम को मिला यह समर्थन सनातन समाज की एकजुटता का प्रतीक है।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि वह यहां श्री कल्कि भगवान के भक्त के रूप में आए हैं। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने संतों और अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम में आरएसएस, विहिप और भाजपा के पदाधिकारियों सहित गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और उड़ीसा समेत विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बाढ़ मण्डल लखीमपुर-खीरी

पत्राँकः-715/बा0म0ल0/ई-निविदा/टी-12(पीलीभीत), दिनाँकः 17.02.2026

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांकः-628/बामल/टी-12 (पीलीभीत), दिनांक 11.02.2026 द्वारा ई-निविदा सूचना संख्या-01/अधी0अभि0/2025-26 आमंत्रित की गयी थी, जिसमें आंशिक संशोधन करते हुए उपरोक्त ई-निविदा सूचना संख्या-01/अधी0अभि0/2025-26 के स्थान पर ई-निविदा सूचना संख्या-02/अधी0अभि0/2025-26 पढ़ा जाये।

(अनिल कुमार निरंजन)
अधीक्षण अभियंता

UP - 246447 दिनांकः 18/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय जिला पंचायत, पीलीभीत

पत्रांक : 2019(iv)/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक : 17.02.2026

ई-निविदा शुद्धि पत्र

कार्यालय जिला पंचायत, पीलीभीत की ई-निविदा सूचना संख्या-1996/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक 10.02.2026 द्वारा दिनांक 20.02.2026 तक आमंत्रित ई-निविदाओं को कतिपय कारणोंवश समयवृद्धि करते हुये दिनांक 26.02.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है, जिन्हें दिनांक 19.02.2026 से 26.02.2026 को अपरान्ह 02 बजे तक वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर डाउनलोड कर अपलोड किया जा सकता है, जिन्हें दिनांक 26.02.2026 को ही अपरान्ह 03:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत पीलीभीत में गठित समिति द्वारा ऑनलाइन खोला जायेगा।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, पीलीभीत

समस्त ठेकेदारों/फर्मों को सूचनार्थ।

कार्यालय जिलाधिकारी शाहजहाँपुर

पत्रांकः 1397/डी0एल0आर0सी0/2026 दिनाँकः 17 फरवरी, 2026

विज्ञप्ति /सूचना

''एन्युटी भुगतान हेतु पात्र जनपद की समस्त धार्मिक संस्थाए, जो जनपद के एन्युटी रजिस्टर में दर्ज हो और राजस्व परिषद स्तर से डीबीटी प्रणाली के अन्तर्गत एन्यूटी प्राप्त करना चाहती है वे इस विज्ञप्ति की प्रकाशन की तिथि से अगले 02 सप्ताह के भीतर अपने दावे एवं अद्यतन विवरण (इच्छा पत्र, बैंक खाता विवरण -कैंसिल चैक/पासबुक की प्रमाणित छायाप्रति, संस्था विवरण) जिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में दावा प्रस्तुत न करने की स्थिति में यह मान लिया जायेगा कि संबंधित धार्मिक संस्था एन्युटी लेने की इच्छुक नहीं है, और उसकी सूचना शून्य मानी जायेगी।''

जिलाधिकारी,
शाहजहाँपुर

UP-246616 दिनांक 19.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 930/7निविदा(पी0डी0)(ई-टेण्डर)-08/2025-26 दिनांक 06.02.2026

(स्वीकृति की प्रत्याशा में)

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ के क्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आइटम दरों पर (Item Rate Bids) ई-निविदा दिनांक 21.02.2026 से दिनांक 10.03.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से संबंधित अभिलेख जैसे कि कान्ट्रेक्ट डाटा, प्रपत्र, शर्तें, विशिष्टियॉ, बिल ऑफ क्वान्टिटी आदि एवं बिड की संशोधित/परिशिष्ट शर्तें इत्यादि का भली-भॉति परीक्षण कर लें। निविदा दिनांक 10.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)			विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
	निर्माण लागत	5 वर्षीय अनुरक्षण लागत	कुल लागत			
1	2	3	4	5	6	7
जनपद बदायूँ में दातागंज विधान सभा के अर्न्तगत वित्तीय वर्ष 2025-26 में उसहैत कोरी कलां कटरा अटेना केशव नगला वर्मी नगला रमसी नगला मार्ग के किमी0 1 से 13(900) का चौडीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	2080.00	52.00	2132.00	32.00	2714.00	15 माह

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(नरेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ-पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP - 246472 दिनांकः 18/02/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

बरेली बवाल में असलाह सप्लाई करने वाले दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- उत्तराखंड में हथियार सप्लाई करने जाते समय दबोचे गए अंतर्राज्यीय गिरोह के सदस्य
- पुलिस ने आरोपियों को शेरगढ़ अड्डे से दबोचा, 5 पिस्टल, 2 तमंचे और कारतूस बरामद

अमृत विचार: शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल में अवैध असलाह मुहैया कराने वाले दो आरोपियों को बहेड़ी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी अवैध हथियार उत्तराखंड में सप्लाई करने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से पांच पिस्टल, दो तमंचे समेत भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुए हैं। आरोपियों से पूछताछ करने के बाद पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया।

एसएसपी कार्यालय स्थित अपने आफिस में गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि बहेड़ी पुलिस ने चेकिंग के दौरान जिले और आसपास के जिलों के अलावा सीमावर्ती राज्य उत्तराखंड में अवैध शस्त्रों की सप्लाई करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के 2 सदस्यों को शेरगढ़ अड्डे से गिरफ्तार करके उनके पास से 5 अवैध पिस्टल, 32 बोर के 36 जिंदा कारतूस, 2 अवैध तमंचे, 315 बोर और 12 बोर के कारतूस बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपी सीमावर्ती राज्य उत्तराखंड में अवैध शस्त्रों की सप्लाई करने वाले अन्तर्राजीय गिरोह के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 5 पिस्टल और दो तमंचों के साथ भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया है कि बरेली बवाल में भी आरोपियों ने हथियार सप्लाई किए थे।

-मुकेश चंद्र मिश्रा, एसपी उत्तरी

बहेड़ी थाने के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर इशरत अली के सहयोगी हैं।पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम तसलीम निवासी जोखनपुर थाना बहेड़ी और दूसरे ने अपना सोमू खान उर्फ औशाफ निवासी बरीपुरा थाना शेरगढ़ बताया है। आरोपियों ने बताया कि वह इशरत अली की कार से सीमावर्ती उधमसिंह नगर जिले के थाना किच्छा के गांव दरऊ के प्रधान गफ्फार और समीर को असलाह सप्लाई करने जा रहे थे।

मंदिर पर हक जमाते हुए भिड़े दो पुजारी

विजय नगला, अमृत विचार : थाना बिनावर क्षेत्र के गांव घटबेटी स्थित शिव मंदिर पर हक जमाते हुए दो पुजारी आपस में भिड़ गए। ग्रामीणों ने दोनों को शांत कराया। ग्रामीणों के अनुसार लाइट गिरी लगभग एक साल से मंदिर की देखभाल कर रहे हैं। इससे पहले हरि गिरि मंदिर की देखभाल करते थे। मंदिर की जमीन पर खेती होती है। जिससे पुजारी अपना पोषण करते हैं। साथ ही मंदिर की देखरेख में रुपये लगाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हरि गिरि गलत नीतियों के चलते मंदिर का आश्रम छोड़कर चले गए थे। जिसके बाद लखनऊ के अखाड़े से लाइट गिरि मंदिर पर आए थे।

इससे पहले हरि गिरि मंदिर की देखभाल करते थे। मंदिर की जमीन पर खेती होती है। हरि गिरि आए और अपना हक जमाने लगे और झगड़ा शुरू कर दिया। हरि गिरि ने पुलिस को तहरीर दी है। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि शिव मंदिर के दो पुजारी में विवाद हो गया था। जांच की जा रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरि0 मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर द्वारा आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) पर पंजीकृत संस्थाओ से ई-ऑक्शन के माध्यम से एम.पी.एस. ठेकों एवं वाटर वेंडिंग मशीन हेतु बोलियां आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जा चुका है। इज्जतनगर मंडल की आगामी ई-ऑक्शन का विवरण निम्नवत हैः-

श्रेणी	कैटलॉग सं0	ऑक्शन प्रारम्भ	ऑक्शन समापन
एम.पी.एस.	IZN-MPS-26-02	06.03.26/12:00:00	06.03.26/12:40:00

क्रम	स्टेशन	स्टेशन कोड	श्रेणी	चिन्हित इकाई	प्लेटफार्म सं0
1	लालकुआँ	LKU	B	अनारक्षित	02/03
2	काशीपुर	KPV	B	अनारक्षित	02/03

श्रेणी	कैटलॉग सं0	ऑक्शन प्रारम्भ	ऑक्शन समापन
डब्लयू वी एम	C-54-WVM-26-02	09.03.26/12:00:00	09.03.26/13:00:00

क्रम	स्टेशन	स्टेशन कोड	श्रेणी	प्लेटफार्म सं0	वाटर वेण्डिंग मशीन की संख्या
1	लालकुआँ	LKU	बी	01	01
2	बरेली सिटी	BC	बी	02/03	02
3	हाथरस सिटी	HTC	डी	01	01
4	मथुरा छावनी	MRT	डी	01	01

1. बोलीदाताओ को सलाह दी जाती है कि ई-ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिये रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।
2. उक्त ई-ऑक्शन, आई.आर.ई.पी.एस (IREPS) के ई-ऑक्शन लीजिंग मॉडयूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है।
3. ई-ऑक्शन सम्बन्धित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम एवं शर्तें आदि आई.आर.ई.पी.एस (IREPS) की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
4. बोलीदाता उक्त दिये गये दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई-ऑक्शन में भाग ले सकते है।
5. सभी संभावित बोली दाताओं से अनुरोध है कि ई-ऑक्शन से सम्बन्धित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करते रहें।

मुजाधि/वाणिज्य-267

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर

"ट्रैनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 1246/142सी0(ई0टेण्डर)-3/25 दिनांकः 12.02.2026

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई-निविदा (स्वीकृति की प्रत्याशा में) दिनांक 21.02.2026 से दिनांक 28.02.2026 की अपरान्ह 12:30 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 28.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत			धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
			अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	5 वर्ष अनुरक्षण की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	कुल अनुमानित लागत (4+5) (रू0 लाख में)				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	एल0बी0 मार्ग के किमी0-471 से ददरौल ब्लॉक होते हुये पड़ैचा मोड़ मार्ग (अन्य जिला मार्ग) मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	निर्माण खण्ड-1 लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर	3406.84	85.17	3492.01	50.00	2725.00	12 माह	ए (मार्ग कार्य हेतु)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

UP - 246471 दिनांकः 18/02/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

फैसला न करने पर हत्या की धमकी

उसहैत, अमृत विचार : कस्बा निवासी सुनीता ने शिकायत पत्र देकर बताया कि लगभग डेढ़ साल पहले बच्चों के बीच झगड़ा हो गया था। दूसरे पक्ष के पति-पत्नी, बेटा-बेटी ने लाठी डंडों से नाक तोड़ दी थी। महिला उस समय गर्भवती थी तो पेट में पल रहे बच्चे को भी चोट आई। मारपीट के दौरान उनके सोने कुंडल व लौंग कहीं गिर गई थी। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां प्रसव के दौरान महिला ने मृत बच्चे को जन्म दिया था। महिला की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। उस मामले में आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुए हैं। आरोपी उन्हें फैसला न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

ऋण वितरण शिविर आज, युवा बनेंगे उद्यमी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत जिला उद्योग केंद्र परिसर में शुक्रवार को ऋण वितरण शिविर का आयोजन करते हुए स्टॉल लगाए जाएंगे। जिसमें बैंकों से ऋण प्राप्त कर युवा और व्यापारी अपना व्यवसाय स्थापित करेंगे।

दरअसल, शिविर में कृषि एवं एमएसएमई से संबंधित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं में विशेष कर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत ऋण वितरित किया जाएगा। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उपायुक्त उद्योग विकास यादव, एलडीएम व बैंकर्स के साथ बैठक हुई। जिसमें सभी के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक पात्रों को ऋण वितरण कराए जाने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त उद्योग विकास यादव ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जिला उद्योग केंद्र परिसर में बैंकों से ऋण प्राप्त कर अपना व्यवसाय स्थापित करने वाले पांच लोगों के स्टॉल लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। जिसको गंभीरता से लेते हुए लक्ष्यों के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने समस्त बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिये कि शुक्रवार को आयोजित होने वाले शिविर में निर्धारित लक्ष्यों (सूची संलग्न) के अनुसार लाभार्थियों को ऋण वितरण सुनिश्चित किया जाए।

विधानसभा कार्यवाही

एमएसएमई को इस बार ज्यादा बजट : सचान

विधानसभा में बोलते मंत्री राकेश सचान।

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री राकेश सचान ने विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान एमएसएमई क्षेत्र को उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 में उद्योग, लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन के लिए 3800 करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रस्तावित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक है। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित हैं, जिनसे 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पीएम रोजगार सृजन योजना और स्वरोजगार योजनाओं से हजारों युवा उद्यमी बने हैं। उन्होंने कहा कि ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से कारीगरों को प्रशिक्षण, टूलकिट और वैश्विक बाजार मिला है।

औद्योगिक विकास से जगमगा रहा प्रदेश : नंदी

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी।

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के नौवें दिन औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने सदन में तारांकित प्रश्नों के उत्तर देते हुए प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति का विस्तृत खाका पेश किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में औद्योगिक विकास की रोशनी से पूरा प्रदेश जगमगा रहा है। सरकार ने राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जीता और 2017 से अब तक 15 .99 लाख को रोजगार मिला है। विधायक संदीप सिंह के प्रश्न के उत्तर में मंत्री नन्दी ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर के छह नोडों में से दो बुंदेलखंड, दो मध्यांचल और दो पश्चिमांचल में स्थित हैं। वर्ष 2025-26 तक प्राप्त निवेश प्रस्तावों में 30 .3 प्रतिशत पूर्वांचल, 14 .5 प्रतिशत मध्यांचल, 5 प्रतिशत बुंदेलखंड और 50 .2 प्रतिशत पश्चिमांचल क्षेत्र से जुड़े हैं। विधायक डॉ. वीरेंद्र यादव के प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने रोजगार सृजन की स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि 1 अप्रैल 2017 से 3 फरवरी 2026 तक कारखाना अधिनियम 1948 के अंतर्गत कुल 16,722 कारखाने पंजीकृत हुए हैं, जिनमें 15 लाख 99 हजार 699 कर्मकारों को रोजगार मिला है।

गंगा में क्रूज के प्रदूषण की होगी जांच

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में प्रश्नकाल में ही आशुतोष सिन्हा ने ही वाराणसी में गंगा नदी पर सरकारी व प्राइवेट क्रूज के संचालन मानक संबन्धी सवाल किया, पर्यटन मंत्री के उत्तर से संतुष्ट न होने पर सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने गंगा में किसी भी प्रकार का प्रदूषण न हो इसका कड़ाई से पालन कराये जाने के निर्देश दिये। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है और तथ्यों की अनदेखी कर प्रश्न उठाना उचित नहीं है।

किसानों के मुद्दे पर सपा का वॉकआउट

विधानसभा सत्र में सपा ने लगाया आरोप, विभाग में कृषि विस्तार अधिकारियों के 303 में 273 पद खाली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विधान परिषद में गुरुवार को कृषि विभाग की स्थिति और किसानों की समस्याओं को लेकर तीखी बहस हुई। सपा सदस्य शहनवाज खान ने नियम 105 के तहत मामला उठाते हुए कहा कि विभागीय योजनाएं कागजों तक सीमित हैं, जबकि जमीन पर किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने कहा, कृषि विस्तार अधिकारियों के स्वीकृत 303 पदों में 273 पद रिक्त हैं। ऐसे में विभाग के सुचारु संचालन का दावा वास्तविकता से परे है। सपा सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सदन से वॉकआउट कर दिया।

शून्य प्रहर में सपा सदस्य किरण पाल कश्यप और आशुतोष सिन्हा ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, बल्कि समस्याएं बढ़ी हैं। छुट्टा पशुओं से फसल बचाने के लिए किसान रातभर खेतों की रखवाली कर रहे हैं। कई जिलों में कृषि विस्तार अधिकारी तैनात नहीं हैं और बीटीएम-एटीएम से काम चलाया जा रहा है।

जवाब में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि किसानों के लिए अनेक योजनाएं प्रभावी ढंग से संचालित हैं। उन्होंने गन्ना भुगतान, बिजली बिल माफी और दलहन उत्पादन में वृद्धि के आंकड़े पेश किए। मंत्री के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 25.66 लाख हेक्टेयर में दलहन की बुवाई हुई, जिसे 2025-26 में 30.77 लाख हेक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत उन्नत बीज वितरण पर जोर है और जायद 2026 में 20 हजार क्विंटल उर्द व मूंग के प्रमाणित बीज अनुदान पर वितरित किए जाएंगे।

विधानसभा में विपक्ष के सवालों का जवाब देते मंत्री कपिल देव अग्रवाल, सदन में मौजूद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व अन्य सदस्य। अमृत विचार

सदन में शिक्षकों से संबंधित मुद्दे भी गूंजे

अमृत विचार : नियम 105 के तहत निर्दलीय डॉ. आकाश अग्रवाल ने वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों के मानदेय और 2017 की विशेष प्रोत्साहन राशि के 200 करोड़ रुपये के वितरण का मुद्दा उठाया। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि मानदेय देना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। वहीं शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने सुल्तानपुर के उमारमण इंटर कॉलेज के प्रबंधन और सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में शामिल न किए जाने का मुद्दा उठाया। सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कार्यस्थगन प्रस्ताव अस्वीकार करते हुए मामले सरकार को भेज दिए। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने प्रदीप कुमार, कार्यवाहक प्रधानाचार्य वसी नकवी नेशनल इंटर कालेज, रायबरेली को विगत 43 माह से वेतन भुगतान न किये जाने की सूचना दी। सभापति ने 15 दिन में जांच कराकर समिति को संदर्भित करने के निर्देश दिये।

कौशल विकास विभाग से सीधे सरकारी नौकरी नहीं : मंत्री

अमृत विचार : प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने विधानसभा में स्पष्ट किया कि कौशल विकास विभाग के माध्यम से सीधी सरकारी नौकरी देने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवाओं में नियुक्ति केवल प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही होती है और यह व्यवस्था सभी शैक्षणिक व प्रशिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है।

वित्त मंत्री ने पेश की कैग रिपोर्ट, बोले- निरंतर सरप्लस रेवेन्यू

अमृत विचार, लखनऊ : वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने गुरुवार को विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब निरंतर सरप्लस रेवेन्यू वाला प्रदेश बन चुका है और यह दावा किसी सरकारी आकलन पर नहीं, बल्कि सीएजी की आधिकारिक रिपोर्ट पर आधारित है। वित्त मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश सरकार का रेवेन्यू सरप्लस 33,430 करोड़ रुपये था। इसके बाद यह सरप्लस लगातार बढ़ता गया और वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 59,326 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका अर्थ है कि प्रदेश की आय, उसके व्यय से अधिक रही है। सुरेश खन्ना ने कहा कि केवल एक वित्तीय वर्ष ऐसा रहा, जब प्रदेश घाटे में रहा, शेष सभी वर्षों में रेवेन्यू सरप्लस दर्ज किया गया।

गलगोटिया और एआई रोबोट का उठा मुद्दा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नोएडा की गलगोटिया यूनिवर्सिटी से जुड़े एआई रोबोट कार्यक्रम का मामला भी सदन में उठा। सपा विधायकों ने इस पर चर्चा की मांग की, लेकिन अध्यक्ष सतीश महाना ने इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह कार्यक्रम न तो प्रदेश सरकार का है और न ही यूपी में संचालित हो रहा है, इसलिए चर्चा की आवश्यकता नहीं है।

सड़क भुगतान पर सवाल

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने वाराणसी में 12 लाख की सड़क के लिए 3 करोड़ रुपये से अधिक भुगतान किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 4 लाख की टाइल्स के बदले 34 लाख का भुगतान किया गया। इस पर कृषि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने जवाब देते हुए कहा कि सरकार सदन और क्षेत्र दोनों में अच्छा काम कर रही है। उन्होंने विपक्ष पर अनावश्यक हंगामा करने का आरोप लगाया।

धान खरीद पर आरोप

प्रयागराज के सपा विधायक संदीप पटेल ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जितना चावल बांटती है, उसका 5 प्रतिशत भी यूपी के किसानों से नहीं खरीदती। उन्होंने कहा कि यदि उतनी ही खरीद प्रदेश में हो जाए तो पंजाब-हरियाणा से चावल मंगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

किसानों की खाद किल्लत पर टकराव

बहराइच के सपा विधायक आनंद यादव ने कहा कि उन्हें खुद खाद लेने दूसरे जिले जाना पड़ा। आम किसानों की स्थिति और खराब है, कई जगह खाद की जगह लाठियां मिल रही हैं। इस पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा शासन में किसानों को बीज और खाद तक नहीं मिलती थी और उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया गया था।

सीएजी रिपोर्ट पेश

दोपहर में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश की। उन्होंने दावा किया कि यूपी अब सरप्लस राजस्व वाला प्रदेश बन चुका है और सिर्फ एक साल को छोड़कर बाकी वर्षों में राजस्व में लगातार वृद्धि हुई है।

- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने चर्चा की मांग खारिज की

'आप दबाव में मत खड़े होइए'

सदन में एक मौके पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को खड़े होकर बोलने के दौरान अध्यक्ष सतीश महाना ने टोका और कहा कि आप दबाव में मत खड़े होइए। इस टिप्पणी पर विपक्ष ने आपत्ति जताई और कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया।

मंदिरों में सुरक्षा और व्यवस्थाओं की निगरानी करती है सरकार : केशव मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधान परिषद में सवालों के जवाब में नेता सदन ने कहा- श्रीराम मंदिर अयोध्या में सुगम दर्शन के लिए शुल्क नहीं

अमृत विचार : विधानपरिषद में प्रश्नों का उत्तर देते हुए उप मुख्यमंत्री व नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट किया कि वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर का संचालन मंदिर न्यास परिषद द्वारा किया जाता है और दर्शन शुल्क का निर्णय भी न्यास परिषद ही करता है, जबकि राम मंदिर अयोध्या में दर्शन के लिए कोई शुल्क नहीं है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच काशी में दर्शन के लिए लगभग 10.7 लाख श्रद्धालुओं को दर्शन पर्ची जारी की गई।

विधान परिषद में प्रश्नकाल में सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा ने काशी व अयोध्या में मंदिरों में दर्शनार्थियों से होने वाली आय का सवाल करते हुए मौके पर कटने वाली रसीदों की आय का बंदरबाट होने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं, उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर ट्रस्ट के धन से राज्यपाल के नाम संपत्ति खरीदी जा रही है, जबकि 2016 में मंदिर ट्रस्ट के नियमानुसार सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंदिर ट्रस्ट के नाम संपत्ति खरीदी थी।

जवाब देते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मंदिरों में सरकार केवल सुरक्षा और व्यवस्थाओं की निगरानी करती है। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर बनने के बाद वर्ष 2017 में लगभग 77 लाख श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 17 करोड़ से अधिक हो गई। इनमें विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ी है।

ब्राह्मण समाज और शिखा पर तंज से गरमाया माहौल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा विधायक अतुल प्रधान ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बटुक पूजन पर की टिप्पणी

अमृत विचार : विधानसभा के बजट सत्र के नौवें दिन गुरुवार को राजनीतिक तंज सुनने को मिले। कार्यवाही के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी टिप्पणियों के साथ-साथ हल्के-फुल्के क्षण भी सामने आए, जिससे सदन का माहौल कुछ देर के लिए गरम रहा।

चर्चा के दौरान सपा विधायक अतुल प्रधान ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बटुक पूजन को लेकर टिप्पणी करते हुए ब्राह्मण समाज और शिखा से जुड़ा तंज कसा। इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई, जिससे कुछ समय तक सदन में शोरगुल की स्थिति बनी रही। इसी क्रम में जब मंत्री दिनेश प्रताप सिंह अपने विभाग की ओर से कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख कर रहे थे, तब विपक्ष की ओर से बीच-बीच में जवाबी टिप्पणियां भी की गईं। वहीं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप निर्धारित समय से अधिक देर तक बोलते रहे, जिस पर विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें समय सीमा के पालन की सलाह दी। सदन में उस समय हल्का हास्य भी देखने को मिला, जब सपा विधायक आरके वर्मा द्वारा सवाल स्पष्ट न रख पाने पर विधानसभा अध्यक्ष ने हल्के अंदाज में चुटकी ली, जिस पर सदन में मुस्कान फैल गई।

ऑनलाइन मिलेंगे जाति प्रमाण पत्र

जाति प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया अब और अधिक सरल और पारदर्शी होने जा रही है। राजस्व परिषद इसके लिए नया सॉफ्टवेयर तैयार करा रही है, जिससे ऑनलाइन प्रमाण पत्र घर बैठे मिलेंगे। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने यह जानकारी विधानसभा में दी।

लाउडस्पीकर से एलान की प्रासंगिकता नहीं

सपा विधायक कमाल अख्तर द्वारा रमजान में लाउडस्पीकर की अनुमति को लेकर उठाए गए सवाल पर से संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन में स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर से एलान करने की परम्परा उस समय की है, जब घड़ियों का प्रचलन नहीं था और लोगों को समय की जानकारी देने के लिए इस माध्यम का उपयोग किया जाता था। वर्तमान परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता सीमित हो गई है। मंत्री खन्ना ने कहा कि लाउडस्पीकर के उपयोग को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं, जिनका सख्ती से पालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने लाउडस्पीकर बजाने की समय-सीमा तय की है और किसी भी परिस्थिति में उसके उल्लंघन की अनुमति नहीं है। सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए मंत्री ने कहा कि कानून और न्यायालय के आदेश सभी पर समान रूप से लागू हैं और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जापान और सिंगापुर सिटी के लिए 500-500 एकड़ भूमि प्रस्तावित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यीडा ने शासन को भेजा औपचारिक प्रस्ताव

अमृत विचार: यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने जापान सिटी और सिंगापुर सिटी के विकास को लेकर औपचारिक प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। 18 फरवरी 2026 को जारी पत्र के माध्यम से प्राधिकरण ने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन को अवगत कराया कि प्राधिकरण क्षेत्र में दोनों प्रस्तावित शहरों के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है।

यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि दोनों परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित विस्तृत योजना तैयार कर ली गई है। प्रस्ताव के अनुसार, ग्रेटर नोएडा स्थित सेक्टर-5ए में 500 एकड़ क्षेत्र जापान सिटी के लिए तथा सेक्टर-7 में 500 एकड़ भूमि सिंगापुर सिटी के लिए प्रस्तावित की गई है। दोनों परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है और विकास कार्य ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) मोड पर कराए जाने की योजना है।

बीएलओ नहीं बैठेंगे मतदाता सहायता केंद्रों पर

अमृत विचार: एसआईआर के कार्य में लगे बीएलओ को बड़ी राहत दी गई है। अब वह मतदाता सहायता केन्द्रों पर नहीं बैठेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि अभी तक बीएलओ प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक मतदाता सहायता केन्द्रों पर बैठकर एसआईआर का कार्य कर रहे थे। लेकिन अब केंद्रों पर नहीं बैठेंगे। इस तरह का आदेश प्रदेश के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को जारी कर दिया गया है।

रिश्वत लेते तीन को रंगेहाथ दबोचा

राजस्व निरीक्षक व वरिष्ठ सहायक के साथ एक अन्य गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अयोध्या व मुरादाबाद में एंटी करप्शन की ट्रैप कार्रवाई

अमृत विचार: भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती लगातार बढ़ती जा रही है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की अयोध्या व मुरादाबाद की टीम दो ऑपरेशन में राजस्व निरीक्षक व वरिष्ठ सहायक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन उत्तर प्रदेश की अयोध्या इकाई को अमेठी जनपद के पीपरपुर निवासी बृजेश कुमार सिंह की ओर से शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले समस्त देयकों को निकलवाने के नाम पर अवैध धनराशि की मांग की जा रही है। जांच के बाद इंस्पेक्टर हरि ओम मिश्रा के नेतृत्व में टीम ने गौरीगंज स्थित अधिशासी अभियंता कार्यालय के पास जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान नलकूप खण्ड गौरीगंज, अमेठी में तैनात वरिष्ठ सहायक एहसान अहमद को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी मूलतः सुल्तानपुर का रहने वाला है।

नक्शा दुरुस्तीकरण की रिपोर्ट के नाम पर रिश्वत : उधर, मुरादाबाद यूनिट को सम्भल जनपद के ढंडूमरा निवासी बलवीर द्वारा शिकायत मिली। जिसमें बताया कि नक्शा दुरुस्तीकरण के बाद रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए धनराशि की मांग की जा रही है। जांच के बाद इंस्पेक्टर नवल मारवाह के नेतृत्व में टीम ने तहसील परिसर गुन्नौर के पास ट्रैपिंग की गई। इस दौरान राजस्व निरीक्षक तस्लीम अहमद (तहसील गुन्नौर, सम्भल) और एक निजी व्यक्ति महेन्द्र पाल को 14 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया गया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

आरटीई में आवेदनों की संख्या हुई दुगुनी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) योजना को लेकर अभिभावकों का भरोसा इस वर्ष ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। सत्र 2026-27 के प्रथम चरण में आरटीई के तहत कुल 2,61,501 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि पिछले वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में यह संख्या 1,32,446 थी। इस प्रकार आवेदनों में लगभग 97 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाए गए जनजागरूकता अभियानों के तहत प्रचार-प्रसार और ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के सरलीकरण से बड़ी संख्या में लोग योजना से जुड़े।

रणनीति

मोहन भागवत ने मुख्यमंत्री योगी के बाद केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक से की मुलाकात

संघ प्रमुख से मिले दोनों उप मुख्यमंत्री, सियासी चर्चाएं तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश मंत्रिमंडल समेत संगठन में बदलाव की अटकलें

केशव प्रसाद मौर्य

मोहन भागवत

ब्रजेश पाठक

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार सुबह प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्रियों से भी अलग-अलग मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से हुई इन भेंटों को औपचारिक रूप से शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे आने वाले बड़े सियासी घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है।

संघ प्रमुख ने दोनों उप मुख्यमंत्रियों से गुरुवार सुबह करीब 10-10 मिनट तक बातचीत की। इससे पहले बुधवार रात राजधानी के निराला नगर स्थित संघ कार्यालय परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मोहन भागवत के बीच बंद कमरे में करीब 35 मिनट तक एकांत में बातचीत हुई थी। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार, संगठनात्मक फेरबदल और आगामी रणनीतियों को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं।

संघ प्रमुख का दो दिवसीय लखनऊ प्रवास बुधवार को समाप्त हुआ। हालांकि, इस प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों से अलग-अलग मुलाकातों ने राजनीतिक सरगर्मी को और तेज कर दिया है। सत्तारूढ़ दल के भीतर भी इन मुलाकातों को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि संगठन और सरकार के बीच समन्वय को लेकर अहम संदेश दिए गए होंगे।

2027 के चुनाव में संघ की भूमिका के संकेत

सूत्रों के अनुसार, जिस तरह हाल के महीनों में संघ प्रमुख का फोकस उत्तर प्रदेश पर बढ़ा है और वह लगातार किसी न किसी कार्यक्रम के बहाने प्रदेश आ रहे हैं, उससे साफ संकेत मिलते हैं कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के तानाबाने में संघ परिवार की भूमिका अहम रहने वाली है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राजनीतिक राज्य है और यहां की राजनीति का असर राष्ट्रीय स्तर पर भी पड़ता है। ऐसे में सरकार और संगठन के शीर्ष नेतृत्व के बीच संवाद को 2027 की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

योगी-भागवत की लगातार मुलाकातों की चर्चा

पिछले कुछ समय से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संघ प्रमुख मोहन भागवत की लगातार हो रही मुलाकातें राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। भले ही इन बैठकों को औपचारिक और शिष्टाचार बताया जा रहा हो, लेकिन प्रदेश की राजनीति में संभावित बदलावों के मद्देनजर इन्हें हल्के में नहीं लिया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि सरकार के कामकाज, संगठन की भूमिका और भविष्य की रणनीति को लेकर विचार-विमर्श होना स्वाभाविक है। खासकर तब, जब विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा हो।

बड़े अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करेगा गोरखपुर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखपुर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए इंडियन ऑयल देगा 60 करोड़ रुपये

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रस्तावित गोरखपुर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम 392.94 करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा। इसमें 30 हजार दर्शकों की बैठने की क्षमता होगी। यह बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करने में सक्षम बनेगा। परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया है।

वे गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश सरकार और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के दौरान बोल रहे थे। गोरखपुर में प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड 60 करोड़ रुपये का सहयोग देगा। योगी ने कहा कि स्टेडियम में अत्याधुनिक पिच, प्रैक्टिस एरिया, फ्लडलाइट्स, आधुनिक ड्रेसिंग रूम, मीडिया सेंटर और हाई-एंड स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होगा, जिससे यह बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करने में सक्षम बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर का यह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम केवल एक खेल संरचना नहीं, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

अमृत विचार

शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

महिलाएं नहीं रहीं, तो कहां से लाओगे मां।
–**महाश्वेता देवी**, बांग्ला साहित्यकार

सर्बिया संग एआई सेतु

नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन ने यह अकाट्य रूप से सिद्ध कर दिया है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श के हाशिये पर नहीं, अपितु उसके केंद्र में स्थापित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न यह महासम्मेलन मात्र एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल कूटनीति और तकनीकी संप्रभुता का सशक्त घोषणापत्र है। इस मंच से विश्व को एक स्पष्ट संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केवल नवाचार का उपकरण नहीं रह गई है, बल्कि यह भू-राजनीतिक प्रभुत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा का मेरुदंड बन चुकी है।

सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण आयाम भारत का 'नियमों के अनुपालन' की भूमिका से निकलकर 'नियम-निर्माता' की भूमिका में अवतरित होना है। भारत ने अपने 'डिजिटल पब्लिक गुड्स' मॉडल, जिसमें आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे आधारभूत ढांचे शामिल हैं, को जिस आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया, वह ग्लोबल साउथ के लिए एक आदर्श और व्यवहारिक विकल्प है। यह मॉडल पश्चिमी कॉरपोरेट एकाधिकार और चीनी राज्य-नियंत्रित तंत्र के बीच एक संतुलित, पारदर्शी और लोकतान्त्रिक मार्ग प्रशस्त करता है। कूटनीतिक दृष्टि से, विशेष रूप से सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्ज़ान्दर वूचिच के साथ हुई प्रधानमंत्री की बैठक के निहितार्थ गहरे और दूरगामी हैं। एआई, डिजिटल नवाचार और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में सर्बिया के साथ बनी सहमति को केवल एक सामान्य द्विपक्षीय समझौते के रूप में देखना भूल होगी। वस्तुतः, सर्बिया यूरोप और एशिया के मध्य एक रणनीतिक सेतु है। यह साझेदारी भारतीय तकनीकी उद्यमों के लिए यूरोपीय बाजारों का प्रवेश-द्वार बन सकती है और 'विश्वसनीय एवं उत्तरदायी एआई' के भारतीय दृष्टिकोण को वैश्विक वैधता प्रदान करती है। डेटा संप्रभुता और साइबर सुरक्षा पर दोनों देशों का एकमत होना यह सुनिश्चित करता है कि भविष्य की डिजिटल व्यवस्था बहुध्रुवीय होगी, न कि किसी एक धड़े के अधीन। शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग के माध्यम से भारतीय मेधा को यूरोपीय अनुसंधान नेटवर्क तक पहुंच मिलना 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने की दिशा में एक ठोस कदम है। यह 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियानों को वैश्विक फलक पर विस्तार देने जैसा है। सम्मेलन का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष 'मानव-केंद्रित एआई' पर भारत का नैतिक जोर था। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य एल्गोरिद्म की श्रेष्ठता नहीं, बल्कि समाज के 'अंतिम पायदान' पर खड़े व्यक्ति का सशक्तिकरण होना चाहिए। ध्यातव्य है कि एआई प्रशासन के वैश्विक मानक तय करने में भारत की सक्रियता उसे एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित करती है। यद्यपि डेटा गोपनीयता, 'डीपफेक' और एआई जनित भ्रामक सूचनाएं जैसी जटिल चुनौतियां विद्यमान हैं।

यह एआई शिखर सम्मेलन मात्र एक तकनीकी प्रदर्शनी न होकर भारत के रणनीतिक आत्मविश्वास का प्रदर्शन है। सर्बिया सहित अन्य देशों के साथ हुए समझौते यह संकेत देते हैं कि एआई के इस युगांतरकारी दौर में भारत मूकदर्शक नहीं रहेगा, बल्कि वह तकनीक के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण और वैश्विक कल्याण की दिशा तय करने वाली एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरेगा।

प्रसंगवश

जीवन कौशल शिक्षा और आत्मबल की पाठशाला

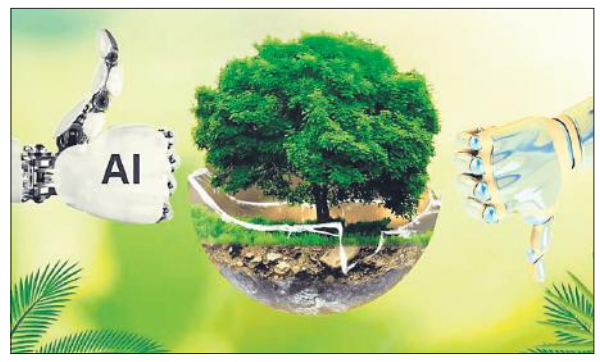

21 वीं सदी केवल तकनीकी विकास की सदी नहीं है, बल्कि यह मनुष्यता के सबसे कठिन इम्तेहानों की भी सदी बन चुकी है। आज हमारे बच्चे मोबाइल, इंटरनेट और सूचना के जंजाल में जी रहे हैं, परंतु भीतर से वे अकेलेपन, असुरक्षा और भय से जूझ रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में लगातार परिवर्तन हुए हैं, पर प्रश्न यह उठता है कि क्या यह शिक्षा बच्चों को जीवन जीने का साहस भी दे रही है? क्या वह उन्हें केवल नौकरी के लिए तैयार कर रही है या जीवन के लिए भी तैयार कर रही है?

शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता। बच्चे गणित, विज्ञान और भाषा तो सीख रहे हैं, लेकिन यदि वे अपने भीतर उठते भावनात्मक तूफ़ानों को समझ ही नहीं पा रहे, तो यह शिक्षा अधूरी है। शिक्षा के साथ जीवन कौशल का समावेश अब कोई वैकल्पिक प्रयोग नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। भारत जैसे देश में, जहां आधी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है, बच्चों और युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य राष्ट्र के भविष्य से सीधे जुड़ा है। यदि आज की पीढ़ी भीतर से टूट रही है, तो कल का भारत कैसे खड़ा होगा?

संध्या राजपुरोहित
शिक्षिका

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों की चुनौतियां अलग हैं, पर अधिक गहरी हैं। नीति आयोग की 2017 की रिपोर्ट बताती है कि अनुसूचित जनजाति समुदाय में विद्यालय छोड़ने की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इसका कारण केवल गरीबी या संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वर्षों से जमी हुई यह सोच भी है कि 'हम पीछे हैं' या 'यह पढ़ाई हमारे लिए नहीं है।' यह आत्म अस्वीकृति ही सबसे खतरनाक है, क्योंकि यह बच्चे की चेतना को भीतर से तोड़ देती है।

शिक्षा मंत्रालय की यूडाइस रिपोर्ट 2021–22 भी यही संकेत देती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रॉपआउट दर शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जब बच्चा स्वयं को शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ा नहीं महसूस करता, तो वह शिक्षा को अपने जीवन का हिस्सा मानना भी छोड़ देता है। ऐसे समय में जीवन कौशल शिक्षा एक प्रकाश स्तंभ की तरह सामने आती है। जीवन कौशल वे क्षमताएं हैं, जो बच्चे को केवल पढ़ा-लिखा नहीं, बल्कि समझदार और संवेदनशील इंसान बनाती है। आत्म-जागरूकता, भावनात्मक संतुलन, संवाद की क्षमता, समस्या समाधान, निर्णय लेने की समझ, सहयोग और सहानुभूति, ये सभी जीवन कौशल बच्चों के भीतर वह ताकत पैदा करते हैं, जिससे वह जीवन की कठिन परिस्थितियों से टूटता नहीं, बल्कि लड़ता है।

यूनिसेफ और यूनेस्को की संयुक्त रिपोर्ट लाइफ स्कि ल एजुकेशन फार यूथ (2019) इस बात की पुष्टि करती है कि जिन विद्यालयों में जीवन कौशल आधारित शिक्षा दी जाती है, वहां बच्चों में तनाव, हिंसा और आत्मघाती प्रवृत्तियां कम होती हैं, तथा आत्मविश्वास, संबंधों की गुणवत्ता और निर्णय क्षमता में सुधार होता है। जीवन कौशल कोई अतिरिक्त विषय नहीं है। यह हर विषय की आत्मा है। गणित सोचने की स्पष्टता देता है, भाषा अभिव्यक्ति की शक्ति देती है, विज्ञान जिज्ञासा का द्वार खोलता है और सामाजिक विज्ञान विवेक का विकास करता है। जब इन सभी विषयों में जीवन कौशल की चेतना जुड़ जाती है, तब शिक्षा केवल जानकारी नहीं देती, बल्कि चेतना जगाती है।

राष्ट्री य शिक्षा नीति 2020 इसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह नीति पहली बार शिक्षा को केवल परीक्षा प्रणाली नहीं, बल्कि मानव निर्माण की प्रक्रिया के रूप में देखती है। इसमें कहा गया है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक दक्षता नहीं, बल्कि नैतिकता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करना भी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एआई: तकनीकी प्रगति या पर्यावरणीय संकट

जयदेव राठी
अधिवक्ता

आज 'एआई' यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शब्द सुनते ही आमतौर पर तकनीकी प्रगति, स्मार्ट सेवाएं और डिजिटल क्रांति की बातें जुड़ी नजर आती हैं। पर सच यह है कि जिस तकनीक को हम भविष्य का पर्यावरण-समर्थक समाधान मानते हैं, वही आज ऊर्जा खपत, पानी की खपत और कार्बन उत्सर्जन के मामले में एक नई समस्या बनकर उभर रही है। एआई की पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी चुनौतीपूर्ण है और अगर हम समय रहते न समझे, तो यह तकनीक हमारे जलवायु लक्ष्यों पर भी गंभीर दबाव डालेगी।

एआई सिस्टम, विशेषकर बड़े भाषा मॉडल और जनरेटिव एआई सिस्टम अत्यधिक कम्प्यूटेशनल पॉवर मांगते हैं। यह कम्प्यूटेशनल पॉवर सीधे बिजली की खपत में बदलती है। वैश्विक स्तर परः अनुमान है कि 2026 तक एआई और डेटा सेंटर्स कुल मिलाकर लगभग 450-500 टेरावाट-घंटे ऊर्जा खपत करते हैं, जो लगभग 2% वैश्विक बिजली खपत के बराबर है। 2030 तक यह 945 टेरावाट-घंटे से अधिक पहुंच सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल के कारण डेटा सेंटर्स की ऊर्जा जरूरत तेजी से बढ़ेगी। अगर एआई का विस्तार इसी रफ्तार से हुआ, तो डेटा सेंटर्स का ऊर्जा उपयोग जापान जैसे देशों की कुल बिजली खपत के स्तर तक पहुंच सकता है। इन आंकड़ों को वास्तविक दुनिया के उदाहरणों से जोड़ा जाए, तो पता चलता है कि आज के एआई वर्कलोड (जैसे मॉडल ट्रेनिंग और इनफरेंस) के लिए जो बिजली चाहिए, वह कुछ देशों की कुल बिजली खपत के बराबर है और यह जरूरत भविष्य में और बड़े पैमाने पर होने वाली है।

> चैट जीपीटी जैसे एआई सिस्टम के हर क्वेरी के लिए 0.32 मिलीलीटर पानी लगता है और इसकी कूलिंग के लिए भी। एआई का उपयोग व्यापक रूप से जारी रखते हैं, तो पानी की खपत बड़ा जल संकट बन सकता है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में पाया गया है कि बड़ी तकनीकी कंपनियों की गैर-प्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन 2020-2023 में 150% तक बढ़ गया, जिसका मुख्य कारण डेटा सेंटर्स का ऊर्जा विस्तार है। डेटा सेंटर्स में सर्वर जब भारी काम करते हैं, तो वे गर्म हो जाते हैं। गर्मी को नियंत्रित करने के लिए कूलिंग सिस्टम इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें काफी मात्रा में पानी की खपत होती है। 2025 में डेटा सेंटर्स की कुल पानी खपत 300 से 700 अरब लीटर के बीच होने का अनुमान है, जो कुछ देशों के सालाना पानी उपयोग के बराबर है। चैट जीपीटी जैसे एआई सिस्टम के हर एक क्वेरी के लिए लगभग 0.32 मिलीलीटर पानी लगता है और इसकी कूलिंग के लिए भी।

यदि हम एआई का उपयोग व्यापक रूप से जारी रखते हैं, तो यह पानी की खपत एक गुप्त मगर बड़ी जल संकट-संबंधित समस्या बन सकती है। खासकर उन इलाकों में, जहां पानी की कमी पहले से ही एक चुनौती है। एआई के बढ़ते उपयोग का सबसे चर्चित असर है कार्बन उत्सर्जन। आंकड़ों के अनुसार, एआई-संपर्की सिस्टमों द्वारा वार्षिक CO उत्सर्जन लगभग 105 मिलियन मीट्रिक टन हो चुका है, जो कि कुछ देशों के उत्सर्जन के बराबर है। कुछ विश्लेषणों के अनुसार, एआई और डाटा सेंटर 2.5% से 3.7% तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का हिस्सा हो सकते हैं, जो तेजी से बढ़ रहा है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि एआई सिर्फ टेक्नोलॉजी सेक्टर की सीमा के भीतर नहीं है। यह वैश्विक जलवायु कार्बन बजट को भी प्रभावित कर रहा है।

एआई मॉडल का प्रशिक्षण, जैसे- बड़े भाषा मॉडल की ट्रेनिंग, खुद ही भारी कार्बन उत्सर्जन उत्पन्न करता है। उदाहरण के लिए, किसी बड़े मॉडल का प्रशिक्षण हजारों टन CO जैसा उत्सर्जन पैदा कर सकता है। एआई के उत्सर्जन पर सिर्फ नकारात्मक विश्लेषण करना ही पर्याप्त नहीं है। कुछ शोध बताते हैं कि अगर एआई का उपयोग बुद्धिमानी से किया जाए, तो यह ऊर्जा दक्षता को भी बढ़ा सकता है। एक पीडब्लूसी अध्ययन का निष्कर्ष है कि एआई का उपयोग अगर पूरे आर्थिक ढांचे में फैलाया जाए, तो 2035 तक कुल ऊर्जा और उत्सर्जन में मामूली कमी भी संभव है। कुछ परिदृश्यों में 0.3%-1.9% तक का कमी। यह अध्ययन दिखाता है कि एआई के नकारात्मक प्रभाव और सकारात्मक अवसर दोनों को संतुलित करना जरूरी है। सिर्फ तकनीक को दोष देना या समाधान मान लेना, दोनों ही अर्ध-सत्य हैं।

भारत डिजिटल विकास और एआई अपनाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश के सामने पहले से ही तीन बड़ी चुनौतियां मौजूद हैं- ऊर्जा दबाव, जल संकट और जलवायु परिवर्तन। यदि एआई का विस्तार बिना पर्यावरणीय संतुलन के किया गया, तो यह जल संकट को गहरा कर सकता है। ऊर्जा आयात पर निर्भरता बढ़ा सकता है और कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों को कमजोर कर सकता है। वहीं दूसरी ओर, यदि एआई को ऊर्जा दक्षता, जल प्रबंधन और स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए सही दिशा में इस्तेमाल किया गया, तो यह भारत के लिए समाधान का हिस्सा भी बन सकता है।

जब तकनीकी कंपनियां सवाल करती हैं कि 'क्या एआई को रोकना चाहिए?' तो जवाब एकदम सरल नहीं है। समस्याएं जटिल हैं और समाधान बहुआयामी उर्जा स्रोत का प्रकृति-निर्देश एआई डेटा सेंटर्स को अगर पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा से चलाया जाए, तो ऊर्जा-जनित कार्बन को काफी घटाया जा सकता है। उन्नत कूलिंग सिस्टम और रिसायक्लिंग तकनीकें पानी की खपत को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकती हैं। वैश्विक क्लाइमेट सम्मेलन जैसे COP30 में भी एआई के पर्यावरण-प्रभावों पर चर्चा हुई है और विशेषज्ञों ने एआई के लिए 'स्थिरता मानकों' की मांग की है।

आज के समय में एआई तकनीक को केवल एक डिजिटल प्रगति का प्रतीक मानना हमारे पर्यावरण के प्रति एक अर्ध-सत्य होगा। वास्तव में, एआई के ऊर्जा, पानी और कार्बन परिदृश्यों में होने वाला विस्तार एक गंभीर समस्या बन चुका है, जो तत्काल नीति-निर्माण, सतत डिजाइन और वैश्विक सहयोग से ही नियंत्रित किया जा सकता है। यदि हम इन तकनीकों को बिना पर्यावरणीय चिंताओं के विकसित होने दें, तो तकनीक कभी हमारे भविष्य को बचाने के बजाय, हमारे स्व-निर्मित संकटों को और तीव्र कर सकती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने

इन लोगों को पहले लगता था कि प्रदेश में भाजपा सरकार नहीं आएगी, तब ये लोग कांग्रेस की ओर भाग गए। जैसे ही भाजपा आई, तो दोबारा बुके लेकर बैठ गए और झंडे लगा लिए। मैंने पहले भी कहा कि वे मतलब की राजनीति से पार्टी में आए हैं और उन्हें अपना स्वार्थ पूरा करना है।

–**सतपाल जांबा**
भाजपा विधायक, हरियाणा

सामने

भाजपा किसी अकेले व्यक्ति की पार्टी नहीं है। विधायक कह रहे हैं कि मेरी पार्टी है, जब पार्टी उनकी हो जाएगी, तब हम पार्टी से इस्तीफा दे देंगे। मुझे पार्टी अच्छी लगी तो मैंने ज्वाइन की। जिस प्रकार विधायक बयान दे रहे हैं, इससे हलके में उनकी छवि गिर रही है। पार्टी ही इस पर संज्ञान लेगी।

–**सतबीर भाना**
भाजपा नेता, हरियाणा

नई रक्षा खरीद से बदलेगा सामरिक संतुलन

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा 114 राफेल लड़ाकू विमानों और 288 एस-400 मिसाइलों की स्वीकृति केवल एक रक्षा खरीद नहीं, बल्कि 21वीं सदी के भारत की सामरिक चेतना का ऐतिहासिक उद्घोष है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा दी गई 'आवश्यकता की स्वीकृति' (एओएन) ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब प्रतिक्रियात्मक सुरक्षा नीति के दायरे से बाहर निकलकर सक्रिय प्रतिरोध और विश्वसनीय निवारण की रणनीति को संस्थागत रूप दे रहा है। लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना स्वतंत्र भारत के इतिहास की सबसे बड़ी रक्षा खरीद बन सकती है। रणनीतिक हलकों में इसे यूं ही 'मदर ऑफ ऑल डिफेंस डील्स' नहीं कहा जा रहा है। यह सौदा वायु-श्रेष्ठता, बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा, औद्योगिक आत्मनिर्भरता और भू-राजनीतिक संतुलन, चारों आयामों को एक साथ सुदृढ़ करता है।

यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब उत्तरी सीमाओं पर सैन्य सक्रियता और पश्चिमी मोर्चे पर निरंतर तनाव भारत के लिए दो-मोर्चीय चुनौती का यथार्थ प्रस्तुत करते हैं। भारतीय वायुसेना की स्वीकृत क्षमता 42 स्क्वाड्रन की है, किंतु वास्तविक संख्या लगभग 29-30 के बीच सिमटी हुई है। पुराने मिग-21 विमानों के चरणबद्ध निष्कासन ने इस अंतर को और स्पष्ट कर दिया है। ऐसे परिदृश्य में 114 नए राफेल विमानों की मंजूरी केवल संख्यात्मक वृद्धि नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन की पुनर्स्थापना है। वर्तमान में 36 राफेल विमान भारतीय वायुसेना में परिचालन कर रहे हैं और उन्होंने उच्च-ऊंचाई अभियानों से लेकर त्वरित प्रतिक्रिया मिशनों तक अपनी प्रभावशीलता सिद्ध की है। नई डील के बाद इनकी संख्या लगभग 150 तक पहुंच सकती है, जिससे पश्चिमी सीमा पर त्वरित प्रहार और उत्तरी मोर्चे पर गहन वायु-श्रेष्ठता एक साथ सुनिश्चित की जा सकेगी।

> रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा 114 राफेल लड़ाकू विमानों और 288 एस–400 मिसाइलों की रक्षा खरीद भारत की सामरिक चेतना का उद्घोष है।

फ्रांस की दसाल्ट एविएशन द्वारा निर्मित राफेल 4.5 पीढ़ी का अत्याधुनिक 'ओम्नी-रोल' लड़ाकू विमान है। इसकी शक्ति केवल गति या हथियार-क्षमता में नहीं, बल्कि बहु-भूमिका दक्षता में निहित है। एक ही मिशन में वायु-श्रेष्ठता स्थापित करना, सटीक जमीनी हमला करना और सामरिक टोही संचालन करना इसकी विशिष्टता है। एईएसए रडार एक साथ अनेक लक्ष्यों को ट्रैक और एंगेज कर सकता है। मेटेओर बीवीआर मिसाइल 150-200 किलोमीटर तक 'बियॉन्ड विजुअल रेंज' में लक्ष्य भेदने की क्षमता देती है, जबकि स्कैल्प क्रूज मिसाइल सुदृढ़ बंकरों और रणनीतिक ठिकानों को सुरक्षित दूरी से नष्ट कर सकती है। स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम राफेल को दुश्मन के रडार और मिसाइलों से बचाने में अभेद्य कवच प्रदान करता है। नेटवर्क-सेंट्रिक युद्ध क्षमता इसे अन्य प्लेटफॉर्म और कमांड सिस्टम से जोड़कर रीयल-टाइम डेटा साझा करने में सक्षम बनाती है। यही कारण है कि राफेल को वास्तविक 'फोर्स मल्टीप्लायर' कहा जाता है, जो संपूर्ण युद्ध-तंत्र की क्षमता को गुणात्मक रूप से बढ़ा देता है।

इस मेगा डील का सबसे दूरदर्शी आयाम इसका औद्योगिक ढांचा है। 114 विमानों में से लगभग 20 फ्रांस से 'फ्लाई-अवे' स्थिति में आएंगे, जबकि शेष 90 से अधिक विमानों का निर्माण भारत में किया जाएगा। इस उत्पादन सहयोग में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की केंद्रीय भूमिका होगी। इसमें 50-60 प्रतिशत तक स्वदेशी सामग्री शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एयरो-स्ट्रक्चर, एवियोनिक्स सब-सिस्टम, वायरिंग हार्नेस, रडार मॉड्यूल और मेंटेनेंस-रिपेयर सुविधाओं का बड़ा हिस्सा देश में ही विकसित होगा। यह केवल तकनीक का आयात नहीं, बल्कि ज्ञान और कौशल का हस्तांतरण भी है। इससे भारतीय एमएसएमई, स्टार्टअप और निजी रक्षा उद्योग को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थान मिलेगा। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा को वास्तविक औद्योगिक आधार यहीं से प्राप्त होगा।

राफेल के साथ-साथ 288 मिसाइलों की खरीद, जो रूस निर्मित एस-400 ट्रायंफ वायु रक्षा प्रणाली के लिए है, भारत की बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा को अभेद्य बनाती है। लगभग 10,000 करोड़ रुपये की इस स्वीकृति में 120 शॉर्ट-रेंज और 168 लॉन्ग-रेंज मिसाइलें शामिल हैं। एस-400 की अधिकतम मारक क्षमता 400 किलोमीटर तक है और यह एक साथ 80 से अधिक लक्ष्यों को ट्रैक कर सकती है। स्टेल्थ लड़ाकू विमान, क्रूज मिसाइल, ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल, इन सभी जटिल खतरों के विरुद्ध यह प्रणाली प्रभावी सुरक्षा कवच प्रदान करती है। आधुनिक युद्ध में आक्रामक शक्ति जितनी आवश्यक है, उतनी ही सुदृढ़ रक्षात्मक संरचना भी अनिवार्य है। राफेल जहां आकाश में वर्चस्व स्थापित करता है, वहीं एस-400 वायु रक्षा प्रणाली उस आकाश को अभेद्य बनाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

कहानी रीयल ठग की

ठग, वह अपराधी हैं, जो लोगों को लूटते थे। 1356 से 1894 ईस्वी तक लगभग 450 वर्षों तक एशिया में सक्रिय रहे। 'ठग' को अंग्रेज़ी में 'Thug' ही कहा जाता है। 'ठग' मूल रूप से अंग्रेज़ी शब्द नहीं है। 19वीं सदी में ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में ठगों के अपराधों और हत्याओं के कारण यह शब्द अंग्रेज़ी भाषा में प्रचलित हुआ।

SHOAIB GAZI
शोएब गाजी
ब्लॉगर

ठग या ठगी इतिहास का सबसे बदनाम और घातक आपराधिक गिरोह था, जो 19वीं सदी के अंत तक राजमार्गों पर यात्रियों को अपना शिकार बनाता रहा। इस शब्द में क्रूरता से जुड़ी एक कहानी छिपी है, जिसकी जड़ें 13वीं–14वीं सदी के भारत से मिलती हैं, जब पेशेवर ठगों ने 'खुशबू' वाला रूमाल सूंघाकर और तरह-तरह के झांसे देकर लोगों को लूटना शुरू किया।

उनका तरीका सरल था। लंबी यात्रा के दौरान यात्रियों से मित्रवत व्यवहार कर उनका विश्वास जीतना और फिर किसी सुनसान जगह पर उनका गला घोंट देना। उनका मुख्य हथियार रूमाल या फंदा होता था, जिससे वे पलभर में अपने शिकार का गला घोंट देते या ज़हर देकर मार डालते। लूटपाट कर लाशों दफना देते।

आश्चर्य की बात यह है कि ठगों के समूह में हिंदू-मुस्लिम का भेद नहीं था। मुस्लिम सदस्य भी भवानी की पूजा और अन्य रस्मों में भाग लेते थे। कुछ विवरणों के अनुसार ठगी उनके लिए केवल पेशा नहीं, बल्कि एक प्रकार का धर्म भी थी। उनका विश्वास था कि उनकी देवी उनके कार्यों से प्रसन्न होती हैं और शुभ संकेत मिलने तक वे किसी अभियान में हिस्सा नहीं लेते थे।

लंबे समय तक ब्रिटिश प्रशासन को इन हत्याओं और लूट की पूरी जानकारी नहीं थी। 1829 तक ये अपराध जारी रहे। William Henry Sleeman को नरबदा क्षेत्र में नियुक्त किया गया। उन्हें 1807 और 1814 की कई हत्याओं की जानकारी मिली। उन्होंने कंपनी को विस्तृत रिपोर्ट भेजी। इसके बाद ठगों के विरुद्ध अभियान शुरू हुआ। ठगी से निपटने के लिए अंग्रेज़ों को एक अलग विभाग बनाना पड़ा, जिसे बाद में खुफिया तंत्र की नींव माना गया।

1826 से 1835 के बीच 1562 लोगों पर मुकदमे चले, जिनमें से 1404 को फांसी या आजीवन कारावास की सज़ा दी गई। कुछ ठगों ने स्वीकार किया कि उन्होंने सैकड़ों लोगों की हत्या की थी। जो सरकारी गवाह बने, उन्हें माफ़ी देकर जबलपुर की विशेष जेल में नजरबंद किया गया और उन्हें कालीन बुनाई जैसे कार्यों में लगाया गया।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बांग्लादेश की नई सरकार में हिंदू मंत्री के मायने

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में तारिक रहमान के रूप में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है कि रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। उनके इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में समूची दुनिया देख रही है। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं के साथ हुई बर्बरता ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू-थू करवाई, बल्कि दशकों से मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया। इसको लेकर दोनों मुल्कों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं कि अगर माहौल ऐसा ही बरकरार रहा, तो रिश्तो की दूरियां घटने वाली नहीं? ऐसी अखरती दुश्वारियों पर गौर करते हुए ही रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू सांसदों को अहम औहदे सौंपे, ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके। भारत ने भी उनके निर्णय को सराहा है।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक

हिंदुओं पर अत्याचार की घटनाओं को तत्काल प्रभाव से रोकने की चुनौती तारिक रहमान के सामने अभी भी खड़ी है, हालांकि इसे रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के अटपटे और संबंध विच्छेद भरे निर्णयों की समीक्षा करेंगे। उनका झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छे से समझते हैं कि जब तक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हर संभव कोशिशें कीं। कुछ उन्होंने कीं और कुछ दूसरे देशों ने करवाईं?

प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारतीय हुकूमत का साथ लेकर और अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक सरकार चलाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती, तो सबसे पहले वह अपने धुरविरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए, उनके आवास पर पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश की। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़कर उनका गर्मजोशी से अपने घर पर स्वागत किया।

इस तरह की खूबसूरत परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है, जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिक कुकर्मों की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे, जिनकी पार्टी चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है, लेकिन बांग्लादेश में दिखी।

रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल-मिठाईयों को ढाका भेजना भी धूमिल संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान के शपथ में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी सुखद और नए संबंधों में नए सिरे से गढ़ने जैसा है। नए रंग में रिश्तों को रंगने की दरकार इसलिए भी महसूस होने लगी है, क्योंकि बांग्लादेश की सत्यानाशी के लिए जिस तरह से चीन-पाकिस्तान मिलकर घेराबंदी कर रहे हैं, जिसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

यात्रा टाइपराइटर के आविष्कार की

मानव सभ्यता के विकास में लेखन का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। हाथ से लिखे दस्तावेज लंबे समय तक संचार और प्रशासन का आधार रहे, किंतु औद्योगिक क्रांति के दौर में जब व्यापार, न्यायालय और सरकारी कार्यों का विस्तार हुआ, तब तेज और स्पष्ट लेखन की आवश्यकता महसूस की जाने लगी। इसी आवश्यकता ने टाइपराइटर के आविष्कार की दिशा में अनेक प्रयासों को जन्म दिया। 18 वीं शताब्दी में इंग्लैंड के हेनरी मिल ने एक "राइटिंग मशीन" का पेटेंट अवश्य कराया, पर उसका कोई ठोस मॉडल सामने नहीं आ पाया। 19 वीं शताब्दी में विभिन्न आविष्कारकों ने प्रयोग किए, परंतु मशीनें जटिल और अव्यावहारिक सिद्ध हुईं। अंततः इस दिशा में निर्णायक सफलता अमेरिकी आविष्कारक क्रिस्टोफर लाथम शोल्स को मिली। उन्होंने 1860 के दशक में अपने साथियों के साथ मिलकर एक ऐसी मशीन विकसित की, जो अक्षरों को यांत्रिक ढंग से कागज पर उकेर सकती थी।

शोल्स के इस आविष्कार को 1874 में व्यावसायिक रूप से उत्पादन का अवसर मिला, जब प्रसिद्ध कंपनी Remington & Sons ने इसे बाजार में उतारा। "Sholes and Glidden Typewriter" के नाम से प्रसिद्ध इस मशीन ने कार्यालयों की कार्यशैली बदल दी। इसी के साथ QWERTY की-बोर्ड लेआउट भी अस्तित्व में आया, जिसे टाइपबार के आपस में फंसने की समस्या से बचने के लिए तैयार किया गया था। यही लेआउट आज भी कंप्यूटर कीबोर्ड पर प्रचलित है।

टाइपराइटर ने न केवल प्रशासनिक कार्यों को गति दी, बल्कि समाज में नई भूमिकाएं भी निर्मित कीं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए टाइपिस्ट के रूप में रोजगार के अवसर खुले। पत्रकारिता, न्यायालय और व्यावसायिक पत्राचार में यह मशीन क्रांतिकारी सिद्ध हुई। 20 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में कंप्यूटर और प्रिंटर के आगमन से टाइपराइटर का उपयोग धीरे-धीरे कम हो गया, किंतु लेखन तकनीक के इतिहास में उसका योगदान अमिट है। यह आविष्कार मानव की उस जिज्ञासा और नवोन्मेष की भावना का प्रतीक है, जिसने साधारण लेखनी को यांत्रिक दक्षता में परिवर्तित कर दिया।

वैज्ञानिक के बारे में

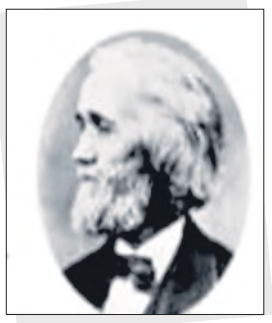

क्रिस्टोफर लाथम शोल्स का जन्म 14 फरवरी 1819 को अमेरिका में हुआ। वे पेशे से पत्रकार, संपादक और राजनीतिज्ञ भी थे। युवावस्था में उन्होंने प्रिंटिंग प्रेस और समाचार-पत्रों से जुड़कर काम किया, जिससे उन्हें लेखन और मुद्रण तकनीक में गहरी रुचि हुई। वे सामाजिक सुधारों के समर्थक थे और दास-प्रथा के विरोध में भी सक्रिय रहे। बाद में उन्होंने यांत्रिक प्रयोगों की ओर ध्यान दिया और टाइपराइटर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोल्स का निधन 17 फरवरी 1890 को हुआ, किंतु उनका आविष्कार आज भी आधुनिक कीबोर्ड के रूप में जीवित है।

भारत के खगोलविद् समझेंगे ब्रह्मांड की गुरुत्व लहरें

कॉम्पैक्ट बाइनरी कोलीसेंस ऑब्जर्व्ड बाय लीगो एंड विर्गो ड्यूरिंग द सेकेंड पार्ट ऑफ द थर्ड ऑब्जर्विंग रन शीर्षक से उपलब्ध एक रिसर्च-रिव्यु रिपोर्ट उस व्यापक परियोजना के बारे में बात करती है, जिससे रेडियो एस्ट्रोनॉमर्स ने सुदूर ब्रह्मांड में ग्रेविटेशनल वेव्स की उपस्थिति के स्रोतों को चिह्नित किया है। ग्रेविटेशनल वेव्स अर्थात गुरुत्व लहरों और इनमें समाई हुई विपुल शक्ति से ब्रह्मांड में नई रचनाओं का जन्म होता है और पुरानी रचनाओं एवं अरबों-खरबों गैलेक्सियों में मौजूद तारों या कहें तो ऑब्जरवेबल स्टार्स के जीवन मरण की घटनाओं के अलावा ब्लैक होल्स की मैपिंग करने के बाद एक कैटेलॉग बनाया गया है। कैटेलॉग, मतलब एक ऐसी बड़ी सूची वाली किताब, जिसमें यह दर्ज किया गया है कि फलां तारा या ब्लैक होल, पृथ्वी से किए गए अवलोकन की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखकर, ब्रह्मांड में किस तरफ और कितना दूर मौजूद हैं और क्या होने की संभावना है, जिसे एक विशिष्ट संख्या और नाम दिया गया है।

मनुष्य की वैज्ञानिक रुचियों का यह एक ऐसा अध्याय है, जिसकी कोई भी व्याख्या विस्मित करने के लिए काफी है। ब्रह्मांड अवलोकन के लिए जो भी साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स अब तक बनाए गए हैं या प्रतावित हैं, उन पर अनेक देशों ने सम्मिलित रूप से इतनी धनराशि खर्च कर दी है, जोकि हमारे अनुमान से आगे निकल जाती है। इन 200 सालों में अन्वेषण की उत्तेजना से ओतप्रोत खगोलविदों ने ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ को कई गुणा बढ़ाया है। एस्ट्रोफिजिक्स में ऐसे आख्यान सेट किये गए हैं, जोकि प्रथम दृष्टया समझ से बाहर हैं, क्योंकि एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स में नियम और गणनाएं और संबद्ध टर्मिनोलॉजी उपलब्ध हैं, उन्हें इस विधा के जानकारों के अलावा अन्य लोग कम ही समझते हैं।

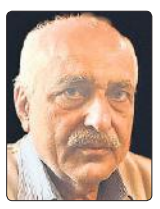

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

उपर्युक्त शीर्षक के अंतर्गत 82 पन्नों में दुनिया के जाने-माने और कम ज्ञात उन 297 संस्थानों ने सहयोग करते हुए, जो लंबा-चौड़ा शोध-समीक्षा पत्र प्रकाशित किया है वह एक व्यापक और दीर्घकालिक सहयोग का नतीजा है। ग्रेविटेशनल वेव्स के सोर्सेज की मैपिंग क्यों जरूरी है और क्यों इस पर कभी भी राजनीतिज्ञों की टिप्पणियां आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं? इसलिए कि ऐसे विषयों के बारे में संबद्ध विभाग और मंत्रालय से जुड़े हुए संस्थानों और फंडिंग एजेंसीज की टेक्निकल और साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटियों या एक देश की संसद की स्थायी समिति में चर्चा होती है और इनकी रिपोर्टिंग कम ही होती है। उपर्युक्त स्टडी में कहा गया है कि इसमें ब्रह्मांड में ग्रेविटेशनल वेव स्रोतों की बहुतायत का खुलासा है, जोकि एडवांस्ड लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्ज़र्वेटरी लीगो और एडवांस्ड विर्गो डिटेक्टरों से किया गया तीसरी बार का कोलैबोरेशन सर्वेक्षण हैं। लीगो-विर्गो द्वारा किए गए सर्वेक्षण की तीसरी पारी के अंत तक खोजे गए ट्रांजिएंट ग्रेविटेशनल वेव सिग्नलों का ही यह रिकॉर्ड है, जोकि तीसरी पारी के दूसरे भाग में दर्ज किए गए सिग्नलों को शामिल करके पिछले सर्वेक्षण का नवीकरण करता है। नवीकरण अध्ययन में 1 नवंबर 2019 से 27 मार्च 2020 तक की अवधि में तीसरी पारी के दौरान का डेटा शामिल है।

ग्रेविटेशनल वेव्स एक एस्ट्रोनॉमिकल टूल है, जिसे इंस्ट्रूमेंट्स डिटेक्टर्स से पकड़ कर ब्रह्मांडीय रचनाओं की स्थिति, इनमें हुए परिवर्तन और व्यवहार पर नजर रखी जाती है और अवलोकन करते हुए डाटा दर्ज किया जाता है। यह भी कि इन व्यवहार परिवर्तनों और ग्रेविटेशनल वेव्स से पृथ्वी और सौर मंडल कैसे प्रभावित होता है। पृथ्वी पर जीवन की रक्षा के उपाय इन्हीं अवलोकनों की व्याख्या से मालूम होते हैं, जिसके लिए व्यापक डाटा का सुपर कंप्यूटर से एनालिसिस किया जाता है। इससे हमें मालूम होता रहता है कि सुदूर ब्रह्मांड से आने वाली ग्रेविटेशनल लहरों की शक्ति से पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर पर क्या प्रभाव पड़ा है। अस्तित्व हेतु इसमें आने वाले सूक्ष्म परिवर्तन पृथ्वी के मौसम की विशाल मशीनरी को प्रभावित करते हैं, जिस पर जीवन टिका हुआ है।

लीगो वेधशालाओं की स्थापना

लीगो से पहले ब्रह्मांड के बारे में हमारे पास जो भी, जैसा भी डाटा था वह प्रकाश और इलेक्ट्रो मैग्नेटिक तरंगों को ऑप्टिकल एवं रेडियो टेलेस्कोप्स के प्रयोग से रिकॉर्ड किया जाता था। लीगो ऑब्जर्वेटरीज की स्थापना के बाद से एक अतिरिक्त और बेहतर टूल खगोल भौतिकिविदों को हासिल हुआ है। लीगो वेधशालाओं की स्थापना होने के बाद सन् 2002 में इन्होंने काम करना शुरू किया था। सन् 2015 में लीगो को उन्नत किया गया तभी बहुत सा नया डाटा मिला। ग्रेविटेशनल वेव्स की मौजूदगी की अवधारणा सबसे पहले अल्बर्ट आइंस्टीन ने स्पेशल थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी में प्रकट की थी। क्या ग्रेविटेशनल वेव्स वास्तव में उपस्थित हैं, यह मालूम करने के लिए सन् 1960 में अमेरिकी और सोवियत युग के वैज्ञानिकों ने चिंतन करते हुए इन्हें पकड़ने के लिए सैद्धांतिक कार्य शुरू किया और कहा कि ये मौजूद हैं और इनके दर्ज करना भी संभव है, बशर्ते विशिष्ट प्रकार के इंस्ट्रूमेंट्स का निर्माण कर लिया जाए।

इंटरफेरोमीटर का निर्माण

प्रोटोटाइप इंटरफेरोमेट्रिक ग्रेविटेशनल वेव डिटेक्टर इंटरफेरोमीटर, 1960 के दशक के आखिर में रॉबर्ट एल फॉरवर्ड और ह्यूजेस रिसर्च लेबोरेटरीज में उनके साथियों ने बनाए थे, जिनमें शीशे, फ्री स्विंगिंग के बजाय, वाइब्रेशन आइसोलेटेड प्लेट पर लगे थे। सन् 1970 के दशक में मैसाच्यूसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एमआईटी, कैलिफोर्निया, यूएस में वीस ने, जो इंस्ट्रूमेंट बना उसमें फ्री स्विंगिंग शीशे थे, जिनके बीच लाइट कई बार टकराती थी। बाद में जर्मनी में हैंज बिलिंग और उनके साथियों ने और फिर ग्लासगो, स्कॉटलैंड में रोनाल्ड ड्रेवर, जेम्स हॉफ और उनके साथियों ने भी अपने तरीके से ग्रेविटेशनल वेव्स को दर्ज करने के लिए यंत्र प्रणालियों का निर्माण किया था। काम जारी रहा और सन् 1980 में, यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन ने एमआईटी के पॉल लिंसय, पीटर सॉल्सन, रेनर वीस के नेतृत्व में एक बड़े इंटरफेरोमीटर के निर्माण और अध्ययन करने के लिए फंड दिया। फिर कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कैलटेक के रोनाल्ड ड्रेवर और स्टैन व्हिटकॉम्बने 40 मीटर का एक प्रोटोटाइप बनाया, लेकिन दूसरी ओर एमआईटी ने पर्याप्त सेंसिटिविटी के साथ 1 किलोमीटर स्केल पर इंटरफेरोमीटर बनाने की संभावना साबित की, जिसमें बहुत से डिश-टाइप ऐंटेना जमीन पर लगाकर इन्हें आपस में जोड़ा जाना शामिल था।

रिसर्च और डेवलपमेंट

(एमआईटी) और कैलटेक के वैज्ञानिकों ने जब गुरुत्वाकर्षण तरंगों की खोज के महत्व को समझा, तब उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी की। ड्रेवर, किप थॉर्न और रोनाल्ड वीस के नेतृत्व में एक स्टीयरिंग कमेटी गठित की गई, जिसने 1986 तक परियोजना की दिशा तय की। बाद में अमेरिकी सरकार ने संरचना में बदलाव करते हुए कैलटेक के रोचस ई. वाउट को निदेशक नियुक्त किया। 1988 में प्रारंभिक चरण पूरा होने के बाद अनुसंधान एवं विकास के विस्तार हेतु नए प्रस्ताव को स्वीकृति मिली, किंतु 1989 से 1994 के बीच परियोजना तकनीकी और संगठनात्मक चुनौतियों से जूझती रही। नियमित फंडिंग के प्रस्ताव बार-बार अस्वीकृत होते रहे। अंततः 1991 में अमेरिकी कांग्रेस ने पहले वर्ष के लिए 23 मिलियन डॉलर की राशि स्वीकृत की। 1992 में परियोजना का पुनर्गठन किया गया और इसे एक उन्नत "इवोल्यूशनरी डिटेक्टर" के रूप में विकसित करने की योजना बनी, जो गुरुत्वाकर्षण तरंगों का सूक्ष्मतम स्तर पर पता लगा सके। 1994 में नेशनल साइंस फाउंडेशन ने 395 मिलियन डॉलर की ऐतिहासिक फंडिंग दी, जो उस समय की सबसे बड़ी वैज्ञानिक सहायता थी। उसी वर्ष वाशिंगटन के हैनफोर्ड और 1995 में लुइसियाना के लिविंगस्टन में निर्माण कार्य शुरू हुआ। 1997 तक निर्माण पूरा होने की दिशा में बढ़ते हुए दो संस्थाएं स्थापित की गईं—लीगो लेबोरेटरी और लीगो साइंटिफिक कोलैबोरेशन—जिनका उद्देश्य तकनीकी और वैज्ञानिक शोध को सुव्यवस्थित करना था।

भारत ने भी लीगो-इंडिया परियोजना के माध्यम से इस वैश्विक प्रयास में भागीदारी की। इसका लक्ष्य अमेरिका और इटली की प्रयोगशालाओं के सहयोग से भारत में एक अत्याधुनिक गुरुत्वाकर्षण तरंग वेधशाला स्थापित करना है। फरवरी 2016 में इसे सैद्धांतिक मंजूरी मिली और महाराष्ट्र में उपयुक्त स्थल का चयन हुआ। अप्रैल 2023 में भारत सरकार ने 2,600 करोड़ रुपये के बजट को स्वीकृति दी। परियोजना के 2030 तक पूर्ण होने की उम्मीद है। लीगो-इंडिया में चार किलोमीटर लंबे दो वैक्यूम चैंबर होंगे, जो अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों से सुसज्जित रहेंगे। यह वेधशाला वैश्विक नेटवर्क का अहम हिस्सा बनेगी और गुरुत्वाकर्षण तरंग खगोल विज्ञान में भारत की भूमिका को सशक्त करेगी। वैज्ञानिकों को विश्वास है कि गुरुत्व लहरों का अध्ययन ब्रह्मांड में पदार्थ की उत्पत्ति और विकास संबंधी हमारी समझ को नई दिशा देगा।

वाइल्ड लाइफ

साइगा मृग : अनोखे रूप वाला जीव

साइगा मृग, सामान्य मृग और चींटीखोर का अनोखा मिश्रण है। यह दुर्लभ प्रजाति मुख्यतः मध्य एशिया और दक्षिण-पूर्वी यूरोप के विस्तृत घास के मैदानों में पाई जाती है। साइगा मृग प्रायः 30 से 40 सदस्यों के झुंड में रहते हैं और तेज गति से लंबी दूरी तय करने के लिए जाने जाते हैं। दुर्भाग्यवश, अनियंत्रित शिकार और अवैध व्यापार के कारण इनकी आबादी पिछले कई दशकों से लगातार घटती जा रही है। स्थानीय समुदायों द्वारा इनके मांस का उपयोग भोजन के रूप में किया जाता है, जबकि नर साइगा के सींगों का इस्तेमाल पारंपरिक चीनी औषधि में होने के कारण इनका शिकार और भी बढ़ गया है। यही कारण है कि आज साइगा मृग दुनिया के सबसे संकटग्रस्त स्तनधारियों में गिने जाते हैं। साइगा मृग के शरीर पर दालचीनी रंग के घने और मुलायम बाल होते हैं, जो मौसम के अनुसार बदलते रहते हैं। इसकी सबसे विशिष्ट पहचान इसकी बड़ी, लचीली और नीचे की ओर झुकी हुई नाक है, जो पूरे चेहरे को ढकती हुई प्रतीत होती है। यह नाक केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि एक अत्यंत उपयोगी जैविक संरचना है। गर्मियों में यह हवा में उड़ने वाली धूल और रेत को फेफड़ों में जाने से रोकती है, जबकि कठोर सर्दियों में अत्यधिक ठंडी हवा को फेफड़ों तक पहुंचने से पहले गर्म कर देती है। शिकार का सबसे गहरा असर इनके लैंगिक अनुपात पर पड़ा है। चूंकि केवल नर साइगा मृग के ही सींग होते हैं, इसलिए शिकारी मुख्य रूप से नर को ही निशाना बनाते हैं। परिणामस्वरूप, कई क्षेत्रों में मादा साइगा की संख्या असामान्य रूप से अधिक हो गई है, जिससे प्रजनन चक्र और पूरी आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। साइगा मृग न केवल जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि घास के मैदानों के पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इनका संरक्षण वास्तव में पूरे स्टेपी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण से जुड़ा हुआ है।

वैज्ञानिक फैक्ट

भारहीन नहीं, फिर भी तैरते हैं बादल

बचपन में अक्सर हम यह सोचते हैं कि बादल रूई की तरह हल्के होते होंगे, इतने हल्के कि उन पर चला भी जा सके, लेकिन विज्ञान इस कल्पना को पूरी तरह बदल देता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक संस्था United States Geological Survey (USGS) के अनुसार, एक औसत क्यूमुलस बादल का वजन लगभग दस लाख पाउंड तक हो सकता है। यह वजन माल और यात्रियों से भरे एक विशाल बोइंग 747 विमान से भी अधिक है। सवाल यह है कि यदि बादल इतने भारी हैं, तो वे आकाश में तैरते कैसे रहते हैं? इस रहस्य की कुंजी है, घनत्व (Density)। किसी वस्तु का तैरना केवल उसके वजन पर निर्भर नहीं करता, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि वह जिस माध्यम में है, उसके मुकाबले उसका घनत्व कितना है। बादल दरअसल हवा में तैरती अरबों सूक्ष्म जल-बूंदों और बर्फ के कणों से बने होते हैं। ये कण मिलकर भारी जरूर हो जाते हैं, लेकिन जिस हवा में वे मौजूद होते हैं, उसके मुकाबले उनका औसत घनत्व कम होता है।

बादलों के बनने की प्रक्रिया भी इसे समझने में मदद करती है। जब धरती की सतह से गर्म, नम हवा ऊपर उठती है, तो वह फैलती है और ठंडी होने लगती है। ठंडा होने पर उसमें मौजूद जलवाष्प संघनित होकर छोटी-छोटी बूंदों का रूप ले लेती है, यही बादल हैं। यह नम हवा आसपास की शुष्क हवा की तुलना में हल्की होती है, इसलिए ऊपर उठी रहती है। यही कारण है कि बादल आकाश में स्थिर या धीरे-धीरे बहते दिखाई देते हैं। इसके अलावा, हवा में लगातार चलने वाली ऊर्ध्वाधर धाराएं (Updrafts) भी बादलों को थामे रखती हैं। ये ऊपर की ओर उठती हवाएं जल-बूंदों को गिरने नहीं देतीं। जब बूंदें बहुत बड़ी और भारी हो जाती हैं, तब गुरुत्वाकर्षण हावी हो जाता है और वे वर्षा के रूप में धरती पर गिरती हैं। इस तरह, बादल न तो जादू से तैरते हैं और न ही वास्तव में भारहीन होते हैं। वे घनत्व, तापमान, नमी और वायु-गतिकी के संतुलन का सुंदर उदाहरण हैं। विज्ञान हमें सिखाता है कि जो दिखने में हल्का और सरल लगता है, उसके पीछे अक्सर अत्यंत गहरी और रोचक प्रक्रियाएं काम कर रही होती हैं।

दृष्टि से बुद्धि तक चश्मे का नया युग

कभी आंखें सिर्फ दृश्य पकड़ती थीं, अब वे डेटा, कमांड और सूचना की परतें पढ़ने लगी हैं। Smart Glasses इस बदलाव की मिसाल हैं। यह सिर्फ चश्मे नहीं, आंखों के सामने रखे मिनी-कंप्यूटर हैं- कैमरा, माइक, स्पीकर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस, लेकिन यह कहानी केवल आज की नहीं है, इसकी शुरुआत उस दौर से हुई थी, जब इंसान ने पहली बार दुनिया को साफ देखने का सपना देखा। तेरहवीं सदी के इटली में जब शिल्पकारों ने दो छोटे लेंसों को धातु के घेरे में जड़ा, तब वह करुणा और विज्ञान का संगम था। इंसान अब किताब को बिना धुंध के पढ़ सकता था, स्पष्ट देख सकता था। यह केवल दृष्टि का आविष्कार नहीं था, बल्कि सभ्यता का आत्मविस्तार था। धीरे-धीरे वही साधारण यंत्र पहचान और फैशन का प्रतीक बना। बीसवीं सदी में प्लास्टिक लेंस, हल्के फ्रेम और पोलराइज्ड तकनीक ने इसे हर वर्ग का साथी बना दिया। फिर तकनीक ने इस 'दृष्टि' में 'बुद्धि' जोड़नी शुरू की।

स्टाइल, सुविधा और स्मार्टनेस का संगम- 2013 में गूगल ने Google Glass पेश किया। दुनिया का पहला बड़ा wearable computer, जो आंखों के जरिए सूचना दिखाता था। यह प्रयोग अपने समय से आगे था, लेकिन समाज तैयार नहीं था। निजता, सुरक्षा और असहजता के प्रश्नों ने इसे रोक दिया। यह असफलता नहीं, चेतावनी थी कि तकनीक जितनी मनुष्य के करीब आती है, उतनी ही जिम्मेदारी भी मांगती है। इसके बाद 2016 में Snapchat Spectacles आए। लक्ष्य था, जीवन के पलों को बिना हाथों के रिकॉर्ड करना। तकनीक हल्की थी, पर सोच अब भी कैमरे के इर्द-गिर्द घूम रही थी। कुछ वर्ष बाद Amazon Echo Frames (2019-2020) ने बिना स्क्रीन के केवल आवाज से संवाद की क्षमता दी। Alexa की आवाज सीधे कान तक पहुंचने लगी। अब Meta ने Ray-Ban के साथ मिलकर इन सब प्रयोगों को परिपक्व रूप दिया है। ऐसा उपकरण जो स्टाइल, सुविधा और स्मार्टनेस तीनों को साथ लेकर चलता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

नवाचार की प्रयोगशाला बन सकता है भारत- अब इस दौड़ में भारत भी उतर चुका है। Lenskart ने फरवरी 2025 में Phonic Smart Glass लॉन्च किया। बेसिक ऑडियो सुविधाओं के साथ। अब मीडिया रिपोर्टों की मानें तो मार्च 2026 में वह B by Lenskart नाम से अपने एआई-संचालित ग्लास उतारने की तैयारी में है, जिसमें Gemini 2.5 AI, रीयल-टाइम अनुवाद, UPI भुगतान और स्वास्थ्य मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं होंगी। यह कदम भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि तकनीक निर्माता की भूमिका में रखता है। कुछ समय पहले ही Meta ने भारत में Ray-Ban Meta Smart Glasses लॉन्च किए, जो Meta AI Integration और real-time translation जैसी क्षमताओं से लैस हैं। भारत, जो पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े wearable markets में से एक है, अब इस नवाचार की प्रयोगशाला भी बन सकता है।

कानून को भी होना होगा चौकन्ना

तकनीक की गंभीरता जुलाई 2025 में Meta के उस कदम से भी समझी जा सकती है, जब उसने Essilor Luxottica में 3.5 बिलियन रुपये की लागत से 3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। सितंबर 2025 में कंपनी ने Ray-Ban Display Glasses की घोषणा की, जिनमें AR Display और Neural Wristband जैसी अत्याधुनिक तकनीकें हैं। यह स्मार्ट ग्लास विकास की एक निर्णायक छलांग है। यह तेजी जितनी रोमांचक है, उतनी ही सावधानी भी मांगती है। सबसे बड़ी चुनौती है, निजता की रक्षा। जब हर चश्मे में कैमरा और माइक्रोफोन होंगे, तब यह तय करना कठिन होगा कि कौन-सा पल सार्वजनिक है और कौन-सा निजी। यूरोप और अमेरिका में इस पर पहले ही कानूनी बहस शुरू हो चुकी है। भारत में भी डेटा संरक्षण कानून को अब इन नए उपकरणों तक विस्तार देना होगा। तकनीक जब आंखों पर चढ़ती है, तो कानून को भी उतना ही चौकन्ना होना पड़ता है।

दृष्टिहीनों के लिए बन सकता आंख

दूसरा प्रश्न सामाजिक व्यवहार का है। स्मार्टफोन ने हमें 'देखते हुए अनुपस्थित' बना दिया, लोग साथ होते हुए भी स्क्रीन में गुम रहते हैं। अब जब सूचना की परत आंखों के सामने ही होगी, तो हमारी नजर में कितनी मानवीयता बचेगी? क्या हम दृश्य देखेंगे या उसका विश्लेषण? क्या हम सामने वाले व्यक्ति को देखेंगे या उसके बारे में डेटा? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानवीय भी है। फिर भी, इस तकनीक के लाभ गहरे और वास्तविक हैं। दृष्टिहीनों के लिए यह उपकरण आंख बन सकता है, जो सामने के दृश्य को आवाज में बदल दे। डॉक्टर सर्जरी के दौरान रीयल-टाइम डेटा देख सकेंगे, इंजीनियर और पायलट अपने सामने निर्देश पा सकेंगे, शिक्षक प्रयोगशाला में छात्रों को वर्चुअल डेमो दिखा सकेंगे। यह परिवर्तन सुविधा का नहीं, कार्य-संस्कृति का विकास है।

बाजार इस भविष्य को पहचान चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार 2024 में Smart Glasses Market लगभग $1.9 बिलियन का था और 2030 तक इसके चार गुना होने का अनुमान है। Essilor Luxottica ने 2025 की तीसरी तिमाही में वियरेबल्स में "exponential growth" दर्ज की है। Meta-Ray-Ban ने अपने पहले ही वर्ष में 10 लाख से अधिक यूनिट्स बेचे हैं। Xiaomi और Bose जैसी कंपनियां भी इस क्षेत्र में निवेश बढ़ा रही हैं। यह केवल प्रयोग नहीं, बल्कि नया उपभोक्ता-अर्थशास्त्र बन चुका है। भारत के लिए यह दोहरी भूमिका का समय है, निर्माण और नियमन दोनों में अग्रणी बनने का। यदि देश Made-in-India Smart Glasses को वैश्विक मंच पर उतारता है और साथ ही नागरिकों की निजता के लिए स्पष्ट नियम बनाता है, तो यह न केवल प्रौद्योगिकी, बल्कि नीति-निर्माण में भी नेतृत्व का उदाहरण होगा। अंत में, वही पुराना मगर जरूरी प्रश्न, क्या इंसान इस सुविधा के साथ अपनी संवेदना भी बचा पाएगा? बिजली ने रोशनी दी, पर नींद छीनी, इंटरनेट ने संवाद बढ़ाया, पर मौन कम कर दिया। अब स्मार्ट ग्लासेस हमारे सामने वही परीक्षा रख रहे हैं। वे हमें देखने में मदद करेंगे, पर यह हम पर है कि हम क्या देखना चाहते हैं। दृश्य या उसकी व्याख्या। भविष्य अब सचमुच आंखों के सामने है। तकनीक ने दृष्टि को बुद्धि में बदला है, पर बुद्धि तभी सार्थक है, जब उसमें विवेक जुड़ा हो। स्मार्ट ग्लासेस केवल अगली तकनीकी छलांग नहीं, बल्कि मानव दृष्टिकोण का विस्तार हैं। यह उस यात्रा का नया अध्याय है, जो तेरहवीं सदी के कांच से शुरू होकर इक्कीसवीं सदी की कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पहुंची है। चश्मे स्मार्ट हो गए हैं, अब जरूरत है कि देखने वाले भी उतने ही समझदार हों।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,498.14	25,454.35
गिरावट	1,236.11	365
प्रतिशत में	1.48	1.41

सोना 1,58,650 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,64,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1880, फ़ॉर्चून कि. 2390, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13 किग्रा 2110, जय जवान 2080, सचिन 2090, सूरज 2080, अवसर 1940, उजाला 2060, गृहणी 13 किग्रा 1945, क्लासिक (किग्रा) 2280, मोर 2275, चक्र टिन 2330, ब्लू 2185, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2520

किराना : महाराष्ट्र हल्दी 17300, जीरा 28000, लाल मिर्च 19000-21000, धनिया 11000-12000, अजवाईन 14000-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 10000-20000, सोंठ 37000, **प्रति किलो :** लौंग 850-1000, बादाम 800-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 350-400, मखाना 950-1100

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी : पीलीभीत 4430, बहेड़ी 4270

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3400, मसूरी 1200, बासमती 8000-9400, परमल 2000-4200

दाल दलहन : काला चना 2100-3000, साबुत चना दाल 1000, मूंग साबुत 5200, राजमा 9000-12400, दाल उड़द 7000, साबुत मसूर दाल 3400, मसूर दाल 1200,उड़द साबुत 10200, काबुली चना 7000-10200, अरहर दाल 10200-12000, लोबिया/करमानी 2000-4200

चंद देशों या धनाढ्यों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता एआई का भविष्य

गुटेरेस ने कहा- एआई का लाभ सभी को न मिला तो और ज्यादा बढ़ेगी असमानता

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि एआई पर सबका अधिकार होना चाहिए और इसका भविष्य कुछ गिनती के देशों या अरबपतियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई का लाभ सभी को मिलना चाहिए, ऐसे में यह सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकता है। ऐसा न हुआ तो यह असमानता को और बढ़ा सकता है।

गुटेरेस ने इंडिया एआई समिट 2026 के चौथे दिन विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों, प्रौद्योगिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों, विशेषज्ञों और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि कहा, एआई का भविष्य कुछ गिने-चुने देशों द्वारा तय नहीं किया जा सकता, न ही इसे कुछ अरबपतियों की इच्छाओं पर छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई एक तरफ चिकित्सा में महत्वपूर्ण प्रगति को तेज कर सकता है, शिक्षा के अवसरों का विस्तार कर सकता है, खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकता है, जलवायु कार्रवाई और आपदा तैयारी को मजबूत कर सकता है और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में सुधार कर सकता है। लेकिन यह असमानता को गहरा भी कर सकता है, पक्षपात को बढ़ा सकता है और नुकसान को बढ़ावा दे सकता है।

इंडिया एआई समिट को संबोधित करते संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस।

एआई पर वैश्विक कोष की स्थापना पर जोर

गुटेरेस ने एआई पर एक वैश्विक कोष की स्थापना का आह्वान किया ताकि विकासशील देशों में बुनियादी क्षमता का निर्माण किया जा सके, साथ ही वहां कौशल, डाटा, किफायती कंप्यूटिंग शक्ति और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा सके। इस कोष में तीन अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, जो एक अकेली प्रौद्योगिकी कंपनी के वार्षिक राजस्व के एक प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि निवेश के बिना कई देश एआई युग से बाहर रह जाएंगे।

एआई का लाभ समाज के बड़े तबके तक न पहुंचा तो होगा प्रतिरोध : नीलेकणि

नई दिल्ली। दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने चेतावनी दी कि एआई के लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक न पहुंचा तो इसके खिलाफ प्रतिरोध पैदा हो सकता है, जो इस प्रौद्योगिकी की प्रगति को प्रभावित कर सकता है। नीलेकणि ने समिट में कहा कि फिलहाल एआई के विकास में रेस टू द टॉप (बेहतर प्रौद्योगिकी की होड़) और रेस टू द बॉटम (नकारात्मक उपयोग में तेजी) दोनों तरह की स्थितियां हैं जिनमें दूसरा पहलू ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है। नीलेकणि ने कहा, मेरा मानना है कि हम सभी, जो एआई को मानवता के लिए उपयोगी बनाना चाहते हैं, उन्हें इसके प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयास बढ़ाने होंगे और उन्हें दोगुना करना होगा। ऐसा नहीं होने पर इसके नतीजे बहुत मुश्किल हो सकते हैं।

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट से समझौता

मेडटेक नवाचार की दिशा में बड़ा कदम, आईआईटी दिल्ली में साइन हुआ एमओयू

- ब्लॉकचेन ने नवाचार के लिए 50 लाख रुपये की सहायता भी प्रदान की

नई दिल्ली/बरेली। बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (बीआईयू) के बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर ने प्रतिष्ठित संस्था ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट (बीएफआई) के साथ आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक समारोह में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम में ब्लॉकचेन के संस्थापक संदीप नेलवाल एवं सीईओ डॉ. गौरव सिंह ने औपचारिक रूप से यह एमओयू बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर और रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल को सौंपा। ब्लॉकचेन ने इस सहयोग के तहत मेडिकल टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य नवाचारों के लिए 50 लाख रुपये की अनुदान सहायता प्रदान करने की भी घोषणा की। डॉ. अर्जुन ने बीआईयू और मेडटेक इनक्यूबेशन सेंटर के विजन पर विश्वास जताने के लिए ब्लॉकचेन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं है बल्कि एक ऐसी शुरुआत है, जिससे बरेली से विकसित होने वाले स्वास्थ्य नवाचार प्रभावी, सुलभ और किफायती बनेंगे।

ब्लॉकचेन के संस्थापक संदीप नेलवाल और सीईओ डॉ. गौरव सिंह ने बीआईयू के बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल को एमओयू सौंपा।

नई तकनीकों के विकास के लिए बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का केंद्र बनाने का लक्ष्य: डॉ. अर्जुन

डॉ. अर्जुन ने अपने संबोधन में कहा, पिछले 20 वर्षों से बीआईयू रोहिलखंड क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। अब हमारा लक्ष्य बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बनाना है, जहां से नई तकनीकों का विकास होकर समाज के लिए उपयोगी समाधान उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने कहा, इस सहयोग के माध्यम से बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर युवा डॉक्टरों, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन, संसाधन और वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। यह समझौता न सिर्फ बीआईयू बल्कि पूरे रोहिलखंड क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

एआई में तेजी से प्रगति करने वाला युग लाने की क्षमता : सुंदर पिचाई

नई दिल्ली। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बृहस्पतिवार को एआई को तीव्र प्रगति के युग की शुरुआत करने वाली प्रौद्योगिकी करार दिया जिसमें नई वैज्ञानिक खोजों को संभव बनाने एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं को विकास के पारंपरिक चरणों को पार करने में मदद करने की क्षमता है। उन्होंने इसके साथ यह भी कहा कि उन्हें एआई जितना किसी भी प्रौद्योगिकी ने बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित नहीं किया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट को संबोधित करते हुए गूगल एवं अल्फाबेट के सीईओ ने एआई के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की और सरकारों, कंपनियों एवं संस्थानों से इस प्रौद्योगिकी को साहसपूर्वक एवं जिम्मेदारी से आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, यह हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा वैश्विक बदलाव है। हम तीव्र प्रगति और नई खोजों के मुहाने पर हैं जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं की पुरानी कमियों को दूर करने में मदद कर सकती हैं। हालांकि यह परिणाम न तो निश्चित है और न ही स्वचालित। ऐसी एआई बनाने के लिए जो वास्तव में सभी के लिए उपयोगी हो, हमें प्रयास करना होगा, जिम्मेदारी से काम लेना होगा और इस निर्णायक क्षण में मिलकर काम करना होगा।

एपस्टीन विवाद : बिल गेट्स एआई समिट से नदारद, नहीं हुआ भाषण

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में अपना पूर्व निर्धारित मुख्य भाषण नहीं दिया। उनके फाउंडेशन ने कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया, लेकिन यह निर्णय तब आया है जब यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित दस्तावेजों में गेट्स का नाम आने के बाद आयोजक असमंजस में पड़ गए थे। सरकारी सूत्रों ने 17 फरवरी को दावा किया था कि एपस्टीन प्रकरण के खुलासे से पहले गेट्स को दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया गया है, लेकिन उसी दिन गेट्स फाउंडेशन के प्रवक्ता ने इसका खंडन करते हुए कहा था कि वह समिट में भाग ले रहे हैं। बृहस्पतिवार को गेट्स फाउंडेशन ने स्पष्ट किया कि वह समिट में नहीं बोलेंगे ताकि उसके मुख्य उद्देश्य से ध्यान न भटके। गेट्स पर एपस्टीन के किसी भी पीड़ित ने गलत काम करने का आरोप नहीं लगाया है, लेकिन अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी रिकॉर्ड में एपस्टीन का आरोप शामिल है कि बिल गेट्स को यौन संचारित रोग हुआ था।

ईयू को भारत के कृषि उत्पाद और वाहन निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि

नई दिल्ली। भारत के कृषि उत्पाद और मोटर वाहनों का निर्यात यूरोपीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है और अप्रैल-दिसंबर, 2025 के दौरान इसमें अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों के दौरान वैश्विक वाहन निर्यात में भारत के 19.3 अरब डॉलर में से, यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 9.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गया। यूरोपीय संघ को निर्यात अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 1.6 अरब डॉलर से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर, 2025 में 2.2 अरब डॉलर हो गया। भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की है।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में इस क्षेत्र से दुनिया को भारत का निर्यात भी 16.8 अरब डॉलर से बढ़कर 19.3 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह, ईयू को भारत के मछली, कॉफी, चाय, मसाले, अनाज, गोंद और रेजिन के निर्यात में भी इस दौरान अच्छी वृद्धि दर दर्ज की गई है। अनाज निर्यात अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 18.1 करोड़ डॉलर से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर, 2025 में 33.9 करोड़ डॉलर हो गया है।

गुजरात का कर्ज 3.99 लाख करोड़ रुपये हुआ

गांधीनगर। गुजरात का कुल सार्वजनिक ऋण 2024-25 में बढ़कर 3,99,633 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य विधानसभा को बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने बजट सत्र के प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक शैलेश परमार के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। परमार ने राज्य के कुल कर्ज और मूलधन व ब्याज भुगतान की वर्षवार जानकारी मांगी थी। सदन में पेश लिखित उत्तर में बताया गया कि वित्त वर्ष 2023-24 में गुजरात का कुल सार्वजनिक ऋण 3,52,718 करोड़ रुपये था।

राष्ट्रीय

सीएए विरोधी याचिकाओं पर 5 मई से सुनवाई

छह साल से लंबित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई के बारे में शीर्ष कोर्ट ने जारी किए प्रक्रियात्मक निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 (सीएए) की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली आईयूएमएल की प्रमुख याचिका सहित 200 से अधिक याचिकाओं पर पांच मई से अंतिम सुनवाई शुरू करेगा। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने 2019-2020 से लंबित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई के संबंध में प्रक्रियात्मक निर्देश जारी किए।

पीठ ने कहा कि वह याचिकाकर्ता जिनमें इंडियन यूनियन ऑफ मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के प्रमुख भी शामिल हैं, उनकी दलीलों पर वह डेढ़ दिन तक सुनवाई करेगी और केंद्र को अपनी दलीलें पेश करने के लिए एक दिन का समय दिया जाएगा। सीजेआई ने कहा कि पीठ 12 मई को याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर लेगी। पीठ ने पक्षों को चार सप्ताह के भीतर अतिरिक्त दस्तावेज और दलीलें दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि वह पहले पूरे भारत में सीएए के लागू होने से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करेगी और उसके बाद असम तथा त्रिपुरा से संबंधित याचिकाओं पर विचार करेगी।

केंद्र ने मार्च 2024 में जारी की थी अधिसूचना

केंद्र सरकार ने 11 मार्च, 2024 को संबंधित नियमों की अधिसूचना जारी कर संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया। यह अधिसूचना संसद में विवादास्पद कानून पारित किए जाने के चार साल बाद जारी की गई, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की प्रक्रिया को तेज करना था जो 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए थे।

- सीएए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए 200 से अधिक याचिकाएं दायर की गई हैं। याचिका दायर करने वालों में आईयूएमएल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, राजद नेता मनोज झा, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, असम की समस्या देश के बाकी हिस्सों से अलग है क्योंकि नागरिकता के लिए पहले की निर्धारक तिथि 24 मार्च 1971 थी, जिसे सीएए के तहत 31 दिसंबर 2014 तक बढ़ा दिया गया था। इन मामलों को पिछली बार 19 मार्च 2024 को एक पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, जब उसने केंद्र से उन अंतरिम आवेदनों पर जवाब देने को कहा था जिनमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं का निपटारा होने तक नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के कार्यान्वयन पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। शीर्ष अदालत ने हालांकि उन नियमों के अमल पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया, जिनके जरिए सीएए को लागू किया जाना है।

एमके स्टालिन के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता एमके स्टालिन के खिलाफ दाखिल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेता सैदाई एस. दुरईसामी की चुनाव याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका में स्टालिन पर 2011 के विधानसभा चुनावों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। मद्रास हाईकोर्ट द्वारा 2017 में इस याचिका को खारिज किए जाने के बाद दुरईसामी ने शीर्ष अदालत का रुख किया। दुरईसामी 2011 के विधानसभा चुनाव में कोलाथुर सीट पर स्टालिन से 2,739 वोटों से हार गए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि मतदाताओं को निर्धारित सीमा से अधिक धन वितरित किया गया था, साथ ही पूरक मतगणना भी कराई गई थी।

घूसखोर पंडत शीर्षक वापस, याचिका निपटी

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता नीरज पांडे की ओर से 'घूसखोर पंडत' शीर्षक और उससे जुड़ी सभी प्रचार सामग्री वापस लिए जाने की जानकारी दिए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को फिल्म के खिलाफ दायर याचिका का निपटारा कर दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड पर लेने के बाद याचिका का निपटारा किया और उम्मीद जताई कि यह विवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। 'ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया' के राष्ट्रीय संगठन सचिव अतुल मिश्रा ने याचिका दायर कर फिल्म की रिलीज पर रोक लगाए जाने का अनुरोध किया गया था।

असम में एसआईआर कराने के लिए दाखिल याचिका पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम में एसआईआर कराने का निर्वाचन आयोग को निर्देश देने के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने निर्वाचन आयोग की इस दलील पर संज्ञान लिया कि असम में अंतिम मतदाता सूची पहले ही तैयार हो चुकी है और याचिका निष्प्रभावी हो गई है। मृणाल कुमार चौधरी की ओर से दायर याचिका में निर्वाचन आयोग के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी जिसमें अन्य राज्यों में कराए गए अपेक्षाकृत अधिक कठोर एसआईआर के बजाय असम में मानक विशेष पुनरीक्षण कराने का निर्णय लिया गया था। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विजय हंसारिया ने कहा कि राज्य को मतदाता सूची की शुचिता को बनाए रखने के लिए एसआईआर की आवश्यकता है। निर्वाचन आयोग का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने सूचित किया कि असम के लिए अंतिम मतदाता सूची 10 फरवरी को प्रकाशित हो चुकी है। इस पर सीजेआई ने टिप्पणी की, अब कुछ भी नहीं बचा है।

बिहार: विधानसभा अध्यक्ष समेत 45 विधायकों के निर्वाचन को चुनौती

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार समेत 45 सदस्यों के विधानसभा चुनाव 2025 में हुए निर्वाचन को पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। पराजित प्रत्याशियों की ओर से दायर इन चुनाव याचिकाओं पर इन विधायकों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है।

निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता सिद्धार्थ प्रसाद ने बताया कि चुनाव याचिकाओं पर प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। प्रसाद ने कहा, टाउन सीट से प्रेम कुमार के निर्वाचन को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई है। हालांकि, उनके मामले में अभी नोटिस जारी नहीं हुआ है। भाजपा के आठवीं बार विधायक बने प्रेम कुमार के निर्वाचन को कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले अखौरी ओंकार नाथ ने चुनौती दी है। वह 26 हजार से अधिक मतों से पराजित हुए थे। प्रसाद ने बताया कि अधिकतर चुनाव याचिकाएं विजयी उम्मीदवारों द्वारा दाखिल हलफनामों में कथित विसंगतियों या जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोपों के आधार पर दायर की गई हैं।

- पराजित उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट में दायर कीं याचिकाएं, विधायकों को जारी किए गए नोटिस

जिन प्रमुख नेताओं के निर्वाचन को चुनौती दी गई है उनमें जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव और युवा विधायक चेतन आनंद तथा भाजपा के पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा शामिल हैं। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी राजद के एक विधायक के निर्वाचन को भी चुनौती देने वाली याचिका दायर की गई है। यह याचिका गोह सीट से 4,041 मतों के मामूली अंतर से विजयी रहे अमरेंद्र कुमार के निर्वाचन के खिलाफ दायर की गई है।

वोट चोरी, मतदाताओं को प्रलोभन देने के आरोप

मुख्य रूप से चुनावी हलफनामों में विसंगतियों और चुनाव नियमों के उल्लंघन का आरोप हैं। पराजित उम्मीदवारों का कहना है कि कई विधायकों ने नामांकन के समय अपनी संपत्ति, आपराधिक इतिहास और शैक्षणिक योग्यता के बारे में अधूरी या भ्रामक जानकारी दी। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का भी उल्लंघन किया गया। इसके अलावा वोट चोरी, मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी और महिला सशक्तीकरण के नाम पर मतदाताओं को प्रलोभन देने के आरोप भी लगाए गए हैं।

अमेरिका से व्यापार समझौते के खिलाफ पूरे देश में अभियान शुरू करने की तैयारी में कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते और उसके किसानों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के खिलाफ एक अभियान शुरू करने के प्रयासों पर चर्चा करेंगे।

- पार्टी नेतृत्व की पांच राज्यों और जम्मू-कश्मीर के नेताओं के साथ आज होगी बैठक

सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और बिहार के नेताओं के साथ बैठक कर अभियान की रूपरेखा को अंतिम रूप देगा। इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर हमला तेज करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कई सवाल किए थे और आरोप लगाया था कि देश के किसानों के साथ विश्वासघात किया गया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका के सामने समर्पण कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा को झटका, बागी विधायक बिष्णु प्रसाद टीएमसी में शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को झटका लगा है। उसके बागी विधायक बिष्णु प्रसाद शर्मा बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। शर्मा राज्य की कुर्सियांग विधानसभा सीट से विधायक हैं।

तृणमूल कांग्रेस मुख्यालय में शिक्षा मंत्री ब्रात्या बसु और उद्योग मंत्री शशि पांजा ने उनका स्वागत किया। शर्मा ने कहा कि वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विकास मॉडल के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे मेरे गोरखा भाइयों और बहनों ने चुना था, लेकिन मैं उनके लिए काम नहीं कर पाया। भाजपा ने वादे तो किए लेकिन कुछ नहीं किया। जमीनी स्तर पर कोई ठोस काम नहीं हुआ। शर्मा ने अलग गोरखालैंड राज्य की मांग का यह कहते हुए समर्थन किया था कि दार्जिलिंग पहाड़ियों पर अधिक ध्यान देने और विकास की आवश्यकता है। उन्होंने यह दावा करते हुए भाजपा के प्रति कई बार असंतोष व्यक्त किया था कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के आश्वासन के बावजूद पार्टी जमीनी स्तर पर वादा निभाने में विफल रही।

बेंगलुरु में बुजुर्ग महिला की हत्या कर गहने लूटे

बेंगलुरु। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में एक घर में 69 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई और उसके सोने के गहने लूट लिए गए। घटना के दौरान महिला का लकवाग्रस्त पति मौजूद था। पुलिस ने बताया कि यह घटना नेलमंगला के पीट स्ट्रीट में हुई, जहां शोभा लकवाग्रस्त और बिस्तर पर पड़े अपने पति के साथ रहती थी। पुलिस के अनुसार, पिछले दस साल से वह अपने पति की देखभाल कर रही थी। दंपति की कोई संतान नहीं है।

भाजपा केवल खुले में बीफ की बिक्री के खिलाफ: भट्टाचार्य

- पश्चिम बंगाल के पार्टी अध्यक्ष ने कहा- लोग अपनी पसंद का भोजन करने के लिए स्वतंत्र

कोलकाता। बिहार में राजग सरकार के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के खुले में मांस-मछली की बिक्री पर प्रतिबंध संबंधी आरोपों को लेकर जारी राजनीतिक तकरार के बीच भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा है कि राज्य के लोग अपनी पसंद का भोजन करने के लिए स्वतंत्र हैं और पार्टी केवल खुले में बीफ की बिक्री के खिलाफ है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बिहार सरकार के खुले में मांस की बिक्री को विनियमित करने संबंधी हालिया आदेश का उल्लेख करते हुए इसे मांसाहार के खिलाफ भाजपा समर्थित कदम बताया। भट्टाचार्य ने पड़ोसी राज्य बिहार में खुलेआम मछली और मांस की बिक्री पर प्रस्तावित प्रतिबंध लगाने संबंधी तृणमूल कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, बंगाल के लोग जो चाहेंगे, वही खाएंगे। बंगाल में मछली और मांस मिलता रहेगा। बिहार के निर्देश पर विस्तार से बात करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा ने इस तरह के किसी भी व्यापक प्रतिबंध का प्रस्ताव नहीं रखा था। उन्होंने कहा, वे कभी ऐसी बात कह ही नहीं सकते। कोई इसे स्वीकार नहीं करेगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा का रुख केवल बीफ की खुलेआम बिक्री का विरोध करने तक ही सीमित है। बिहार में मछली और मांस की बिक्री पर कथित प्रतिबंध के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने मंगलवार को छोटे व्यापारियों की आजीविका संबंधी चिंताओं की ओर ध्यान दिलाया था। उन्होंने कहा था, मुझे बिहार के उपमुख्यमंत्री के इस कथन से संबंधित एक रिपोर्ट मिली है कि मछली और मांस खुले बाजार में नहीं बेचे जा सकते। यह जनविरोधी और निंदनीय है। क्या हर कोई शॉपिंग मॉल में मांस और मछली बेच सकता है। सड़क किनारे मछली और मांस बेचने वाले ज्यादातर विक्रेताओं का क्या होगा।

नाइजीरिया की खदान में जहरीली गैस के रिसाव से 37 लोगों की मौत

अबुजा, एजेंसी

● अचेत हुए 26 अन्य को सरकारी अस्पताल में कराया गया भर्ती

उत्तर-मध्य नाइजीरिया में एक खदान में जहरीली गैस के रिसाव से 37 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने कहा कि घटना मंगलवार तड़के पठार राज्य के वासे क्षेत्र में स्थित कम्पानी जुरक समुदाय में हुई।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि खनिक लेड ऑक्साइड तथा सल्फर एवं कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी अन्य संबंधित गैसों के अचानक रिसाव के कारण प्रभावित हुए थे, जो मनुष्यों के लिए विषाक्त और जहरीली होती हैं, खासकर एक बंद या खराब हवादार वातावरण में इन गैसों का असर खतरनाक होता है।

अलाबो ने बताया, शवों को धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार के लिए उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। सरकार ने खनन स्थल को बंद कर दिया है और रिसाव की जांच जारी है। नाइजीरिया के ठोस खनिज विकास मंत्री डेले अलाके ने एक बयान में कहा कि खनिक खनन के दौरान जहरीली गैस के उत्सर्जन से अनजान थे।

कराची में विस्फोट से 16 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के कराची में गुरुवार को सुबह एक आवासीय इमारत में गैस रिसाव के कारण हुए विस्फोट में महिलाओं और बच्चों सहित 16 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी जमशेद अशर ने कहा कि विस्फोट तड़के साढ़े चार बजे इमारत की पहली मंजिल पर हुआ। इमारत ओल्ड सोल्जर बाजार इलाके में है। पाकिस्तान में आज रमजान महीने का पहला दिन है। विस्फोट का कारण संभवत: गैस का रिसाव था।

सफलता संग असफलता भी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आज हम जिस युग में जी रहे हैं वहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक तकनीकी शब्द नहीं, बल्कि आधुनिक सभ्यता का नया आधार स्तंभ बन चुका है। दशकों तक एआई केवल साइंस-फिक्शन फिल्मों और अकादमिक शोध का हिस्सा था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से जेनरेटिव एआई के आने के बाद, इसने हमारे जीवन के हर पहलू को स्पर्श किया है। एआई की यात्रा मानवीय मेधा और मशीनी गति के मिलन की कहानी है। यह एक ऐसी शक्ति है जो डेटा के अथाह समंदर से अर्थपूर्ण जानकारी निकाल सकती है, जो जटिल गणितीय समस्याओं को सेकंडों में हल कर सकती है और जो मानवीय रचनात्मकता को नई परिभाषा दे रही है। लेकिन, क्या एआई हर जगह सफल है? इस प्रश्न का उत्तर 'हां' और 'ना' के बीच एक सूक्ष्म रेखा पर टिका हुआ है।

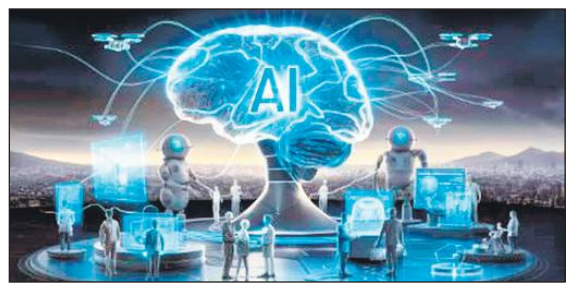

जहां एआई ने बाजी मारी

- स्वास्थ्य सेवा : एआई अब डॉक्टरों से बेहतर सटीकता के साथ एक्स-रे, एमआरआई और सीटी स्कैन का विश्लेषण कर रहा है।
- वित्तीय क्षेत्र : धोखाधड़ी का पता लगाने में एआई अद्वितीय है। यह लाखों लेनदेन को पलक झपकते स्कैन कर संदिग्ध गतिविधियों को रोकता है।
- लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स : अमेज़न या नेटफ्लिक्स के रिकमेंडेशन इंजन एआई से आपकी पसंद का पूर्वानुमान लगाकर लाभ को कई गुना बढ़ा रहे हैं।
- अनुवाद और भाषा : गूगल ट्रांसलेट और डीप एल जैसे टूल्स ने भाषाई बाधाओं को लगभग खत्म कर दिया है।

अभी हैं कई चुनौतियां

- डेटा की गुणवत्ता : एआई उतना ही अच्छा है जितना उसे दिया गया डेटा। यदि डेटा गलत है, तो एआई का परिणाम घातक हो सकता है।
- ऊर्जा की खपत : बड़े एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने में अत्यधिक बिजली खर्च होती है, मशीनों को ठंडा करने में पानी भी अधिक लगता है, जो पर्यावरण के लिए एक चुनौती है।
- डिजिटल विभाजन : एआई संपन्न और विपन्न देशों के बीच की खाई को बढ़ा सकता है।
- डीपफेक और दुष्प्रचार : एआई का उपयोग गलत सूचनाएं फैलाने और सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए किया जा रहा है।
- कौशल की कमी : बाजार में एआई विशेषज्ञों की भारी कमी है।
- लागत : छोटे व्यवसायों के लिए उच्च-स्तरीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना महंगा है।

जहां एआई अभी भी मशीन

- नैतिक निर्णय : युद्ध की स्थिति या कानूनी न्याय प्रणाली में एआई पक्षपाती (बायस्ड) हो सकता है क्योंकि वह उपलब्ध पुराने डेटा से सीखता है जिसमें मानवीय पूर्वाग्रह शामिल होते हैं।
- क्रिएटिविटी बनाम ओरिजनलिटी : एआई चित्र बना सकता है, कविता लिख सकता है, लेकिन वह मौजूदा डेटा का पुनर्संयोजन होता है। उसमें वह 'आत्मा' या 'नया विचार' नहीं होता जो मानवीय अनुभव से उपजता है।
- सामान्य ज्ञान : एक बच्चा जानता है कि अगर कांच का गिलास गिरेगा तो टूट जाएगा, लेकिन एआई को इस भौतिक सत्य को समझने के लिए हजारों डेटा पॉइंट्स चाहिए।

वर्ल्ड ब्रीफ

करतारपुर गुरुद्वारा के जीर्णोद्धार में तेजी

इस्लामाबाद। करतारपुर गुरुद्वारे के आधिकारिक शासी निकाय ने सिख धार्मिक स्थल के जीर्णोद्धार में तेजी लाने का फैसला किया है। करतारपुर गुरुद्वारा पिछले साल बाढ़ से प्रभावित हुआ था। गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर की शासी परिषद की आठवीं बैठक बुधवार को धार्मिक मामलों के मंत्रालय में सचिव साजिद चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। परिषद ने हाल ही में आई बाढ़ के कारण आवश्यक मरम्मत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की और बाढ़ को भारत की जल आक्रामकता से जोड़ते हुए कहा कि इससे कॉरिडोर परियोजना के कुछ हिस्से प्रभावित हुए हैं।

भारतीय मूल महिला को दो हफ्ते की जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल की एक महिला को कथित रूप से किराये के विवाद में टैक्सी चालक को थप्पड़ मारने के मामले में गुरुवार को दो सप्ताह के कारावास की सजा सुनाई गई। शालिनी देवराजन ने 24 सिंगापुर डॉलर (करीब 19 अमेरिकी डॉलर) का किराया देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि उसके पास नकद नहीं है। उसने चालक द्वारा सुझाए गए डिजिटल भुगतान विकल्प भी अस्वीकार कर दिए। 36 वर्षीय महिला ने चालक को पुलिस थाने ले जाने की चुनौती दी, जिसे 73 वर्षीय चालक ने स्वीकार कर लिया। थाने में ही महिला ने चालक को थप्पड़ मार दिया।

दक्षिण अफ्रीका में बस हादसे में चार की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के लिम्पोपो प्रांत में गुरुवार को हुई एक बस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 31 लोग घायल हो गए। प्रांतीय परिवहन मंत्री वायलेट मैथी के अनुसार, बस दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत से जिम्बाब्वे जा रही थी, तभी जिम्बाब्वे की सीमा के पास एन1 राजमार्ग पर वह अनियंत्रित हो कर एक खाई में जा गिरी। मैथी ने बताया, अभी तक हमें चार लोगों की मौत की पुष्टि होने की खबर मिली है, जबकि कुछ अन्य लोगों को अस्पताल ले जाया गया है।

किम ने तैनात किए 50 नए रॉकेट लॉन्चर

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी पार्टी के एक अहम सम्मेलन से पहले अपनी सैन्य क्षमता को दर्शाने तथा प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने के इरादे से कम दूरी की मिसाइल क्षमता वाले 50 नए रॉकेट लॉन्चर तैनात किए हैं। किम की बहन ने एक अलग बयान में कहा कि उत्तर कोरिया शत्रु देश के खिलाफ अपनी सीमा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है।

अमेरिका से समझौता करने में ही है ईरान की भलाई : व्हाइट हाउस

प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के कूटनीतिक विकल्प का इस्तेमाल करे ईरान

● उपराष्ट्रपति वेंस ने भी की थी वार्ता टूटने पर सैन्य विकल्प की बात

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का किसी भी देश के साथ समझौता करने के लिए पहला विकल्प कूटनीति होता है, इसलिए ईरान को अमेरिका के साथ नए समझौते पर बातचीत करना चाहिए। यह बात व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कही। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ट्रंप हमेशा बहुत स्पष्ट रहे हैं। ईरान या दुनिया के किसी भी देश के मामले में कूटनीति हमेशा उनका पहला विकल्प होता है और ईरान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी प्रशासन के साथ समझौता करना बहुत समझदारी भरा कदम होगा।

लेविट ने यह टिप्पणी ऐसे में की है, जब जब जिनेवा में अमेरिका-ईरान के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता फिर से शुरू हुई है, जिसमें अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ओमानी मिल रहे हैं। हालांकि दोनों पक्षों ने कुछ उन्नति की बात कही है, लेकिन अधिकारियों ने कहा है कि अभी भी काफी कमियां हैं और फारस की खाड़ी में अमेरिकी सेना की समानांतर बढ़ोतरी बातचीत के बड़े दांव को दर्शाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप की ओर से 2025 की शुरुआत में अपनाई गई अधिकतम दवाब की नीति ने ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाला है, जिससे अमेरिका के अधिकारी कूटनीति सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर रहे हैं। लेविट का यह बयान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के हालिया टिप्पणियों के अनुरूप है, जिन्होंने एक न्यूज़ चैनल को बताया था कि अगर बातचीत विफल हो जाती है तो सैन्य कार्रवाई लेने का विकल्प भी उसके पास है।

ईरानी अफसरों, कारोबारियों पर वीजा प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने गुरुवार को नए वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की, जिसमें उन ईरानी अधिकारियों और नेताओं को निशाना बनाया गया है जिन पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान ईरानी लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का आरोप है। यह कार्रवाई दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 में व्यापक विरोध प्रदर्शनों पर ईरानी शासन की हिंसक कार्रवाई के जवाब में की गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरानी अधिकारियों ने हजारों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया। इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट की धारा 212 के तहत लगाए गए वीजा प्रतिबंध आदेश पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हस्ताक्षर किए।

ट्रंप की शर्तें नहीं मानीं तो हमला संभव

वॉशिंगटन। ईरान परमाणु वार्ताओं में अगर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांगों को लगातार खारिज करता रहा तो अमेरिका उसके खिलाफ जल्द ही सैन्य अभियान शुरू कर सकता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस को अवगत कराया गया है कि पश्चिमी एशिया में हाल के दिनों में वायु और नौसैनिक संसाधनों की बड़ी तैनाती के बाद अमेरिकी सेना सप्ताहांत तक संभावित हमले के लिए तैयार हो सकती है। एक सूत्र ने यह भी बताया कि ट्रंप निजी तौर पर सैन्य कार्रवाई के पक्ष और विपक्ष दोनों में तर्क दे चुके हैं तथा सर्वोत्तम विकल्प पर सलाहकारों और सहयोगियों से राय ले रहे हैं।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में तंत्री को मिली जमानत

कोल्लम। चर्चित सबरीमला स्वर्ण गबन मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत कोल्लम स्थित सतर्कता न्यायालय ने सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर के तंत्री कंदरारु राजीवरु को जमानत दे दी है। अदालत के इस फैसले को मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसने उनकी रिहाई का कड़ा विरोध करते हुए निरंतर हिरासत की मांग की थी। राजीवरु को मंदिर के द्वार चौखटों और द्वारपालक प्रतिमाओं पर किए गए स्वर्ण मढ़ाई कार्य में कथित अनियमितताओं और स्वर्ण के दुरुपयोग के मामले में आरोपी बनाया गया था। एसआईटी का आरोप है कि इस कार्य के निष्पादन के दौरान गंभीर अनियमितताएं हुईं और इसमें मंदिर से जुड़े कुछ पदाधिकारियों तथा ठेकेदारों की मिलीभगत थी। अदालत ने जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के उन तर्कों पर विचार किया, जिनमें तंत्री को सीधे तौर पर वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं से जोड़ने का प्रयास किया गया था। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा कोई ठोस साक्ष्य सामने नहीं आया है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि स्वर्ण गबन में तंत्री की भूमिका थी।

भारत की रक्षा प्रौद्योगिकी का लाभ लें आसियान देश

विशाखापत्तनम में नौसेना के अभ्यास कार्यक्रम मिलान के उद्घाटन के दौरान उपस्थित रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी व अन्य।

● नौसेना के अभ्यास कार्यक्रम मिलन में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ

विशाखापत्तनम, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आसियान देशों को भारत की हिन्द प्रशांत रणनीति का केंद्र बताते हुए साझा सुरक्षा को क्षेत्रीय समृद्धि की आधारशिला करार दिया है। उन्होंने आसियान साझेदारों का आह्वान किया कि वे आत्मनिर्भरता के प्रयासों से परिपक्व हुए भारत के रक्षा प्रौद्योगिकी तंत्र का लाभ उठाने के लिए आगे आएं।

सिंह ने गुरुवार को यहां नौसेना के मिलन अभ्यास 2026 नौसैनिक अभ्यास के अवसर पर आसियान के नौ सदस्य देशों के मेहमान नौसेना प्रमुखों और नौसैनिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ विचार-विमर्श किया। इस बैठक ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति तथा क्षेत्रों के पार सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति (महासागर) की परिकल्पना के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। रक्षा मंत्री ने मिलन 2026 में आसियान नौसेनाओं की भागीदारी का स्वागत किया।

भारत की भूमिका को सराहा गया

भारत-आसियान अनौपचारिक बैठक की भावनाओं को दोहराते हुए आसियान प्रतिनिधियों ने क्षेत्र में प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में भारत की भूमिका की सराहना की। रक्षा मंत्री ने संयुक्त गतिविधियों के विस्तार का प्रस्ताव रखते हुए आसियान-भारत रक्षा विचार मंच संवाद तथा युवा नौसैनिक अधिकारियों की सहभागिता से संबंधित पहलों पर बल दिया, ताकि समुद्री स्थिरता सुनिश्चित हो।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक को उम्रकैद

सियोल। दक्षिण कोरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल को दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लागू करने का दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। न्यायाधीश जी कुई-यून ने कहा कि उन्होंने यून को नेशनल असेंबली (संसद) पर अवैध रूप से कब्जा करने के प्रयास के तहत सेना और पुलिस बल को जुटाने, नेताओं को गिरफ्तार करने और कुछ समय तक निरंकुश शासन स्थापित करने का दोषी करार दिया। नेशनल असेंबली में विपक्षी उदारवादी सांसदों का बहुमत है। यून के इस फैसले के खिलाफ अपील करने की संभावना है। एक विशेष अभियोजक ने यून के लिए मौत की सजा की मांग करते कहा कि उनके कार्यों ने लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा किया।

डीआरडीओ ने किया ड्रोग पैराशूट का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी

● गगनयान मिशन में निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

भारत ने अपने पहले मानव अंतरिक्ष मिशन की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए गगनयान कार्यक्रम के लिए ड्रोग पैराशूट का सफल भार परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि यह परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला, चंडीगढ़ स्थित रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज सुविधा में किया गया।

यह परीक्षण बुधवार को इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, एरियल डिलीवरी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, डीआरडीओ तथा टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला की टीमों के साथ किया गया। रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज का यह गतिशील परीक्षण जिसमें वास्तविक उड़ान के अधिकतम भार से भी अधिक योग्यता स्तर भार का अनुकरण किया गया, पैराशूट के अतिरिक्त डिज़ाइन सुरक्षा मार्जिन को प्रदर्शित करता है। यह परीक्षण उच्च शक्ति रिबन पैराशूट के डिज़ाइन और निर्माण में भारत की विशेषज्ञता को सिद्ध करता है। यह उपलब्धि एक बार फिर टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला के उन्नत परीक्षण सुविधा तथा अंतरिक्ष कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करती है।

किरेन रीजीजू ने किया निगरानी ऐप का शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने प्रधानमंत्री विकास योजना (पीएमजेवीके) के तहत निगरानी ऐप का शुभारंभ किया जो देश भर में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने में योगदान देता है। रीजीजू ने बिहार के राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर में पीएमजेवीके योजना के तहत निगरानी ऐप का शुभारंभ किया, जो भारत भर में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने में योगदान देता है। उन्होंने हज रिस्ट बैंड और एआई चैटबॉट का भी शुभारंभ किया। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय में चिंतन शिविर के आयोजन के लिए मंत्रालय की टीम की सराहना की।

ट्रंप ने किया गाजा के लिए शांति बोर्ड का अनावरण

वाशिंगटन, एजेंसी

● नौ सदस्य देश राहत पैकेज में देंगे सात अरब अमेरिकी डॉलर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को गाजा के लिए प्रस्तावित शांति बोर्ड का अनावरण किया। इस दौरान नौ सदस्य देशों ने गाजा राहत पैकेज के लिए सात अरब अमेरिकी डॉलर देने पर सहमति जताई जबकि पांच देशों ने युद्धग्रस्त फलस्तीनी क्षेत्र में तैनात किए जाने वाले एक अंतर्राष्ट्रीय बल में भाग लेने के लिए सैनिकों को भेजने पर रजामंदी जताई।

इंडोनेशिया, मोरक्को, कजाकिस्तान, कोसोवो और अल्बानिया ने गाजा स्थिरीकरण बल के लिए सैनिक भेजने का वादा किया है, जबकि मिस्र और जॉर्डन ने इन प्रयासों के लिए पुलिस को प्रशिक्षित करने की प्रतिबद्धता जताई है। योजना के तहत सबसे पहले सैनिकों को राफा में तैनात किया जाएगा, जो एक प्रमुख केंद्र है। अमेरिकी प्रशासन को उम्मीद है कि वह सबसे पहले पुनर्निर्माण प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस बीच, ट्रंप ने कहा कि कजाकिस्तान, अजरबैजान, संयुक्त अरब अमीरात, मोरक्को, बहरीन, कतर, सऊदी अरब, उज्बेकिस्तान और कुवैत ने अंशदान करने का संकल्प लिया है। ट्रंप ने अंशदान करने वाले देशों को धन्यवाद देते हुए कहा, खर्च किया गया हर डॉलर स्थिरता और एक नए एवं सौहार्दपूर्ण क्षेत्र की आशा में निवेश है।

इजराइल व भारत में रक्षा सहयोग को एक और करार

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इसी महीने के आखिर में होने वाली इजराइल यात्रा से पहले, भारत और इजराइल ने रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य की संगोष्ठियों तथा सहकारी पहलों सहित संयुक्त गतिविधियों को मजबूत करने को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इजराइल के रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय रक्षा सहयोग निदेशालय ने भारत और इजराइल के प्रमुख रक्षा उद्योगों के बीच बैठकों की सुविधा प्रदान की, जिसके परिणामस्वरूप समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एसआईबीएटी ने सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और भारत के रक्षा मंत्रालय के सहयोग से रक्षा कंपनियों के बीच एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 20 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 14.38 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

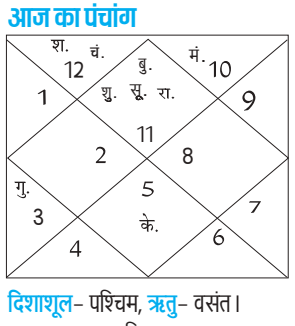

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 20.07 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष आज आपको अधिक परिश्रम करने से बचना चाहिए। मेहनत का उतम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। विरोधी के साथ आपको उलझना पड़ सकता है। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी। भाई-बहनों को कोई स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

वृष आज कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं, तो दिन अत्यधिक अनुकूल है।

मिथुन आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। किसी से अधिक अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा नहीं होगा। केवल अपने काम पर ध्यान दें।

कर्क आज यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। उत्तेजनात्मक प्रतिक्रिया देने से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है। संपत्ति विवाद गहरा सकते हैं।

सिंह आज स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। असभ्य भाषा बोलने से बचें। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं।

कन्या आज व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी प्रारंभ कर सकते हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी। आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे, काम वैसे ही होंगे। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी।

तुला आज अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं। विवाहोत्सुक जातकों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में विदेशी क्लाइंट्स से आपको लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक आज आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा। अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें। सफलता शीघ्र ही मिलेगी। आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा आज बढ़ सकती है।

धनु आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहा है, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें। वरना आप काफी अकेलापन महसूस करेंगे।

मकर आज सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। विपरीत लिंग के जातकों के प्रति आकर्षण का भाव बढ़ेगा।

कुंभ आज सुख-सुविधाओं पर अधिक धन खर्च कर सकते हैं। महिलाओं को थोड़ी स्वास्थ्य समस्या होने की संभावना है। मान-सम्मान में कमी आ सकती है। किसी आवश्यक कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं।

मीन आज व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु कार्य आरंभ नहीं हो पाएगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर अत्यधिक संवेदनशील रहेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। कमीशन वाले कार्यों से लाभ हो सकता है।

सुडोकू-67

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		6		8			1	
5			1		6		4	
9					7			2
		8	3					6
		2				9		
4			6		5	7		
			9		2			5
	7							3
	6			1		2		

सुडोकू - 66 का हल

5	6	1	9	8	3	7	2	4
4	2	8	6	5	7	3	1	9
9	7	3	4	1	2	5	6	8
1	9	5	3	2	8	6	4	7
3	4	2	7	9	6	8	5	1
6	8	7	5	4	1	9	3	2
2	1	9	8	3	5	4	7	6
7	3	4	2	6	9	1	8	5
8	5	6	1	7	4	2	9	3

टी-20 विश्व कप ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के प्रदर्शन को सभी ने सराहा है और उम्मीद है कि कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सुपर आठ चरण में वे उसी 'छिपे रूस्तम' वाली कहानी को दोहरा सकेंगे जिसे दुनिया में सभी पसंद करते हैं।
-सिकंदर रजा, जिम्बाब्वे के कप्तान

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
ऑस्ट्रेलिया-ओमान	शाम 7 बजे

हाईलाइट

निराशाजनक प्रदर्शन की गहन समीक्षा करेगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी-20 विश्व कप में अपनी टीम के निराशाजनक प्रदर्शन की गहन समीक्षा करेगा। कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे टी-20 विश्व कप के सुपर आठ जगह नहीं बना पाई। उसे जिम्बाब्वे और श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा। वह अपना आखिरी मैच शुक्रवार को ओमान के खिलाफ खेलेगा लेकिन इसका अब कोई महत्व नहीं रह गया है। जिम्बाब्वे और श्रीलंका सुपर आठ में पहुंच गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया 2009 के बाद पहली बार ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया है।

वैष्णवी आईटीएफ महिला ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बेंगलुरु। भारत की वैष्णवी अदकर ने बृहस्पतिवार को यहां आठवीं वरीयता प्राप्त माई होनतामा को तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर आईटीएफ वुमैन्स ओपन डब्ल्यू100 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इक्कीस साल की वैष्णवी ने जापान की प्रतिद्वंद्वी को 2-6, 6-4, 7-6(8) से हराया और अब उनका सामना ऑस्ट्रेलिया की चौथी वरीय टेलाह प्रेस्टन से होगा। इससे पहले सहजा यमलापल्ली को ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष वरीय तालिया गिब्सन से 0-6, 0-6 से हार का सामना करना पड़ा।

सिर्फ जीत हासिल करना मायने नहीं रखता : पारस म्हाम्ब्रे

मुंबई। पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने भारत की टी20 विश्व कप में लगातार चार जीत का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह सिर्फ जीत हासिल करने की बात नहीं है बल्कि यह मायने रखता है कि टीम कैसे जीतती है क्योंकि इन मुकाबलों में चार अलग अलग खिलाड़ियों ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार हासिल किए जिससे टीम की गहराई और 'टीमवर्क' का पता चलता है। भारत ने लगातार चार जीत से ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया और सुपर आठ में जगह बनाई।

कप्तान बट पर प्रतिबंध के बाद पीएचएफ प्रमुख का इस्तीफा

कराची। पाकिस्तान हॉकी में चल रहा संकट बृहस्पतिवार को गहरा गया जब आस्ट्रेलिया दौरे की व्यवस्था में कुप्रबंधन के कारण खिलाड़ियों के सड़क पर रहने को लेकर पीएचएफ की आलोचना करने वाले कप्तान अम्माद शकील पर दो साल का प्रतिबंध लगाने के बाद महासंघ के अध्यक्ष तारिक बुगती ने पद से इस्तीफा दे दिया। बुगती ने कहा कि उन्होंने पीएचएफ के मुख्य संरक्षक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को इस्तीफा भेज दिया है। उन्होंने कहा मैने प्रधानमंत्री को इस्तीफा भेज दिया है लेकिन उनसे और फील्ड मार्शल असीम मुनीर से आस्ट्रेलिया में प्रो लीग के दौरान हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह भी किया है।

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को भी दी पटखनी

टी-20 विश्व कप : खूब गरजे कप्तान रजा और बेनेट के बल्ले, जीत की लगाई हैट्रिक

कोलंबो, एजेंसी

ब्रायन बेनेट के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा की 45 रन की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को बृहस्पतिवार को छह विकेट से हराकर अपराजेय रहते हुए ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में टी20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश किया। कठिन पिच पर जीत के लिये 179 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए।

बेनेट 48 गेंद में 63 और रजा 26 गेंद में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमें ग्रुप बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में आस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है। जिम्बाब्वे ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 55 रन बना लिये थे। सलामी बल्लेबाज बेनेट और ताडी मारूमानी (26 गेंद में 34 रन) ने टीम को शानदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिये 8.3 ओवर में 69 रन बनाये। मारूमानी को दुनिथ वेलालागे ने रिटर्न कैच लेकर पवेलियन भेजा। रियान बर्ल ने 12 गेंद में 23 रन बनाये लेकिन दासुन शनाका की गेंद पर विकेट गंवा बैठे। इसके बाद रजा और बेनेट ने मोर्चा संभाला। रजा ने दिलशान मदुशंका को 15वें ओवर में लगातार दो छक्के लगाये। इसके अगले ओवर में स्पिनर महीष तीक्षणा को एक छक्का और एक चौका लगाया। रजा को 19वें ओवर में दुशान हेमंता ने आउट किया और दो गेंद बाद ताशिंगा मुसेकिवा भी पवेलियन लौट गए। आखिरी ओवर में जिम्बाब्वे को आठ रन चाहिये थे और टोनी मुनियोंगा ने तीक्षणा को छक्का लगाकर जिम्बाब्वे खेमे में खुशी का संचार कर दिया। इससे पहले धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई और वे सात विकेट पर 178 रन ही बना सके।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4.5 ओवर में 54 रन बनाए। बायें हाथ के बल्लेबाज परेरा सहज नहीं दिखे लेकिन तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को उन्होंने दो चौके लगाए। वह हालांकि मुजरबानी के बाउंसर पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट फाइन लेग पर ग्रीम क्रेमर को कैच दे बैठे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिये थे लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई।

श्रीलंका पर जीत दर्ज करने के बाद पैवेलियन लौटते जिम्बाब्वे के टोनी मुनयोंगा (बाएं) और ब्रायन बेनेट। एजेंसी

अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रनों से हराया

चेन्नई। अफगानिस्तान ने इब्राहिम जदरान (नाबाद 95 रन) की पारी के बाद मोहम्मद नबी (सात रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बृहस्पतिवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के औपचारिक ग्रुप डी मैच में कनाडा पर 82 रन की जीत से अपना अभियान खत्म किया। कनाडा की टीम टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी जबकि अफगानिस्तान की यह दूसरी जीत रही। राशिद खान की अगुआई वाली टीम स्पष्ट रूप से बेहतर टीम थी जो दक्षिण अफ्रीका को 'डबल सुपर ओवर' तक ले गई, हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी दोनों टीमों के बीच मुकाबले में अफगानिस्तान ने जदरान की 56 गेंद की अर्धशतकीय पारी से चार विकेट पर 200 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। फिर उसके गेंदबाजों ने कनाडा को 20 ओवर में आठ विकेट पर 118 रन ही बनाने दिए। अफगानिस्तान ने शानदार बल्लेबाजी के साथ शानदार गेंदबाजी की।

जीत का जश्न मनाते वेस्टइंडीज के खिलाड़ी। एजेंसी

होप और जोसेफ के कमाल से वेस्टइंडीज की आसान जीत

- इटली को 42 रनों से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान बरकरार रखा

कोलकाता, एजेंसी

कप्तान शाई होप के आकर्षक अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के चार विकेट और चार कैच की मदद से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां इटली को 42 रन से हराकर टी20 विश्व कप के ग्रुप सी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया।

इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया। वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने चार कैच भी लपके और इस तरह से वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच में चार विकेट और चार कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वेस्टइंडीज ने इस तरह से अपना अजय अभियान जारी रखा और ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई जहां उसका सामना भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिंबॉब्वे से होगा। इटली ने चार मैच में एक जीत हासिल की। ग्रुप सी से सुपर-8 में दूसरी टीम इंग्लैंड पहुंची है।

अभिषेक शर्मा।

अभिषेक की शून्य की हैट्रिक, भारत की सबसे बड़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने टी-20 विश्व कप में अपने चारों ग्रुप मैच जीत लिए हैं, लेकिन सुपर-8 में जाने से पहले ओपनर अभिषेक शर्मा का फॉर्म भारत की सबसे बड़ी चिंता होगी। भारत ने मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप के इतने ही मैचों में चार जीत हासिल की हैं और फिर भी, इस फॉर्मेट में नंबर 1 बैटर के बल्ले से एक भी रन की जरूरत नहीं पड़ी। लगातार तीन डक के बाद, अभिषेक ने यह पक्का कर दिया है कि कॉम्पिटिशन की सबसे खतरनाक बैटिंग लाइन-अप भी अपने सबसे अच्छे रूप में नहीं है। भारत के असिस्टेंट कोच, रयान टेन डेशकाटे ने फिलहाल इस छोटी सी चिंता को नजरअंदाज़ कर दिया है, कम से कम सबके सामने तो जरूर।

बुधवार को नीदरलैंड्स पर भारत की 17 रन की जीत के बाद टेन डेशकाटे ने कहा उसने कल रात नेट्स में बहुत अच्छी बैटिंग की, उसने 90 मिनट बैटिंग की। आपको उसे थोड़ी जगह भी देनी होगी। वह ग्रुप फेज में बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा था, उसने कुछ दिन हॉस्पिटल में बिताए और (नामीबिया के खिलाफ) गेम मिस कर दिया। यह उसके लिए अब तक बहुत निराशाजनक टूर्नामेंट रहा है। लेकिन मैंने कल रात उसकी बॉल स्ट्राइकिंग में कुछ बहुत अच्छे संकेत देखे। इसलिए उसके बारे में कोई चिंता नहीं है, जब दूसरा फेज आएगा तो वह ठीक हो जाएगा। यह समझा जा सकता है कि अभिषेक का इस कॉम्पिटिशन में एक भी रन न बना पाना चिंता की बात क्यों नहीं है। पहली बात, वह डेढ़ साल के शानदार प्रदर्शन के दम पर टूर्नामेंट में आया है, जिसने उसे दुनिया की रैंकिंग लिस्ट में टॉप पर पहुंचाया है। दूसरी बात, उसके आउट होने का कोई खास पैटर्न नहीं है, जबकि अमेरिका और पाकिस्तान दोनों ने माना है कि उन्होंने बाएं हाथ के इस खिलाड़ी के आउट होने की प्लानिंग में काफी समय बिताया था। उन्होंने संजय कृष्णमूर्ति की गेंद पर डीप कवर में कैच दे डाला, सलमान आगा की गेंद पर मिड ऑन पर पुल करने में चूक गए, और आर्यन दत्त की गेंद पर पुल करने से चूक गए। असल में कोई पैटर्न नहीं है। यह देखते हुए कि बाकी बैट्समैन ने अलग-अलग मौकों पर अच्छा खेला है, अभिषेक की मुश्किलों ने अभी तक टीम को परेशान नहीं किया है, ठीक वैसे ही जैसे ज़्यादातर दिनों में होता है जब अभिषेक रन नहीं बना पाए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ ईशान किशन की धमाकेदार बल्लेबाजी ने यह पक्का कर दिया कि अभिषेक का जल्दी आउट होना चिंता की बात नहीं है। इससे पहले, इसी तरह के दुर्लभ शुरुआती आउट में, संजू सैमसन ने बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरी लगाई थीं, जब अभिषेक क्लिक नहीं कर पाए थे। टी20 में भारत का दबदबा ओपनर्स द्वारा शुरुआती कंट्रोल हासिल करने की वजह से आया है।

पारी के शुरू में 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने से बचें : गावस्कर

अहमदाबाद। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि अभिषेक शर्मा मौजूदा टी-20 विश्व कप में उम्मीदों के दबाव से जूझ रहे हैं और वह चाहते हैं कि यह आक्रामक सलामी बल्लेबाज अपनी पारी की शुरुआत में 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने से बचे। अभिषेक ने टूर्नामेंट में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उनमें वह खाता खोलने में नाकाम रहे हैं। अमेरिका, पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ वह शुरू में ही आउट हो गए थे। गावस्कर ने स्टार स्पोर्टस से कहा अभिषेक शर्मा बहुत ही अच्छे इंसान हैं, लेकिन उन पर उम्मीदों का बोझ साफ दिख रहा है। अगर उन्होंने अमेरिका के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती तो बात कुछ और होती। अब बड़े छक्के लगाने वाला शीर्ष बल्लेबाज होने का दबाव उन पर साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा अपनी बल्लेबाजी क्षमता को देखते हुए उन्हें क्रीज पर समय बिताना होगा। उन्हें अपनी पारी की पहली ही गेंद पर चौका या छक्का लगाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अगर बड़े शॉट खेलने का मन करे तो ठीक है। लेकिन उन्हें 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। गावस्कर ने कहा कि इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज को अपनी पारी की शुरुआत में समझदारी से क्रिकेट खेलने की जरूरत है। उन्होंने कहा एक रन लो और अपना खाता खोलो।

शिवम दुबे

टी-20 विश्व कप में भारत का खामोश योद्धा

अहमदाबाद, एजेंसी

शिवम दुबे के शानदार खेल को देखकर उनकी जितनी चर्चा होनी चाहिए थी, उतनी नहीं होती, लेकिन यह भारतीय ऑलराउंडर खामोश योद्धा की तरह मौजूदा टी-20 विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एक प्रमुख पावर-हिटर के रूप में अपनी साख बना रहा है। नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किल पिचों पर छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलने के बाद दुबे ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ बीच के ओवरों में भारतीय पारी को जरूरी गति प्रदान की। दुबे ने शुरू में परिस्थितियों को परखा और अपनी पहली 11 गेंद पर छह रन बनाने के बाद तेजी दिखाई। उन्होंने 31 गेंद पर 66 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस पारी में छह छक्के शामिल हैं। अपने दूसरे टी-20 विश्व कप में खेल रहे दुबे स्पिनरों के खिलाफ अपनी सटीक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी खुद को उतना ही प्रभावी साबित कर दिया है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनके बेहतर प्रदर्शन का नमूना नीदरलैंड्स के खिलाफ देखने को मिला, जब उन्होंने लोगन वैन बीन की गेंदों की गति में होने वाले बदलावों को अच्छी तरह से समझा और उन्हें तीन छक्के जड़े। शॉर्ट बॉल के खिलाफ दुबे के खेल में कुछ सुधार आया है और इसका श्रेय वह आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होने के बाद की गई कड़ी मेहनत को देते हैं। उनका दृढ़ विश्वास ऐसा है कि कुछ डॉट गेंदों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वे जानते हैं कि बड़े शॉट आखिरकार लगेंगे ही। उन्होंने कहा यह बात हमेशा मेरे दिमाग में रहती है। यह जरूर है कि विकेट गिरने पर साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण होता है इसलिए अगर दो-चार गेंद खाली भी चली जाती हैं तो बहुत फर्क नहीं पड़ता क्योंकि बाद में उसका हिसाब बराबर हो जाता है। दुबे ने अपनी सफलता का श्रेय दबाव वाली परिस्थितियों में खेलने के अधिक मौके मिलने को भी दिया। उन्होंने कहा मुझे उस तरह की परिस्थितियों में खेलने के मौके मिले हैं। इसलिए जब भी आपको खेलने का मौका मिलता है तो आप उससे कुछ न कुछ सीखते हैं। इसलिए मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला है और उस परिस्थिति में मैं थोड़ा समझदार हो गया हूं। इसलिए मैं जानता हूं कि गेंदबाज मुझे किस तरह की गेंद कर सकता है। दुबे का आत्मविश्वास चरम पर है।

टी-20 में जब आप डॉट बॉल खेलते हैं, तो आप पर दबाव आता है। पर एक खिलाड़ी के रूप में, एक बल्लेबाज के रूप में मैं जानता हूं कि अगर मैं 10 गेंदों में दो रन बनाने के बावजूद यदि मैं अगली पांच गेंद में से दो गेंद पर छक्का लगा देता हूं तो हिसाब बराबर हो जाएगा।
-शिवम दुबे

रणजी ट्रॉफी | 24 फरवरी से खिताबी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर से होगी भिडंत

विशाल बढ़त के दम पर कर्नाटक पहुंचा फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। आठ बार की चैंपियन कर्नाटक ने पहली पारी की विशाल बढ़त के दम पर उत्तराखंड को सेमीफाइनल में पछाड़ते हुए रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली।

मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में 503 रन की बढ़त ने कर्नाटक को फाइनल का टिकट दिला दिया। अब कर्नाटक की टीम 24 फरवरी को अपने घरेलू मैदान हुबली में पहली बार फाइनल में पहुंची जम्मू कश्मीर क्रिकेट टीम से भिड़ेगी।

शहर के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के आखिरी दिन कर्नाटक ने छह विकेट पर 299 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन निचला क्रम ज्यादा योगदान नहीं दे सका और पूरी टीम 74.3 ओवर में 323 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में रविचंद्रन स्मरण ने 127 रन की शानदार पारी खेली, जबकि केएल राहुल 86 रन बनाकर नाबाद रहे। राहुल ने 130 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के जड़े। उत्तराखंड की ओर से मयंक मिश्रा ने 69 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि अभय नेगी ने 63 रन पर दो विकेट झटके। दोहरे शतक के लिए देवदत्त पड़िक्कल को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से दिया गया।

लखनऊ :मैच समाप्ति के बाद एकदूसरे से मिलते कर्नाटक और उत्तराखंड के क्रिकेटर। एजेंसी

- देवदत्त पड़िक्कल को दोहरे शतक के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया

संक्षिप्त स्कोर

कर्नाटक
- पहली पारी : 736 रन
- दूसरी पारी : 323 (74.3 ओवर)

उत्तराखंड
- पहली पारी : 233 रन
- दूसरी पारी : 260/6 (62 ओवर)

उत्तराखंड की संघर्षपूर्ण वापसी

उत्तराखंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने पांच रन पर पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। अवनीश सुधा ने 71 गेंदों पर 66 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर एक छोर संभाले रखा। एक समय टीम का स्कोर छह विकेट पर 156 रन था, लेकिन इसके बाद सौरभ रावत (54) और अभय नेगी (57) ने सातवें विकेट के लिए 104 रन की अविजित साझेदारी कर मैच को रोमांचक बना दिया। कर्नाटक के श्रेयस गोपाल ने तीन और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए। आखिरकार दोनों टीमों के कप्तानों की सहमति से निर्धारित समय से 15 ओवर पहले मैच को ड्रॉ घोषित कर दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मैच में भारत को हराकर शृंखला 1-1 से बराबर की

कैनबरा, एजेंसी

जॉर्जिया वोल (88) और बेथ मूनी (46) के बीच पहले विकेट के लिए 128 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने बृहस्पतिवार को यहां दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में भारत को 19 रन से हराकर तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

वोल और मूनी की पहले विकेट की साझेदारी भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी भागीदारी रही जिससे मेजबान टीम ने पांच विकेट पर 163 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शानदार शुरुआत की लेकिन इसके बावजूद 20 ओवर में नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी जिसमें हरमनप्रीत कौर ने 36, स्मृति मंधाना ने 31 और शेफाली वर्मा ने 29 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर ने 22 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनू को दो-दो विकेट मिले। शृंखला का निर्णायक मुकाबला शनिवार को एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। भारत का स्कोर नौवें ओवर में एक विकेट पर 65 रन था लेकिन मेहमान टीम ने आखिर में सात रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। शेफाली (23) की तेज शुरुआत के बाद मंधाना भी खुलकर खेल रही थीं। दोनों भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने पावरप्ले में 54 रन बना लिए थे। लेकिन मोलिनू ने शेफाली को पगबाधा आउट करके भागीदारी का अंत किया और गार्डनर ने जेमिमा रोड्रिग्स (04) का अहम विकेट लिया।

स्मृति मंधाना को आउट करने के बाद जश्न मनातीं सोफी मोलिनू। एजेंसी